आठवें सोमवार को लगी 'हनुमान अंश' की लॉटरी, बजरंग बली की कृपा से वीकडे पर 400 करोड़ पार हुआ आंकड़ा

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 25
न्यूनतम - 23

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

वर्ष 42, अंक 270 RNI NO.43285/85 | संस्करण- नगर | मुजफ्फरनगर मंगलवार 29 सितम्बर 2026 | भाद्रपद शुक्ल 17 विक्रमी संवत | पृष्ठ 12 | मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

प्रशांत इफेक्ट तो नहीं! सावधानी से कदम बढ़ा रही भाजपा

बिहार के एमएलसी इलेक्शन में कैंडीडेट पर सस्पेंस बरकरार

पटना (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी इन दिनों विशेष चर्चा का केंद्र बन चुकी है। वजह है एमएलसी चुनाव। वो भी इसलिए कि उनके साथी दल ने बहुत पहले ही अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर एक कदम इस लिहाजन बढ़ गई कि जदयू के भीतर उम्मीदवारों को लेकर कुछ भी अंतर्द्वंद नहीं है। मगर, भाजपा के भीतर नामो की घोषणा की

प्रक्रिया काफी जटिल है। कई स्तरों पर स्क्रूटनी के बार पहला मुहर तो प्रदेश भाजपा कमिटी और फिर केंद्रीय कमिटी लगाती है। बांकीपुर से सबक लेते हुए बीजेपी फूंक-फूंक कर कदम बढ़ाना चाहती है। भाजपा शीर्ष नेतृत्व के सूत्रों की माने तो बीजेपी के रणनीतिकारों ने सब कुछ तय कर लिया है। सिर्फ औपचारिक घोषणा बाकी है। सूत्रों की माने तो पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से नवल किशोर यादव, कोसी स्नातक से एनके यादव, दरभंगा स्नातक से सर्वेश कुमार और मुजफ्फरपुर शिक्षक क्षेत्र से नरेंद्र सिंह के नाम बस घोषणा हेतु इंतजाररत है। हालांकि, बिहार विधान परिषद के तिरहुत शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से गत चुनाव में भाकपा समर्थित उम्मीदवार डॉ संजय सिंह ने जीत हासिल की थी। भाजपा के उम्मीदवार डॉ नरेंद्र प्रसाद सिंह तीसरे स्थान पर रहे थे। एक चर्चा तो ये है कि बीजेपी ने डॉ नरेंद्र कुमार सिंह पर ही भरोसा किया है।

छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान विकसित करेगा भारत!

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का बड़ा ऐलान, तेजी से बढ़ा रहा कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा है कि भारत पांचवीं पीढ़ी के साथ-साथ छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान विकसित करने की दिशा में भी काम कर रहा है।

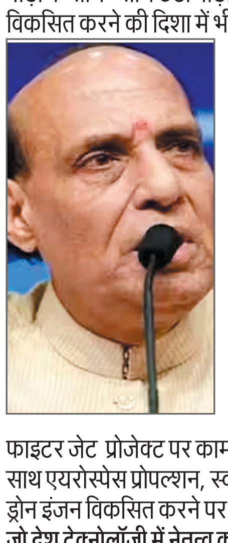

रक्षा मंत्री ने कहा कि इस मार्ग पर चुनौतियां जरूर आएंगी, लेकिन देश का संकल्प पूरी तरह अडिग है और भारत अगले दशक में रक्षा निर्माण में एक बड़ा कदम उठाने के लिए तैयार है। भारत अपने पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी स्टील्थ फाइटर जेट प्रोजेक्ट पर काम करने के साथ-साथ एयरोस्पेस प्रोपल्शन, स्वदेशी विमान और ड्रोन इंजन विकसित करने पर भी जोर दे रहा है। **जो देश टेक्नोलॉजी में नेतृत्व करेगा, उसे युद्ध के मैदान में बढ़त हासिल होगी**- उन्होंने कहा कि देश का लक्ष्य बिना किसी विघटन के आगे बढ़ना और संघर्ष के बिना सकारात्मक बदलाव लाना है। अपने संबोधन के दौरान राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि जो राष्ट्र प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नेतृत्व करेगा, उसे युद्ध के मैदान में बढ़त हासिल होगी। उन्होंने पिछले एक दशक में रक्षा क्षेत्र में हुई प्रगति के साथ-साथ सशस्त्र बलों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने के लिए कदम को भी रेखांकित किया।

रेलवे की मांग, स्टेशनों के पास से हटाएं 'लिकर शॉप'

रेलवे स्टेशन के पास शराब की दुकान, ना बाबा ना

सरकारी कंपनी को कहा गया, दुकान कहीं और ले जाओ!

चेन्नई (एजेंसी)। रेलवे की तरफ से एक बड़ी डिमांड आई है। रेलवे ने तमिलनाडु की एक सरकारी कंपनी से कहा है कि वह रेलवे स्टेशन के निकट या रेल फाटकों और रेल लाइनों के नजदीक के शराब दुकानों को रिलोकेट करें। इसका अर्थ है कि इन दुकानों को कहीं और शिफ्ट करें। रेलवे का कहना है कि इन लिकर शॉप्स की वजह से रेल परिसर में अव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है। रेलवे की चिट्ठी में 43 लिकर शॉप का जिक्र है। रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण रेलवे के चेन्नई डिवीजन ने कंपनी के प्रबंध निदेशक को चिट्ठी लिख कर यह मांग रखी है। रेलवे का कहना है कि रेलवे स्टेशन या रेलवे लाइनों के पास स्थित इन शराब की दुकानों के पास ही लोग दारू पीते हैं और झूमते हुए निकलते हैं।

चिट्ठी में बताया, महिला यात्रियों के लिए खतरा

इस पत्र में बताया गया है कि रेलवे स्टेशन के पास स्थित लिकर शॉप की वजह से महिला यात्रियों की सुरक्षा भी प्रभावित होती है। कई बार देखा गया है कि शराब का सेवन कर यात्री रेलवे स्टेशन पहुंच जाते हैं और ट्रेन से यात्रा करते हैं। इस दौरान महिला यात्रियों के साथ अभद्रता या उत्पीड़न की शिकायत भी सामने आई है। यदि इन दुकानों को कहीं और शिफ्ट कर दिया जाए तो शायद इस तरह की घटना सामने नहीं आए। रेलवे की चिट्ठी में चेन्नई, तिरुवल्लूर, वेल्लोर, तिरुपट्टूर, रानीपेट और कांचीपुरम जिले की शराब की कुछ दुकानों का जिक्र है। इनके अलावा रेलवे ने कोरुक्कुपेट, पेराम्बुर, जोलारपेट, विल्लिवक्कम, अवाडी, इन्नोर, नंदियावक्कम आदि स्थानों का भी जिक्र है। ये लिकर शॉप रेलवे स्टेशन, रेल फाटक या रेल लाइनों के नजदीक के हैं। तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन तमिलनाडु सरकार का सार्वजनिक उपक्रम है। तमिलनाडु में बिक्री पर इसी कंपनी का एकाधिकार है।

अगले चार महीने में टीएमसी का विवाद सुलझाए चुनाव आयोग

- सुप्रीम कोर्ट का सख्त आदेश, टीएमसी का नाम-सिंबल फ्रीज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तृणमूल कांग्रेस के नाम और 'फूल-पत्ती' चुनाव चिह्न से जुड़े विवाद पर फैसला देने की समय-सीमा तय की। कोर्ट ने दोनों गुटों को एक महीने में अपनी दलीलें पूरी करने और इसके बाद चुनाव आयोग को तीन महीने में फैसला देने का निर्देश दिया। यानी पूरी प्रक्रिया 4 महीने में पूरी करनी होगी। चुनाव आयोग ने विवाद को सुलझाने के लिए 6 महीने का समय देने की अपील की थी, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। यह आदेश ममता बनर्जी की याचिका पर सुनवाई के दौरान आया। उन्होंने चुनाव आयोग के उस अंतरिम फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें टीएमसी के नाम और चुनाव चिह्न का इस्तेमाल रोक दिया गया था।

कोर्ट ने कहा-विवाद सुलझाने के लिए एआई का इस्तेमाल करें

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को सुझाव दिया है कि वे टीएमसी विवाद को जल्दी सुलझाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग का इस्तेमाल करें। कोर्ट ने कहा कि इन आधुनिक तकनीकों की मदद से जटिल कानूनी दस्तावेजों को पढ़ने और समझने का काम बहुत तेजी से हो सकता है, जिससे यह पूरा मामला 6 महीने की बजाय सिर्फ 3 महीने में ही निपटाया जा सकेगा। बंगाल की दो विधानसभा सीटों नंदीग्राम और रेजीनगर में 6 अक्टूबर को उपचुनाव हैं। टीएमसी के दोनों गुटों ने असली नाम और सिंबल पर चुनाव लड़ने की मांग की थी। ईसी ने 17 सितंबर को ममता बनर्जी और अरूप रॉय के नेतृत्व वाले दोनों गुटों के नेताओं की सुनवाई की थी। सुनवाई के बाद चुनाव आयोग ने चुनाव चिन्ह फ्रीज कर दिया।

उज्जैन में मस्जिद का हिस्सा तोड़ने पर उपद्रव

- जमकर हंगामा, पथराव-लाठीचार्ज, 10 पर एफआईआर
- 5 गिरफ्तार, इमाम का दावा- मस्जिद 600 साल पुरानी

भोपाल (एजेंसी)। उज्जैन में शाही मस्जिद का एक हिस्सा तोड़े जाने पर सोमवार को जमकर हंगामा हुआ। पुलिस पर पथराव किया गया।

जवाब में लाठीचार्ज और आंसू गैस छोड़ी गई। भीड़ को हटाने के दौरान महिला थाना प्रभारी घायल हो गईं। विवाद के बाद फोर्स तैनात कर दी गई, लेकिन दोपहर होते-होते फिर पथराव होने लगा। पुलिस ने दोबारा लाठीचार्ज कर आंसू गैस छोड़ी। हंगामे के बीच कार्रवाई जारी रही। हालांकि, नमाज के समय इसे रोक दिया गया। इसके बाद मामला शांत हो गया।

पुलिस ने 10 लोगों पर एफआईआर की है। इनमें 5 सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। इन पर माहौल बिगाड़ने का आरोप है। अभी इनकी गिरफ्तारी की जानकारी नहीं मिली है जबकि बाहर से आए 5 लोग अरेस्ट किए गए हैं। उज्जैन की शाही मस्जिद पर नगर निगम की कार्रवाई जारी रहेगी। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका को खारिज कर दिया है। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर डबल बेंच ने मस्जिद का हिस्सा तोड़ने के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। उज्जैन में सिंहस्थ कुंभ वर्ष 2028 में लगेगा। ऐसे में उज्जैन में सड़क चौड़ीकरण का अभियान नगर निगम चला रहा है और उसी के तहत शाही मस्जिद के कुछ हिस्सों को हटा रहा है।

शहर काजी की रजामंदी पर भड़के लोग, घर पर किया पथराव

प्रशासन के साथ मीटिंग के बाद शहर काजी और मस्जिद कमिटी ने खुद से शाही मस्जिद हटाने पर सहमति दे दी थी। शहर काजी की रजामंदी के बाद उज्जैन में मुस्लि समाज के लोग भड़क गए। शहर काजी खली कुर्रे रहमान ने लोगों से शांति की अपील की थी। साथ ही कहा था कि सब कुछ सहमति से हो रहा है। इसके बाद मुस्लिम समाज के कुछ लोग भड़क गए हैं। उज्जैन स्थित उनके निवास पर जाकर लोगों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और उपद्रवियों को नियंत्रित किया है। साथ ही उनके ऊपर बल का भी प्रयोग किया है।

उपद्रवियों को लाठी मारकर खदेड़ा

आवास पर पत्थरबाजी करने गए उपद्रवियों को पुलिस ने लाठी मार-मारकर खदेड़ा है। एक वीडियो में दिख रहा है कि उज्जैन संभाग के कमिश्नर आशीष सिंह मौके पर मौजूद हैं। इस दौरान गली से उपद्रवियों को खदेड़ा जा रहा है। पुलिस के जवान एक उपद्रवी को लाठी मारकर वहां से खदेड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर के खिलाफ भी प्रकरण दर्ज किया गया है जो शहर की फिजा खराब कर रहे हैं। 5 लोगों को हिरासत में लिया गया है। वहीं, मामले मे 5 प्रकरण दर्ज किए गए है। शहर काजी के घर के बाहर भी कुछ लोगों ने प्रदर्शन किया था। उन पर भी एफआईआर दर्ज की जा रही है। मुस्लिम समाज के लोग खुद से ही चिह्नित हिस्से को हटा रहे हैं। अब मस्जिद के पास पूरी तरह से शांति है। प्रशासन ने भीड़ को वहां से हटा दिया है।

2000 से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर देना ही होगा चार्ज

- एससी का केंद्र सरकार के फैसले पर रोक लगाने से इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार के उस फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, जिसके तहत 15 अक्टूबर से 2,000 रुपये से ज्यादा के कुछ खास यूपीआई पर्सन-टू-मर्चेंट ट्रांजैक्शन पर एमडीआर लगाया जाना है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने दो हजार से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर एमडीआर लगाने को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र और अन्य से जवाब मांगा है। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि गेटवे का इस्तेमाल करने वाले 96 प्रतिशत लोग इससे छूट प्राप्त हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह मामला कानूनी से ज्यादा तकनीकी है और केंद्र व अन्य को चार हफ्ते के भीतर अपना जवाब (काउंटर एफिडेविट) दाखिल करने का निर्देश दिया। केंद्र सरकार ने इस महीने की शुरुआत में यूपीआई के लिए एक नया फ्रेमवर्क घोषित किया, जिसके तहत यूपीआई पेमेंट पर एमडीआर लगेगा।

ट्रैफिक चालान नहीं भरा तो बिजली बिल में जुड़ सकती है यह रकम!

- सुप्रीम कोर्ट ने सुझाया नया तरीका, ठोस कदम उठाने की जरूरत बताई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रैफिक चालान की वसूली को लेकर अधिकारियों को जमीनी स्तर पर ठोस कदम उठाने की जरूरत बताई है। सुनवाई के दौरान जस्टिस जेबी पारदीवाला ने सुझाव दिया कि अगर लोग ट्रैफिक चालान नहीं भर रहे हैं तो इसकी वसूली के लिए बिजली बिल जैसे दूसरे सरकारी बकाये के साथ रकम जोड़ने जैसे तरीकों पर विचार किया जा सकता है। जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि सिर्फ ई-चालान जारी करते रहना काफी नहीं है। पुलिस हजारों और लाखों ई-चालान जारी कर सकती है। लेकिन असली सवाल इन चालानों पर लगाए गए जुर्माने की वसूली का है। कोर्ट को जानकारी दी गई कि करीब 45000 करोड़ लेना है।

जमीनी स्थिति को ध्यान में रखते हुए करना होगा काम

जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि अधिकारियों को जमीनी स्थिति को ध्यान में रखते हुए काम करना होगा। उन्होंने कहा कि जिन वाहनों के चालान बाकी हैं, उनके रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट के रिन्यू और डुप्लीकेट सर्टिफिकेट जारी करने पर रोक जैसे कदम उठाए जा सकते हैं। ऐसे वाहनों के मालिकाना हक में बदलाव भी रोका जा सकता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि जब तक चालान का भुगतान नहीं होता, तब तक वाहन का फिटनेस सर्टिफिकेट जारी नहीं किया जाना चाहिए। ऐसे वाहनों को परिवहन पोर्टल पर ब्लैकलिस्ट करने और ड्राइविंग लाइसेंस के नवीनीकरण पर रोक लगाने जैसे कदम भी उठाए जा सकते हैं। इसके अलावा, पहले से जारी ड्राइविंग लाइसेंस को निलंबित करने और वाहन का पीयूसी सर्टिफिकेट जारी नहीं करने जैसे उपायों पर भी विचार करने को कहा गया। कोर्ट ने कहा कि अगर किसी वाहन का ई-चालान नहीं भरा गया है तो वाहन जब्त करने की कार्रवाई भी की जाए।

दो डीएसपी दबा गए माओवादियों के सीक्रेट बंकर से मिला कैश

पुलिस विभाग के भीतर ही उठ रहे गंभीर सवाल, रिपोर्ट भी दबाई

रायपुर (एजेंसी)। माओवादी डंप की तलाश के दौरान बरामद करीब 20 लाख रुपये की नकदी को लेकर अब पुलिस विभाग के भीतर ही गंभीर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि मार्च-अप्रैल 2026 में सुकमा जिले के मुरगांव क्षेत्र के जंगलों में तलाशी के दौरान मिली

रकम को सरकारी खाते में जमा कराने के बजाय तत्कालीन दो डीएसपी ने आपस में बांट लिया। मामले की जानकारी तत्कालीन एसपी तक पहुंचने के बाद आंतरिक जांच कराई गई लेकिन जांच रिपोर्ट सामने नहीं आने से पूरे मामले को लेकर सवाल बने हुए हैं। विभाग की ओर से इस आरोप पर अब तक कोई सार्वजनिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। दरअसल, तत्कालीन डीएसपी ने पुलिस टीम के साथ छापा मारा था।

असम से ब्रह्मपुत्र के रास्ते शुरू हो रहा 'अंतर्राष्ट्रीय' व्यापार

- बांग्लादेश बनने के बाद पहली बार इस रास्ते से गुजरेंगे दो कार्गो जहाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के डिब्रूगढ़ से आजादी के बाद पहली बार ब्रह्मपुत्र नदी के रास्ते इंटरनेशनल कार्गो शुरू हो रहा है। इस तरह का पहला कार्गो बांग्लादेश भेजा जा रहा है, जो उसके इतिहास में भी पहली बार होने वाला है। असम के डिब्रूगढ़ के बोगीबील टर्मिनल से दो कंटेनर शिप बांग्लादेश भेजे जा रहे हैं, जिन पर कुल 1,080 टन मेथेनॉल लदा है। दोनों जहाजों पर 20-20 टन मेथेनॉल वाले 27-27 कंटेनर लदे हैं और प्रत्येक जहाज पर लगभग 540 टन माल है। इस मेथेनॉल का उत्पादन असम के ही सरकारी

असम पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड में किया गया है।

80 साल बाद ब्रह्मपुत्र नदी के जरिए निर्यात- मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक असम पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड के चेयरमैन बिकुल डेका ने कहा कि करीब 80 साल बाद डिब्रूगढ़ से नदी के रास्ते निर्यात की शुरुआत हो रही है, मतलब यह भारत की आजादी के बाद भी असम से ब्रह्मपुत्र के माध्यम से निर्यात का यह पहला मामला है। एजेंसियों के मुताबिक डिब्रूगढ़ के बोगीबील टर्मिनल से ये कंटेनर जहाज ब्रह्मपुत्र नदी में करीब 783 किलो मीटर का सफर करेंगे। बांग्लादेश सीमा तक पहुंचने में इन जहाजों को करीब सात दिन लग जाएंगे। दोनों जहाज करीब 30 साल पुराने हैं। मेथेनॉल की यह खेप बांग्लादेश की राजधानी ढाका तक जाएगी।

डिब्रूगढ़ बनेगा नदी के जरिए निर्यात का ठिकाना

इनलैंड वॉटरवेज अथॉरिटी ऑफ इंडिया के बोगीबील पोर्ट के ऑफिस इंचार्ज पूजन कुमार ने न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया कि जब यह बंदरगाह पूरी तरह से चालू हो जाएगा तो असम से कई तरह के सामान आसपास के अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक भेजे जाएंगे। यहां एक कस्टम ऑफिस, जेट्टी और वेयरहाउस भी तैयार किया गया है। लाइटहाउस और रीजनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का निर्माण प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि ब्रह्मपुत्र नदी के माध्यम से ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड, पॉलिमर्स, पेट्रोलियम प्रोडक्ट, कोयला और चाय उद्योग से जुड़े सामान भेजे जा सकते हैं। इनके अलावा डिब्रूगढ़ और ऊपरी असम से कृषि उत्पादों के निर्यात का भी रास्ता खुल सकता है, जिनमें काजी निंबू, भूत झोलकिया और काली मिर्च शामिल हैं। अंग्रेजों के शासन काल में असम का यह इलाका बड़ा व्यापारिक केंद्र हुआ करता था।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सड़क पर उतरी कांग्रेस

- देश भर के आठ राज्यों में किया प्रदर्शन, इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर देश के 10 राज्यों मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, हरियाणा, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, गुजरात, दिल्ली, केरल में सोमवार को कांग्रेस प्रदर्शन कर रही है। यूपी के आगरा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ज्ञानेश कुमार के घर पर कालिख पोती और लिखा- 'ज्ञानेश कुमार गद्दार, वोट चोर'। राजस्थान के जयपुर में शहीद स्मारक पर सभा के बाद कांग्रेस नेताओं ने चुनाव आयोग के ऑफिस तक पैदल मार्च निकाला। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोक दिया। पुलिस ने पर्व सीएम अशोक गहलोत और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा समेत कार्यकर्ताओं पर वाटर कैनन चलाई।

अनमोल वचन

हम सभी समाज की एक इकाई हैं। हम सभी से मिलकर समाज बनता है। इसलिए हमारा समाज से सामंजस्य बने रहना बहुत जरूरी है, अन्यथा हम समाज में रहते हुए अलग-थलग पड़ जायेंगे। सभी के दुख और खुशी के समय आपकी उपस्थिति जरूरी है। आप कहीं नहीं जायेंगे तो कौन आपके दुख-सुख में आपके यहाँ आना पसंद करेगा? आप समाज से कट जायेंगे। सगे-संबंधियों और मित्रों के साथ-साथ पड़ोसियों का साथ भी जरूरी है। पड़ोसियों से संबंध मधुर रहने चाहिये, परन्तु आज आदमी अपने ही ध्यान में इतने उलझे रहते हैं कि बगल में क्या हुआ उनको पता ही नहीं चलता। माना कि आप अधिक व्यस्त हैं, परन्तु अपनों से जुड़े रहने के लिये संपर्क भले ही फोन द्वारा ही बातचीत का क्रम बना रहना चाहिये। निकट के मित्र हों या संबंधी, उनसे मिलते रहना संबंधों को मधुर बनाने के लिये आवश्यक है। पर्व-त्यौहारों पर निकट के पड़ोसियों के यहाँ एक-दूसरे की उपस्थिति अवश्य होनी चाहिये। दूर के सम्बन्धियों के यहाँ शादी व समारोह हों तो जाना जरूरी होता है, परन्तु तीज-त्यौहारों पर फोन द्वारा ही सही, शुभकामनाओं का आदान-प्रदान होना चाहिये। इस प्रकार आपसी समरसता बनी रहेगी और समाज के अंग के रूप में आप अपने कर्तव्यों के प्रति सचेत भी रहेंगे।

कांग्रेस के प्रदर्शन से पहले प्रशासन का पहरा, पूर्व महानगर अध्यक्ष अब्दुल्ला आरिफ साथियों समेत नजरबंद

कचहरी रोड पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन की तैयारी, कांग्रेस कार्यकताओं के जुटने की सूचना से प्रशासन मुस्तैद, युवा कांग्रेस अध्यक्ष फैसल कुरैशी और छात्र सभा अध्यक्ष आमिर सैफी भी घर पर नजरबंद

मुजफ्फरनगर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस के प्रस्तावित प्रदर्शन को लेकर सोमवार को मुजफ्फरनगर में प्रशासन और पुलिस सतर्क नजर आई। प्रदर्शन से पहले कांग्रेस के पूर्व महानगर अध्यक्ष अब्दुल्ला आरिफ को उनके साथियों सहित नजरबंद कर दिया गया। इसके अलावा युवा कांग्रेस के अध्यक्ष फैसल कुरैशी और छात्र सभा के अध्यक्ष आमिर सैफी को भी उनके आवास पर नजरबंद किए जाने की बात सामने आई है। कांग्रेस कार्यकताओं के कचहरी रोड पर जुटने और प्रदर्शन किए जाने की सूचना के चलते प्रशासन ने एहतियातन सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी।

कचहरी रोड पर प्रदर्शन की थी तैयारी

कांग्रेस की ओर से सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कचहरी रोड पर प्रदर्शन की तैयारी की गई थी। कांग्रेस कार्यकताओं के बड़ी संख्या में एकत्र होने की संभावना को देखते हुए पुलिस और प्रशासन पहले से ही सक्रिय हो गया। पार्टी कार्यकताओं द्वारा प्रदर्शन के लिए जुटने की सूचना के बाद प्रमुख स्थानों पर पुलिस की मौजूदगी बढ़ा दी गई। कांग्रेस ने देशभर में चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है। उत्तर प्रदेश में भी 28 सितंबर को जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन का कार्यक्रम घोषित किया गया था।

अब्दुल्ला आरिफ के आवास पर पहुंचा प्रशासन

प्रदर्शन में कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं की संभावित भागीदारी को देखते हुए पूर्व महानगर अध्यक्ष अब्दुल्ला आरिफ को उनके साथियों सहित उनके आवास पर ही नजरबंद कर दिया गया। बताया गया कि प्रशासन की ओर से उन्हें बाहर निकलकर प्रदर्शन में शामिल होने से रोकने के लिए यह कार्रवाई की गई। अब्दुल्ला आरिफ के अलावा युवा कांग्रेस अध्यक्ष फैसल कुरैशी और छात्र सभा अध्यक्ष आमिर सैफी को भी उनके आवास पर नजरबंद किए जाने की जानकारी सामने आई है। इन नेताओं के घरों के आसपास पुलिस की निगरानी रही।

कांग्रेस कार्यकताओं के जुटने से पहले ही पुलिस मुस्तैद

कचहरी रोड पर कांग्रेस कार्यकताओं के प्रस्तावित प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती। पुलिस बल की तैनाती के साथ ही अधिकारियों ने स्थिति पर नजर बनाए रखी। प्रशासन का प्रयास रहा कि प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति प्रभावित न हो और भीड़ को नियंत्रित रखा जा सके। कांग्रेस नेताओं की नजरबंदी के बाद पार्टी कार्यकताओं में भी नाराजगी देखी गई। कांग्रेस कार्यकताओं ने इसे लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज कराने के अधिकार से जोड़ते हुए सवाल उठाए।

चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर कांग्रेस का विरोध

कांग्रेस द्वारा आयोजित किए जा रहे इन प्रदर्शनों का केंद्र मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर पार्टी की आपत्तियां हैं। कांग्रेस ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण समेत चुनावी प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर सवाल उठाए हैं और इन मामलों में पारदर्शिता तथा जवाबदेही की मांग की है। पार्टी ने 28 सितंबर को जिला मुख्यालयों पर विरोध मार्च और प्रदर्शन करने का कार्यक्रम तय किया था। प्रदेश कांग्रेस की ओर से जिला और शहर कांग्रेस कमेटियों को संयुक्त रूप से कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए गए थे।

पहले भी प्रदेश में हो चुका है प्रदर्शन

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस का विरोध इससे पहले भी प्रदेश स्तर पर सामने आ चुका है। 25 सितंबर को लखनऊ में कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने प्रदर्शन किया था। उस दौरान बैरिकेडिंग को लेकर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच नोकझोंक हुई थी और कई कांग्रेस कार्यकताओं को हिरासत में लिया गया था।

अब 28 सितंबर को जिला स्तर पर प्रदर्शन का कार्यक्रम रखा गया है। इसी क्रम में मुजफ्फरनगर में भी कांग्रेस कार्यकताओं के प्रस्तावित प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन ने पहले से सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी।

जानसठ में सिविल जज ने छात्राओं को दी पॉक्सो कानून की जानकारी: गोमती कन्या इंटर कॉलेज में लगा विशेष जागरूकता शिविर

उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में हुआ कार्यक्रम

जानसठ (मुजफ्फरनगर)। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (लखनऊ) के तत्वावधान तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (मुजफ्फरनगर) के दिशा-निर्देशन में सोमवार को गोमती कन्या इंटर कॉलेज में एक विशेष कानूनी जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। गांधी जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को 'लैंगिक अपराधों से बच्चों का संरक्षण' (पॉक्सो अधिनियम-2012) के कानूनी प्रावधानों और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना रहा।

अव्यस्क बच्चों को प्राप्त है विशेष कानूनी संरक्षण

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सिविल जज (जूनियर डिवीजन) जानसठ, अभिषेक कुमार ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि पॉक्सो कानून के तहत 18 वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों को विशेष कानूनी सुरक्षा प्राप्त है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून की नजर में किसी नाबालिग द्वारा दी गई कथित सहमति को वयस्कों जैसी सहमति के रूप में स्वीकार नहीं किया जाता है और ऐसे मामलों में परिस्थितियों के अनुसार कड़ी कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है।

'गुड टच-बैड टच' और अधिकारों के प्रति किया जागरूक

न्यायाधीश ने छात्राओं को 'गुड टच-बैड टच' (सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श), लैंगिक अपराधों से बचाव तथा किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक या संदिग्ध गतिविधि होने पर बिना डरे तत्काल सूचना देने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसी भी घटना या असहज परिस्थिति को छिपाने के बजाय अपने अभिभावकों, शिक्षकों या संबंधित कानूनी अधिकारियों को इसकी जानकारी देना बेहद आवश्यक है।

दबाव या प्रलोभन में न आएं छात्राएं

प्रधानाचार्य ज्योति बालाविद्यालय की प्रधानाचार्य ज्योति बाला ने छात्राओं से कहा कि वे किसी भी प्रकार के अनुचित दबाव, धमकी या प्रलोभन में बिल्कुल न आएं। यदि कोई असहज परिस्थिति बनती है तो तुरंत अपने किसी विश्वसनीय परिजन या शिक्षक से संपर्क करें। इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य छात्राओं को एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करना और उन्हें कानूनी रूप से सशक्त व संवेदनशील बनाना रहा।

कार्यक्रम में कई प्रशासनिक अधिकारी व शिक्षक रहे मौजूद

इस जागरूकता कार्यक्रम में कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार सिंह, मिशन शक्ति प्रभारी अपर्णा यादव, विद्यालय की प्रधानाचार्य ज्योति बाला, कृति पोरवाल, अनुराधा शर्मा, सुधा, सविता भारती, पूजा सहगल, कविता भारती, रीमा यादव, रणपाल सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

आंगनबाड़ी केंद्रों के कायाकल्प में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त, 18 बिंदुओं पर संतृप्तीकरण के निर्देश

सीडीओ ने जिला पोषण समिति की समीक्षा बैठक में दिए कड़े निर्देश, हर 15 दिन में होगी कायाकल्प की समीक्षा; पोषाहार आपूर्ति में देरी पर नैफेड को पत्र भेजने के आदेश

मुजफ्फरनगर। विकास भवन सभागार में सोमवार को मुख्य विकास अधिकारी कण्डारकर कमलकिशोर देशभूषण की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित पोषण कार्यक्रमों, आंगनबाड़ी केंद्रों की व्यवस्थाओं, बच्चों एवं महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा केंद्रों के कायाकल्प की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाने और आंगनबाड़ी केंद्रों की व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए।

आंगनबाड़ी केंद्रों के कायाकल्प पर विशेष जोर

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी सुशील कुमार सहित सभी बाल विकास परियोजना अधिकारियों एवं प्रभारियों को निर्देश दिए कि जनपद के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को खंड विकास अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर कायाकल्प के निर्धारित 18 बिंदुओं पर संतृप्त कराया जाए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों और लाभार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए मूलभूत व्यवस्थाओं को मजबूत किया जाना जरूरी है। उन्होंने कायाकल्प कार्यों की प्रगति की नियमित निगरानी के निर्देश देते हुए कहा कि बाल विकास परियोजना अधिकारियों और खंड विकास अधिकारियों के साथ प्रत्येक 15 दिन में समीक्षा बैठक आयोजित की जाए। समीक्षा के दौरान केंद्रवार प्रगति की जानकारी लेते हुए जिन केंद्रों पर कार्य अधूरा है, वहां तेजी से कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए गए। आंगनबाड़ी केंद्रों पर

पोषाहार की समय से आपूर्ति के निर्देश

समीक्षा बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषाहार की आपूर्ति का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। नैफेड द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषाहार की आपूर्ति समय से नहीं किए जाने पर मुख्य विकास अधिकारी ने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने नैफेड के प्रभारी तथा निदेशक, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, उत्तर प्रदेश, लखनऊ को इस संबंध में पत्र भेजने के निर्देश दिए, ताकि आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषाहार की आपूर्ति समय से सुनिश्चित हो सके और लाभार्थियों को योजना का लाभ मिलने में किसी प्रकार की बाधा न आए।

हर माह आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण होगा

मुख्य विकास अधिकारी ने सभी बाल विकास परियोजना अधिकारियों एवं मुख्य सेविकाओं को निर्देश दिए कि वे प्रत्येक माह आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण करें। निरीक्षण के दौरान केंद्रों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं, संचालन, लाभार्थियों को मिल रही सुविधाओं और अन्य व्यवस्थाओं की स्थिति की जानकारी जुटाई जाए। उन्होंने निरीक्षण की आख्या नियमित रूप से जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि आंगनबाड़ी केंद्रों की वास्तविक स्थिति की समीक्षा की जा सके और कमियों को समय रहते दूर कराया जा सके।

एमसीपी कार्ड की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश

बैठक में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत आवेदन में आ रही दिक्कतों की भी समीक्षा की गई। आवश्यक एमसीपी कार्ड उपलब्ध न होने के कारण आवेदन प्रक्रिया प्रभावित होने की जानकारी पर मुख्य विकास अधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए कि एमसीपी कार्ड तत्काल प्रिंट कराकर एएनएम को उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि पात्र महिलाओं को योजनाओं का लाभ दिलाने में दस्तावेजों की उपलब्धता बाधा नहीं बननी चाहिए। संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ आवश्यक दस्तावेज समय से उपलब्ध कराएं, जिससे पात्र लाभार्थियों के आवेदन समय से कराए जा सकें।

अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ काम करने के निर्देश

सीडीओ ने बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पोषण से जुड़ी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन तभी संभव है, जब बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पंचायती राज एवं विकास विभाग समेत संबंधित विभागों के अधिकारी नियमित रूप से समन्वय बनाकर कार्य करें। बैठक में उपायुक्त एनआरएलएम, मुख्य चिकित्साधिकारी के प्रतिनिधि, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खंड विकास अधिकारी, सभी बाल विकास परियोजना अधिकारी एवं प्रभारी तथा सभी मुख्य सेविकाएं मौजूद रहीं।

न्यायालय के आदेश की अवहेलना कर फरार चल रहा आरोपी, घर पर चस्पा हुई उद्घोषणा के बाद भी पेश नहीं हुआ

मुजफ्फरनगर। थाना नई मंडी क्षेत्र में दर्ज एक मुकदमे में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी द्वारा न्यायालय के आदेश की अवहेलना करने का मामला सामने आया है। आरोपी के खिलाफ पहले गैर-जमानती वारंट जारी हो चुका था। इसके बाद न्यायालय के आदेश पर उसके मकान पर उद्घोषणा भी चस्पा की गई, लेकिन निर्धारित समय सीमा में आरोपी न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं हुआ। पुलिस की जुबानी तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। गंभीर धाराओं में दर्ज मुकदमे में फरार है आरोपी पुलिस के अनुसार, थाना नई मंडी मुजफ्फरनगर में मुकदमा अपराध संख्या 124/2025 धारा 109(1), 317(4) बीएनएस तथा 3/25/27 आयुध अधिनियम के तहत दर्ज है। इस मुकदमे की विवेचना उपनिरीक्षक द्वारा की जा रही है। मुकदमे में शादाब उर्फ कलीम पुत्र यामीन निवासी सराफत कॉलोनी, कस्बा एवं थाना खतौली नामजद आरोपी है, जो मुकदमा दर्ज होने के बाद से फरार चल रहा है। 31 मई 2025 को जारी हुआ था गैर-जमानती वारंट पुलिस की तहरीर के मुताबिक, फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय संख्या-1, मुजफ्फरनगर द्वारा 31 मई 2025 को गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था। वारंट के तहत आरोपी को 25 अगस्त 2025 तक गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जाना था, लेकिन आरोपी गिरफ्तार नहीं हुआ और लगातार फरार रहा। न्यायालय ने जारी किया धारा 84 बीएनएसएस का आदेश लगातार फरार रहने और न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं होने पर मामले में आगे न्यायालय की कार्रवाई शुरू हुई। पुलिस के अनुसार, 31 जनवरी 2026 को एसीजेएम न्यायालय संख्या-1, मुजफ्फरनगर द्वारा धारा 84 बीएनएसएस के तहत आदेश जारी किया गया।

कार्यालय मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण, मुजफ्फरनगर

सार्वजनिक सूचना

जनसामान्य को सूचित किया जाता है कि मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण के विकास क्षेत्र के अन्तर्गत मैसर्स एच.पी. सी.एल. मित्तल एनर्जी लि0, श्री अंकुश जैन पुत्र श्री ए.के. जैन, निवासी म0नं0–173, सैक्टर–15, सोनीपत, हरियाणा के द्वारा ऑनलाईन मानचित्र सं0–MZDA/BP/26-27/0127 के द्वारा अपनी भूमि खसरा नं0–25, ग्राम– अजीतपुर, तहसील–खतौली, जनपद–मुजफ्फरनगर, उ0प्र0 के कुल क्षेत्रफल 1539.88 वर्गमी0 (कुल नेट क्षेत्रफल 1259.88 वर्गमी0) पर "व्यावसायिक (पेट्रोल पम्प)" के प्रयोजन का मानचित्र स्वीकृति हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

प्रश्नगत स्थल खसरा नं0–25, ग्राम–अजीतपुर, तहसील–खतौली, जिला–मुजफ्फरनगर का भू–उपयोग खतौली महायोजना–2021 के अनुसार 76 मीटर चौडे महायोजना मार्ग के विस्तार/मार्गाधिकार छोडने के उपरान्त "कृषि" भू–उपयोग में दर्शित है।

उ0प्र0 विकास प्राधिकरण भवन निर्माण एवं विकास उपविधियाँ तथा आदर्श जोनिंग रेगूलेशन्स–2025 के अध्याय–15 (आदर्श जोनिंग रेगूलेशन) के प्रस्तर 15.3.2 (मैट्रिक्स) के 2.8(b) के अनुसार "कृषि" भू–उपयोग के अन्तर्गत "पेट्रोल पम्प" की क्रिया सामान्यतः अनुमन्य उपयोग के अन्तर्गत अनुमन्य है। जोनिंग रेगूलेशन/ महायोजना के अनुसार प्रमुख भू–उपयोग जोन के अन्तर्गत पूर्व विकसित योजनाओं/क्षेत्रों में मूल उपयोग से इतर क्रिया/उपयोग (भले ही जोनिंग रेगूलेशन के अनुसार ऐसी क्रिया/उपयोग सामान्यतः अनुमन्य/सशर्त अनुमन्य हो) अनुमन्य किये जाने हेतु 15 दिवस की समयावधि प्रदान करते हुए जनता से आपत्ति/सुझाव, उचित माध्यमों से आमन्त्रित किये जायेगें एवं इन आपत्तियों/सुझावों के निस्तारण के उपरान्त ही स्वीकृति/ अस्वीकृति की कार्यवाही की जायेगी। अनुज्ञा से सम्बन्धित आवेदन–पत्र का निस्तारण प्राप्ति की दिनांक से अधिकतम 60 दिन में सुनिश्चित किया जायेगा।

उक्त प्रकरण के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति/संस्था/अन्य द्वारा अपनी आपत्ति/सुझाव प्रकाशन तिथि से 15 दिवस की अवधि के अन्तर्गत प्राधिकरण कार्यालय में ई–मेल (mdamzn@yahoo.co.in) अथवा उचित माध्यम से उपलब्ध कराये जा सकते हैं। उक्त निर्धारित अवधि व्यतीत होने के उपरान्त प्राप्त किसी भी आपत्ति/सुझाव पर विचार नहीं किया जायेगा।

सचिव
विकास प्राधिकरण, मुजफ्फरनगर

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं **मौ0 आबिद पुत्र मौ0 ग्यूर** निवासी 213, कृष्णापुरी मुजफ्फरनगर, मैं मकान न0 213, मौहल्ला कृष्णापुरी का मालिक हूँ जो मुझे मेरे पिता (**ग्यूर पुत्र श्री अय्यूब**) से उपहार पत्र दिनांक 23.08.2025 के द्वारा प्राप्त हुई है जो बही न0 1 जिल्द संख्या 11655 के पृष्ठ 103 से 116 तक कंमाक **18656 पर दिनांक 23/08/2025 पर दर्ज है। मै** इस मकान न0 213, मौहल्ला कृष्णापुरी को शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक मे बन्धक का रहा हूँ अगर इस के सम्बन्ध मे किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति/सूचना है तो सम्पर्क करे।

सुमित कुमार एड0, 32बी0 पालिका बाजार, महावीर चौक, मुजफ्फरनगर।
मो0 न0 9634494810

सेवा संकल्प अभियान: डीएवी कॉलेज में लगी चित्र प्रदर्शनी में दिखी प्रधानमंत्री के 25 साल के जनसेवा कार्यों की झलक

भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी ने प्रदर्शनी का किया अवलोकन, बोले—जनकल्याणकारी योजनाओं से आमजन के जीवन में आया बदलाव; लोगों से प्रदर्शनी देखने की अपील

मुजफ्फरनगर। प्रधानमंत्री के जनसेवा से देशसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत डीएवी कॉलेज में चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। भाजपा के जिला अध्यक्ष सुधीर सैनी ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विभिन्न चित्रों एवं प्रदर्शित योजनाओं के माध्यम से केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी ली। प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री द्वारा जनसेवा के क्षेत्र में किए गए कार्यों तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी में महापुरुषों का सम्मान, जनकल्याणकारी योजनाएं, कौशल विकास से युवा सशक्तीकरण, सक्षम प्रदेश, उन्नत किसान-समृद्ध प्रदेश, नया भारत-नया उत्तर प्रदेश, विरासत का मान-विकास का अभिमान समेत विभिन्न विषयों को प्रमुखता से दशार्या गया। इसके अलावा प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना सहित गरीब एवं किसानों से जुड़ी योजनाओं की जानकारी भी चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित की गई। प्रदर्शनी में योजनाओं के माध्यम से आमजन को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और उनके प्रभाव को भी दशार्या गया। प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री के देशसेवा के 25 वर्षों के सफर में किए गए अनेक कार्यों में से कुछ प्रमुख कार्यों की झलक इस प्रदर्शनी में देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि आमजन के जीवन में किस प्रकार परिवर्तन लाया जा सकता है, इसकी

झलक विभिन्न योजनाओं और विकास कार्यों के माध्यम से प्रदर्शनी में दिखाई गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के कार्यकाल में एक ओर देश की संस्कृति और विरासत को संजोने पर जोर दिया गया है, वहीं दूसरी ओर तकनीक और आधुनिक विकास के माध्यम से देश को आगे बढ़ाने के प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा कि देश को विकास की दिशा में आगे बढ़ते देखना गौरव की बात है। सुधीर सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों तक विकास और जनकल्याण की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य आमजन को केंद्र एवं राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना, पात्र लोगों तक योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाना और उनकी समस्याओं का त्वरित निवारण सुनिश्चित करना है। अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य, स्वच्छता, महिला सशक्तीकरण और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

आमजन से प्रदर्शनी देखने की अपील

भाजपा जिलाध्यक्ष ने जनपदवासियों से अपील की कि डीएवी कॉलेज में आयोजित चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन जरूर करें। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों और विकास कार्यों की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने लोगों से यह भी कहा कि योजनाओं की जानकारी स्वयं लेने के साथ ही जरूरतमंद अन्य लोगों तक भी इसकी जानकारी पहुंचाएं, ताकि पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि जनसेवा के 25 वर्षों के दौरान विकास और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यों को प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री के सेवा, विकास और जनकल्याण से जुड़े कार्यों को अलग-अलग विषयों के माध्यम से दशार्या गया।

खतौली नगर पालिका में लगा शिविर: संकल्प सेवा अभियान, आयुष्मान, पेंशन और बिजली समस्याओं का समाधान

खतौली (मुजफ़्फरनगर)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में देशभर में चलाए जा रहे 'संकल्प सेवा अभियान' के अंतर्गत नगर पालिका परिषद खतौली में एक दिवसीय विशाल जनसमस्या समाधान शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य आमजन की प्रशासनिक और सरकारी योजनाओं से जुड़ी समस्याओं को एक ही छत के नीचे सुनना और उनका त्वरित समाधान करना रहा। शिविर का विधिवत उद्घाटन भाजपा के जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी और किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष राजू अहलावत ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर सुधीर सैनी ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक बिना किसी बाधा के पहुँचाना ही इस अभियान की मुख्य प्राथमिकता है। आयोजित शिविर में सुबह से ही स्थानीय नागरिकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने आयुष्मान भारत कार्ड बनवाने, विद्युत विभाग से जुड़ी गड़बड़ियों, वृद्धावस्था व विधवा पेंशन, तथा नगर पालिका की सफाई व जलापूर्ति जैसी विभिन्न समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए। शिविर में मौजूद अधिकारियों और आयोजकों ने मौके पर ही संबंधित विभागीय अफसरों से समन्वय स्थापित कर कई शिकायतों का निस्तारण कराया। शिविर के दौरान उपस्थित लोगों को शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और पात्र नागरिकों को योजनाओं का लाभ उठाने के लिए पंजीकरण हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के सह-संयोजक मोनू मंगवानी ने बताया कि संकल्प सेवा अभियान का सीधा ध्येय जन-जन की समस्याओं को सुनना, समझना और उनका जमीनी स्तर पर समाधान सुनिश्चित करना है।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

कार्यालय नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर।

पत्रांक:- 1270/E-Tender/P.W.D/NPP/2026-27 **दिनांक:- 28-09-2026**

ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर के निर्माण विभाग के समस्त पंजीकृत/वर्ष 2026-27 में नवीनीकृत / किसी भी शासकीय विभाग में निर्माण कार्यों हेतु पंजीकृत / नवीनीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है, कि निम्नलिखित 11 निर्माण कार्यों हेतु दिनांक 19/10/2026 को अपराह्न 3:00 बजे तक ई-निविदायें आमन्त्रित की जाती है। वेबसाईट http://etender.up.nic.in पर निविदा फार्म ऑनलाईन दिनांक 29/09/2026 की प्रातः 10:00 से दिनांक 19/10/2026 की अपराह्न 3:00 बजे तक डाउनलोड तथा अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई-निविदाओं को दिनांक 19/10/2026 की अपराह्न 4:00 बजे अधिशासी अधिकारी महोदया के समक्ष खोला जायेगा। कार्य राज्य वित्त आयोग की धनराशि के अन्तर्गत स्वीकृत है। निविदा सूचना की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त किये जाने हेतु नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर के निर्माण विभाग कार्यालय में आकर प्राप्त कर सकते हैं।

सहायक अभियन्ता (निर्माण)	अधिशासी अधिकारी	अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद	नगर पालिका परिषद	नगर पालिका परिषद
मुजफ्फरनगर।	मुजफ्फरनगर।	मुजफ्फरनगर

॥ ॐ शांति ॐ ॥

तेरहवीं रस्म

॥ भावपूर्ण श्रद्धांजलि ॥

" स्मृतियाँ सदा हमारे साथ रहेंगी "

स्व. श्री राजकुमार गुप्ता
(पुत्र स्व. श्री नानूमल जी)

मान्यवर,
अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे पूज्यनीय श्री राजकुमार गुप्ता जी का स्वर्गवास रविवार, 20 सितम्बर 2026 को हो गया था। प्रभु की ऐसी ही इच्छा थी।
जिनकी रस्म पगड़ी बुधवार, 30 सितम्बर 2026 को निम्न कार्यक्रमानुसार होनी निश्चित हुई है।

ब्रह्म भोज	प्रातः 11 बजे
रस्म पगड़ी / शोकसभा	दोपहर 2 बजे

— शोकसभा स्थान : —
आशीर्वाद बैंक्वेट हॉल
लक्ष्मण बिहार, निकट जानसठ बस स्टैंड, मुजफ्फरनगर

लोकेशन स्कैन करें

— शोकाकुल परिवार —
गजेन्द्र गुप्ता, यशपाल गुप्ता (भाई)
अमित गुप्ता, पुनीत गुप्ता (पुत्र)
नीरज गुप्ता, प्रियंक गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, मयंक गुप्ता, विशाल गुप्ता,
विकास गोयल, अंकित गोयल (भतीजे)
अक्षत गोयल, सक्षम गोयल (पोत्र)
एवं समस्त गोयल गरिवार (नैनशोब वाले)

रॉयल बुलेटिन

मुजफ्फरनगर समाचार

मंगलवार 29 सितम्बर 2026 पृष्ठ 3

तीन दिन से झमाझम बारिश ने बदला मुजफ्फरनगर का मिजाज, 25 डिग्री पर लुढ़का पारा, सितंबर में ही सर्दी की दस्तक

सुबह से रुक-रुककर बरसे बदरा, गर्मी और उमस से मिली बड़ी राहत – बारिश से हवा हुई साफ, एक्यूआई 35 पर पहुंचा, सड़कों पर पानी से दुपहिया वाहन चालक परेशान

मुजफ्फरनगर। सितंबर के आखिरी दिनों में मौसम ने अचानक करवट बदल ली है। शनिवार से शुरू हुआ बारिश का सिलसिला सोमवार को लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। अल सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे और रुक-रुककर झमाझम बारिश होती रही। लगातार बारिश के कारण दिन के तापमान में बड़ी गिरावट दर्ज की गई और अधिकतम तापमान करीब 25 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम में आई इस तब्दीली से जहां पिछले कई दिनों से गर्मी और उमस झेल रहे लोगों को राहत मिली, वहीं हवा में बढ़ी ठंडक ने सितंबर में ही सर्दी के आगमन का अहसास करा दिया। पिछले दिनों तेज धूप, उमस और गर्मी से परेशान लोगों के लिए तीन दिन से हो रही बारिश राहत लेकर आई है। सोमवार को भी सुबह से बारिश का दौर चलता रहा। कभी तेज तो कभी हल्की बारिश होने से तापमान में लगातार गिरावट महसूस की गई। दिन के समय भी मौसम सुहावना बना रहा और लोगों को गर्मी से राहत मिली। बारिश के बाद वातावरण में ठंडक बढ़ने से सुबह और शाम के समय मौसम में सर्दी जैसी अनुभूति होने लगी है। लगातार बारिश का सीधा असर तापमान पर पड़ा है। अधिकतम तापमान गिरकर करीब 25 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। तापमान में आई इस गिरावट के कारण दिन में भी गर्मी का असर काफी कम रहा। बारिश और ठंडी हवा के चलते मौसम का मिजाज पूरी तरह बदला हुआ नजर आया। लोगों का कहना है कि सितंबर के अंतिम सप्ताह में इस तरह की ठंडक ने सर्दी के आने का संकेत दे दिया है। बारिश ने धो डाली हवा, एक्यूआई 35 पर पहुंचा

बारिश का एक बड़ा असर जिले की हवा की गुणवत्ता पर भी देखने को मिला। बारिश के कारण वातावरण में मौजूद धूल और प्रदूषण के कण काफी हद तक नीचे बैठ गए। इसके चलते वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई 35 के स्तर पर दर्ज किया गया। हवा की रफ्तार करीब छह किलोमीटर प्रति घंटा रही। बारिश के बाद आसमान साफ और वातावरण अपेक्षाकृत स्वच्छ नजर आया। हवा में प्रदूषण का स्तर कम होने से लोगों ने भी राहत महसूस की। लगातार बारिश के कारण सोमवार को सड़कों पर सामान्य दिनों की अपेक्षा अलग नजारा देखने को मिला। जरूरी काम से घरों से निकलने वाले लोग छाता और रेनकोट लेकर निकले। दोपहिया वाहन चालकों ने बारिश से बचने के लिए रेनकोट का सहारा लिया। कई स्थानों पर लोग बारिश थमने का इंतजार करते भी नजर आए। लगातार बादल और बारिश के चलते बाजारों तथा प्रमुख मार्गों पर भी मौसम का असर दिखाई दिया। बारिश भले ही गर्मी से राहत लेकर आई हो, लेकिन लगातार बरसात ने आवागमन की परेशानी भी बढ़ा दी। कई सड़कों पर बारिश का पानी जमा होने से बाइक और स्कूटर सवारों को सावधानी से गुजरना पड़ा। तेज बारिश के दौरान दोपहिया वाहन चालकों की मुश्किलें और बढ़ गईं। पानी भरी सड़कों से गुजरते समय वाहन चालकों को फिसलन का भी सामना करना पड़ा। तीन दिन से लगातार हो रही बारिश ने सितंबर के आखिरी सप्ताह में ही मौसम का मिजाज बदल दिया है। दिन के तापमान में गिरावट, ठंडी हवा और लगातार बारिश के कारण लोगों को अब सर्दी की शुरूआत का अहसास होने लगा है। मौसम में आई इस तब्दीली के बाद लोगों के बीच भी सर्दियों के जल्द आने की चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि बारिश ने

खतौली में दुकान पर टूटकर गिरे दो विशाल पेड़: व्यापारी बाल-बाल बचा, लाखों का सामान तबाह

बुढ़ाना रोड पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह रही बाधित

खतौली। नगर के बुढ़ाना रोड पर सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब रविपुरी स्कूल के ठीक सामने स्थित एक टाइल्स की दुकान पर अचानक दो भारी-भरकम पेड़ टूटकर आ गिरे। हादसा इतना भीषण था कि पेड़ों के गिरते ही दुकान की छत और अंदर रखा लाखों रुपये की कीमत का कीमती सामान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे के दौरान दुकान स्वामी अंदर ही मौजूद था, जो गनीमत रही कि वक्त रहते सुरक्षित बच निकला और एक बड़ा हादसा होने से टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सोमवार को बुढ़ाना रोड पर सामान्य दिनों की तरह चहल-पहल थी। इसी दौरान रविपुरी स्कूल के सामने स्थित टाइल्स की दुकान के ऊपर बने और आसपास खड़े दो पुराने पेड़ अचानक चरमराकर दुकान के ऊपर आ गिरे। पेड़ों के गिरते ही जोरदार धमाके की आवाज हुई और चारों तरफ धूल का गुबार फैल गया। अचानक हुए इस घटनाक्रम से मार्ग पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के दुकानदार और राहगीर अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।

दुकानदार का हुआ भारी वित्तीय नुकसान

घटना के समय दुकान स्वामी अंदर ही काम कर रहा था। जैसे ही पेड़ों के गिरने की आहट हुई, उसने किसी तरह खुद को बचाया। हालांकि, दुकान में रखी महंगी टाइल्स, सेनेटरी का सामान और अन्य ढांचा पेड़ों के भारी वजन के नीचे दबकर चकनाचूर हो गया। प्राथमिक आकलन के अनुसार दुकानदार को लाखों रुपये के सामान का सीधा नुकसान पहुंचा है। हादसा होते ही आसपास के दर्जनों व्यापारी और स्थानीय नागरिक तुरंत राहत कार्य के लिए मौके पर एकत्र हो गए। विशालकाय पेड़ों के सड़क और दुकान पर गिरने के कारण बुढ़ाना रोड पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बाधित हो गई, जिससे मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचा और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल पर जुटी उत्सुक भीड़ को दूर हटाया और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखी।

प्रशासन से की पेड़ हटाने की मांग

हादसे के बाद बुढ़ाना रोड के स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों में पुराने व जर्जर पेड़ों को लेकर रोष देखने को मिला। क्षेत्रवासियों ने स्थानीय प्रशासन और वन विभाग से मांग की है कि मार्ग पर यातायात सुचारु कराने के लिए दुकान व सड़क पर गिरे पेड़ों के हिस्सों को तत्काल प्रभाव से हटवाया जाए।

इंस्टाग्राम की दोस्ती बनी मुसीबत: तीन बाल अपचारियों के खिलाफ जीरो एफआईआर दर्ज

शादी का झांसा देकर किशोरी को बुलाया, तीन दिन बंधक रखने का आरोप, कासगंज से मेरठ बुलाकर मुजफ्फरनगर लाने का आरोप

मुजफ्फरनगर। सोशल मीडिया पर हुई दोस्ती के बाद शादी का झांसा देकर किशोरी को दूसरे जिले से बुलाने और फिर उसे तीन दिन तक बंधक बनाकर रखने के आरोप का मामला सामने आया है। शुक्रवार रात किशोरी को दो साथियों के साथ ऋषिकेश ले जाने के दौरान उसने शोर मचा दिया, जिसके बाद मौके पर भीड़ जुट गई। लोगों ने किशोरी को तीनों बाल अपचारियों के कब्जे से मुक्त कराया। मामले में किशोरी के भाई की तहरीर पर नगर कोतवाली पुलिस ने तीन बाल अपचारियों के खिलाफ अपहरण की धारा में जीरो एफआईआर दर्ज कर संबंधित जिले को भेज दी है। किशोरी के स्वजन ने उसके साथ दुष्कर्म किए जाने का भी आरोप लगाया है, जिसकी पुलिस जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार किशोरी के बयान दर्ज होने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इंस्टाग्राम पर हुई थी दोस्ती, एक साल से संपर्क में थे

बताया गया कि कासगंज निवासी किशोरी की करीब एक साल पहले इंटरनेट मीडिया के माध्यम से मुजफ्फरनगर निवासी एक किशोर से दोस्ती हुई थी। दोनों के बीच इंस्टाग्राम के जरिए बातचीत होती थी। आरोप है कि कुछ दिन पहले किशोर ने किशोरी को शादी करने का झांसा देकर मुजफ्फरनगर बुला लिया। किशोरी बस से मेरठ पहुंची, जहां से आरोपित किशोर उसे अपने साथ मुजफ्फरनगर ले आया।

दोस्त के घर में तीन दिन तक रखने का आरोप

आरोप है कि मुजफ्फरनगर लाने के बाद किशोरी को मुख्य आरोपित के एक दोस्त के घर पर ठहराया गया। स्वजन का आरोप है कि वहां किशोरी को उसकी इच्छा के विरुद्ध करीब तीन दिन तक बंधक बनाकर रखा गया। इस दौरान उसे बाहर जाने की अनुमति नहीं दी गई। स्वजन ने यह भी आरोप लगाया कि किशोरी का मोबाइल फोन छीन लिया गया और उसका सिम तोड़कर फेंक दिया गया, जिससे वह अपने परिवार से संपर्क नहीं कर सकी।

ऋषिकेश ले जाते समय किशोरी ने मचाया शोर

मामले में शुक्रवार रात उस समय नया मोड़ आया, जब मुख्य आरोपित किशोर अपने दो साथियों के साथ किशोरी को लेकर ऋषिकेश की ओर जाने लगा। इसी दौरान किशोरी ने शोर मचा दिया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए। लोगों ने हस्तक्षेप करते हुए किशोरी को तीनों के कब्जे से मुक्त कराया। इसके बाद घटना की जानकारी उसके स्वजन तक पहुंची।

शनिवार रात पहुंचे स्वजन, वन स्टाप सेंटर में हुई मुलाकात

घटना की जानकारी मिलने के बाद किशोरी के स्वजन शनिवार रात मुजफ्फरनगर पहुंचे। उन्होंने नगर कोतवाली पुलिस से संपर्क किया। किशोरी को वन स्टाप सेंटर में रखा गया, जहां स्वजन ने उससे मुलाकात की। इसके बाद परिवार की ओर से मामले में कार्रवाई की मांग की गई। किशोरी के स्वजन ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि उसे बंधक बनाकर रखने के साथ उसके साथ दुष्कर्म भी किया गया। हालांकि पुलिस ने फिलहाल दुष्कर्म के आरोप की पुष्टि नहीं की है। पुलिस का कहना है कि इस संबंध में जांच की जा रही है और किशोरी के बयान तथा जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

खतौली की मस्जिद में चोरी: फज्र की नमाज से पहले घुसा चोर, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

मोहल्ला नई आबादी स्थित मस्जिद उमर फारूक की घटना: मस्जिद से मोअज्जिन का सामान चोरी

खतौली। कस्बे के मोहल्ला नई आबादी स्थित मस्जिद उमर फारूक में सोमवार तड़के एक अज्ञात चोर ने घुसकर मोअज्जिन का सामान पार कर दिया। चोरी की यह पूरी वारदात मस्जिद में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। धार्मिक स्थल में हुई इस चोरी की घटना का पता चलते ही मोहल्लेवासियों और नमाजियों में गहरा रोष फैल गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना सोमवार सुबह फज्र की नमाज शुरू होने से ठीक पहले घटी। चोर बड़ी ही चालाकी से मस्जिद परिसर में दाखिल हुआ। उस समय कुछ नमाजी फज्र की नमाज की तैयारी के लिए मस्जिद में मौजूद थे। मौका पाकर शातिर चोर ने मोअज्जिन का सामान उठाया और आसानी से

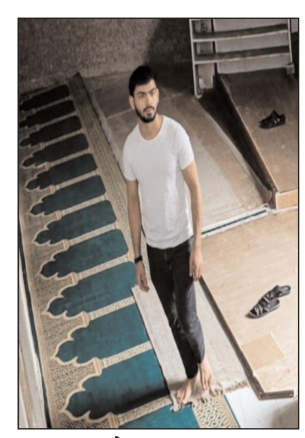

रफूचक्कर हो गया।

सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई चोर की करतूत चोरी की भनक लगते ही जब मस्जिद प्रबंधन ने परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, तो उसमें चोर के प्रवेश करने और सामान चोरी कर ले जाने की पूरी गतिविधि साफ नजर आई। फुटेज सामने आने के बाद मोहल्ले के लोग एकत्र हो गए और घटना पर कड़ा विरोध जताया। सभासद और जिम्मेदार पहुंचे थाने, गिरफ्तारी की मांग घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय वार्ड सभासद सद्दाम के नेतृत्व में मस्जिद समिति के जिम्मेदार लोग और स्थानीय नागरिक तत्काल खतौली कोतवाली पहुंचे। उन्होंने पुलिस को लिखित तहरीर सौंपकर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की अविलंब पहचान करने, उसे गिरफ्तार करने तथा चोरी हुआ सामान बरामद कराने की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की छानबीन और सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है।

दामाद पर धोखाधड़ी से 10 बीघा जमीन हड़पने का आरोप, एसएसपी के दरबार पहुंची विधवा महिला

बैनामे की कार्रवाई के बहाने हिबानामा अपने नाम कराने का आरोप; राजस्व अभिलेखों में भी नाम दर्ज कराने की शिकायत

मुजफ्फरनगर। बुढ़ाना तहसील में मुंशी का काम करने वाले दामाद पर अपनी ही सास की करीब 10 बीघा कृषि भूमि कथित धोखाधड़ी और कूटरचित दस्तावेजों के जरिए अपने नाम कराने का गंभीर आरोप लगा है। शामली जनपद की एक विधवा महिला ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर को शिकायती पत्र देकर पूरे मामले की जांच और आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। महिला का आरोप है कि अनपढ़ होने के कारण उसने जमीन के बैनामे से संबंधित पूरी कार्रवाई अपने दामाद के भरोसे छोड़ दी थी। इसी का फायदा उठाकर कथित तौर पर उसी दिन जमीन का हिबानामा यानी दान-पत्र भी उसके नाम तैयार करा लिया गया और महिला के अंगूठे लगवा लिए गए। महिला के मुताबिक बाद में राजस्व अभिलेखों में भी जमीन आरोपी के नाम दर्ज करा दी गई। एसएसपी कार्यालय पहुंची महिला ने मीडिया से बातचीत के दौरान अपनी आपबीती बताई। अपनी जमीन चले जाने और कथित धमकियों का जिक्र करते हुए महिला भावुक हो गई और कैमरे के सामने ही रो पड़ी।

महिला का कहना है कि उसने जिस दामाद पर भरोसा करके जमीन के बैनामे की जिम्मेदारी सौंपी थी, उसी पर अब जमीन हड़पने का आरोप है। महिला ने पुलिस अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और कथित रूप से अपने नाम कराई गई जमीन वापस दिलाने की गुहार लगाई है। शिकायतकर्ता बाला, पत्नी स्वर्गीय भोपाल, निवासी ग्राम मुंडेट कलां, थाना आदर्श मंडी, जनपद शामली के अनुसार उसने 16 मई 2024 को ग्राम मंदवाड़ा, थाना बुढ़ाना क्षेत्र में यामीन पुत्र वकील से करीब 10 बीघा कृषि भूमि खरीदी थी। महिला का कहना है कि वह पढ़ी-लिखी नहीं है और तहसील की दस्तावेजी प्रक्रिया की उसे जानकारी नहीं थी। इसी वजह से उसने अपने दामाद राहुल कुमार पर भरोसा किया। महिला के अनुसार राहुल कुमार बुढ़ाना तहसील में मुंशी का काम करता है और तहसील से जुड़े कार्यों की जानकारी रखता है। इसलिए जमीन का बैनामा अपने नाम कराने से संबंधित पूरी प्रक्रिया उसने राहुल कुमार के भरोसे छोड़ दी। महिला ने शिकायत में आरोप लगाया है कि राहुल कुमार ने जमीन के बैनामे से संबंधित कागजात तैयार कराने की बात कहकर उसके अंगूठे लगवाए। महिला के अनुसार उसे यह जानकारी नहीं थी कि किन दस्तावेजों पर उसके अंगूठे लिए जा रहे हैं।आरोप है कि इसी दौरान धोखाधड़ी करते हुए उसी तारीख में कृषि भूमि का एक हिबानामा यानी दान-पत्र भी राहुल कुमार के नाम तैयार करा लिया गया। महिला का दावा है कि उसे इसकी वास्तविक जानकारी नहीं थी और उसके अंगूठे दस्तावेजों पर लगवा लिए गए।

राजस्व रिकॉर्ड में भी नाम दर्ज कराने का आरोप

शिकायतकर्ता का आरोप है कि कथित हिबानामा तैयार होने के बाद जमीन के राजस्व अभिलेखों में भी राहुल कुमार का नाम दर्ज करा दिया गया। महिला का कहना है कि उसे बाद में इस कथित प्रक्रिया की जानकारी हुई तो उसने अपनी जमीन वापस मांगने का प्रयास किया। महिला के अनुसार अब वह अपनी जमीन और उसमें स्थित ट्यूबवैल को लेकर अधिकारियों के चक्कर काट रही है। उसने पुलिस से दस्तावेजों की जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाने की मांग की है। मामला केवल जमीन के स्वामित्व तक सीमित नहीं है। शिकायतकर्ता ने आरोपी पर धमकी देने का भी आरोप लगाया है।

मुज़फ़्फ़रनगर की महिला की लोनी में मोबाइल चार्ज करते समय करंट से मौत: मायके वालों ने पति, भट्ठा मालिक व ठेकेदार पर ठोका केस

लोनी के मेवला भट्टी गांव स्थित ईंट भट्ठे पर हुई दर्दनाक घटना, मंसूरपुर थाने से लोनी ट्रांसफर हुआ मुकदमा

मुज़फ़्फ़रनगर। लोनी क्षेत्र के मेवला भट्टी गांव स्थित एक ईंट भट्ठे पर काम करने वाली मुज़फ़्फ़रनगर की 25 वर्षीय महिला की मोबाइल फोन चार्ज करते समय करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतका की पहचान हिना परवीन के रूप में हुई है। इस संबंध में मृतका के पिता ने पति पर गंभीर आरोप लगाते हुए भट्ठा मालिक और ठेकेदार समेत तीन लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 25 वर्षीया हिना परवीन अपने पति नौशाद के साथ मेवला भट्टी स्थित ईंट भट्ठे पर मजदूरी करती थी। हिना के पिता अलमदीन निवासी पुरबालियान ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी का विवाह लगभग छह वर्ष मोलाहेडी गांव में पूर्व नौशाद के साथ हुआ था। मौत के बाद पति नौशाद पत्नी के शव को अपने गांव मोलाहेडी लेकर पहुंचा और नौशाद ने फोन कर सूचना दी कि मोबाइल

फोन चार्ज करने के दौरान हिना को बिजली का तेज झटका लग गया है। मृतका के पिता अलमदीन का आरोप है कि घटना के बाद जब वे गांव पहुंचे तो बेटी के ससुराल पक्ष के लोगों ने उनके साथ गाली-गलौज की और मारपीट की। घटना के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया, जिसकी रिपोर्ट में मौत का स्पष्ट कारण बिजली का करंट लगना दशार्या गया है। जब पति हिना के शव को लेकर मोलाहेडी गांव पहुंचा और उसकी मौत की खबर उसके मायके वालों को दी तो परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जांच अधिकारी विपिन कुमार त्यागी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु का कारण करंट लगना ही सामने आया है। इसके बाद मायके वालों की ओर से मृतका हिना के पिता अलमदीन ने मंसूरपुर पुलिस को हिना के पति, ईट भट्ठा मालिक व ठेकेदार के खिलाफ मंसूरपुर थाने में तहरीर दी, जिसके आधार पर मामला दर्ज किया गया। मंसूरपुर से लोनी थाने स्थानांतरित हुआ मामला

घटना के बाद पीड़ित पिता अलमदीन ने मुजफ्फरनगर के मंसूरपुर थाने में मामले की तहरीर दी थी। शिकायत में मृतका के पति नौशाद, ईंट भट्ठा मालिक दिनेश और ठेकेदार इमरान पर गंभीर लापरवाही बरतने के आरोप लगाए गए। मंसूरपुर पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया। चूंकि घटना गाजियाबाद के लोनी थाने की है, इसलिए मुकदमें को लोने थाने स्थानांतरित कर दिया गय है, जहां इसकी जाचं की जा रही है। मामले की जानकारी देते हुए एसीपी लोनी रामकिशन ने बताया कि चूंकि घटना स्थल लोनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है, इसलिए मंसूरपुर थाने से मामले की फाइल लोनी थाने स्थानांतरित कर दी गई है। पुलिस ने तीनों नामजद आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि विवेचना और साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

खतौली तहसील में किसानों का हल्लाबोल, भाकियू टिकैत ने शुरू किया अनिश्चितकालीन धरना

भ्रष्टाचार और प्रमाण पत्रों में देरी से भड़का किसानों का आक्रोश, बिजली-पानी व कानून व्यवस्था की समस्याओं को लेकर प्रशासन के खिलाफ खोला मोर्चा

खतौली। खतौली तहसील परिसर में सोमवार को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने विभिन्न समस्याओं को लेकर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। बड़ी संख्या में किसान और भाकियू पदाधिकारी तहसील परिसर में पहुंचे और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। किसानों ने भ्रष्टाचार, आय, जन्म और जाति प्रमाण पत्र बनवाने में आ रही परेशानियों के साथ बिजली-पानी और कानून व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं के समाधान की मांग उठाई।

धरने की अध्यक्षता किसान नेता कपिल सोम ने की। उनके नेतृत्व में भाकियू कार्यकताओं और किसानों ने तहसील परिसर में एकत्र होकर अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। किसानों का कहना था कि लंबे समय से कई समस्याओं को लेकर अधिकारियों से शिकायत की जा रही है, लेकिन अपेक्षित समाधान नहीं होने के कारण उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा।

किसानों ने आरोप लगाया कि आय प्रमाण पत्र बनवाने में लोगों को अनावश्यक देरी का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा किसानों ने कुछ लेखपालों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। किसानों का कहना था कि आम लोगों को अपने जरूरी दस्तावेज बनवाने के लिए बार-बार तहसील के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। भाकियू नेताओं ने प्रशासन से प्रमाण पत्रों से संबंधित प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने तथा किसानों एवं आम लोगों की समस्याओं का समयबद्ध तरीके से निस्तारण कराने की मांग की।

धरने के दौरान क्षेत्र में बिजली और पानी की समस्याओं का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। किसानों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति और पानी से जुड़ी समस्याओं का प्रभाव किसानों और आम लोगों दोनों पर पड़ रहा है। उन्होंने संबंधित विभागों से समस्याओं का तत्काल समाधान कराने की मांग की। किसानों ने कहा कि प्रशासन को जमीनी स्तर पर लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर उनका समाधान कराना चाहिए, ताकि उन्हें बार-बार अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

कानून व्यवस्था में सुधार की मांग

भाकियू कार्यकताओं ने क्षेत्र की कानून व्यवस्था में सुधार की मांग भी उठाई। किसानों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों का प्रभावी तरीके से समाधान होना जरूरी है। उन्होंने पुलिस-प्रशासन से कानून व्यवस्था को लेकर गंभीरता से कार्रवाई करने की मांग रखी।

मांगें पूरी होने तक जारी रहेगा धरना

किसानों ने स्पष्ट किया कि उनकी समस्याओं का समाधान होने तक धरना जारी रहेगा। भाकियू नेताओं ने कहा कि यदि प्रशासन ने उनकी मांगों पर गंभीरता से कार्रवाई नहीं की तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

धरने के दौरान किसानों ने प्रशासन से वार्ता कर समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने की मांग की। किसानों ने कहा कि वे अपनी जायज मांगों के समाधान तक आंदोलन से पीछे नहीं हटेंगे।

50 हजार रुपये लेकर जा रहे किसान पर धारदार हथियारों से हमला, शराब के ठेके के पास घेरकर लाठी-डंडों और सरियों से पीटा

मुजफ्फरनगर। जानसठ थाना क्षेत्र के गांव गढ़ी में ईंट भट्ठे और शराब के ठेके के पास कृषि भूमि का ठेका देने के लिए 50 हजार रुपये लेकर जा रहे एक व्यक्ति पर कुछ लोगों ने कथित रूप से धारदार हथियार, लाठी-डंडों और सरियों से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को आरोपी मौके पर बेहोशी की हालत में छोड़कर फरार हो गए। घायल की हालत गंभीर होने पर उसे जानसठ सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी नाक का ऑपरेशन भी किया गया। घटना के दस दिन बाद अस्पताल से छुट्टी मिलने पर घायल के बेटे ने थाने में तहरीर देकर चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। गांव मेहलकी निवासी निकिल पुत्र कल्लू ने थाना जानसठ में दी तहरीर में बताया कि उसके पिता राजबीर उर्फ कल्लू पुत्र बनवारी ने ग्राम गढ़ी, जानसठ देहात में ईंट भट्ठे और शराब के ठेके के पास कृषि भूमि ठेके पर ले रखी है। आरोप है की शाम करीब सात बजे राजबीर अपने गांव मेहलकी से 50 हजार रुपये लेकर भूमि का ठेका देने के लिए गढ़ी भट्ठे के रास्ते से जानसठ जा रहे थे। तहरीर के मुताबिक, गढ़ी जानसठ देहात स्थित भट्ठे के पास शराब के ठेके पर पहले से अजीत, प्रदीप और पिंकू पुत्रगण ब्रह्म सिंह तथा कपिल पुत्र नामालूम, निवासी मोहल्ला करीमुल्ला पट्टी, कस्बा जानसठ देहात मौजूद थे। आरोप है कि राजबीर को आते देखकर चारों ने उन्हें घेर लिया और धारदार हथियारों, लाठी-डंडों तथा सरियों से हमला कर दिया। मारपीट में राजबीर गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर बेहोश हो गए। इसके बाद आरोपी उन्हें वहीं छोड़कर फरार हो गए। निकिल ने पुलिस को बताया कि घटना की जानकारी गढ़ी गांव के ही लोगों ने उसके और परिवार के अन्य सदस्यों को दी। बताया गया कि उसके पिता भट्ठे के पास घायल और बेहोशी की हालत में पड़े हैं। सूचना मिलते ही निकिल और उसके परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। वहां से मोबाइल नंबर के माध्यम से डायल-112 पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को लेकर थाना जानसठ आने के लिए कहा। परिवार घायल राजबीर को लेकर थाना जानसठ पहुंचा, जहां से पुलिस ने उन्हें जानसठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।

संपादकीय

पहनावा निजी पसंद, समाज को हस्तक्षेप का हक नहीं

इसमें कोई दोराय नहीं कि देश को आजादी मिलने के बाद बीते करीब आठ दशक का सफर जहां बहुस्तरीय विकास का जीवंत उदाहरण है, वहीं इस दौरान लोगों ने बहुत सारे उतार-चढ़ाव भी देखे। मगर इस सबके बीच एक संकल्प कायम रहा कि जिन तूफानों और मुश्किलों का सामना करके देश ने स्वतंत्रता हासिल की थी, उसकी गरिमा को कायम रखना और भविष्य को ज्यादा बेहतर बनाना सभी का दायित्व है।इसमें आमतौर पर सभी नागरिकों ने अपने स्तर पर अपनी सीमा में हर संभव योगदान दिया है और इसे कर्तव्य की तरह निभाया है। यही वजह है कि हर वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर आजादी के आंदोलन को याद करते हुए देश के पास संतोष और उल्लास के साथ न केवल एक सुनहरे भविष्य का सपना होता है, बल्कि उसे जमीन पर उतारने का हौसला भी दिखता है।आबादी के ज्यादातर हिस्से के पास विकास की रोशनी पहुंचाने के लिए अलग-अलग दौर की सरकारों ने जिस स्तर पर काम किया, उसे बहुत जटिल संघर्षों के बाद मिली स्वतंत्रता की गरिमा और सपने को नया आयाम देने के प्रयासों के तौर पर देखा जा सकता है। यों देश की उपलब्धियों को आजादी की लड़ाई के नायकों की भूमिका के आईने में देखना स्वाभाविक ही है, लेकिन हर वर्ष स्वतंत्रता दिवस के मौके पर संघर्ष की संवेदना को महसूस करने की अपनी अहमियत है। इस वर्ष भी यह उत्साह देश के अलग-अलग राज्यों में हर जगह दिखा। जाहिर है, इस अवसर पर जहां अतीत की उपलब्धियों को याद करना एक औपचारिक, लेकिन संवेदना से जुड़ा अध्याय है, वहीं भविष्य की बेहतरी के संकल्प भी जरूरी हिस्सा हैं।इसी संदर्भ में दिल्ली में लालकिले से प्रधानमंत्री ने भी एक बार फिर वक्त के सुनहरे अध्यायों को याद करते हुए देश को एक बेहतर भविष्य की दिशा में आगे ले जाने का संकल्प दोहराया। उनकी इस बात का अपना महत्त्व है कि देश के विकास के लिए बड़े सपने सोच का विस्तार करते हैं और दृढ़ संकल्प होने पर कठिनाइयों और आपदाओं के बीच से रास्ते निकालने की सामर्थ्य अपने आप सामने आती है।उन्होंने महिलाओं, युवाओं, किसानों, गरीब और मध्यवर्ग के परिवारों को साथ लेकर 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प को दोहराया। विधानसभा और लोकसभा में महिलाओं के लिए तैंतीस फीसद आरक्षण लागू करने के लिए सभी राजनीतिक दलों का आह्वान करने के साथ-साथ उन्होंने विकसित भारत बनाने के लिए 'शक्ति की सप्तधारा' का दृष्टिकोण भी साझा किया।दरअसल, यह देश की आत्मा में बसे उस जीवट का संकेत है, जिसका उदाहरण समय-समय पर दुनिया ने देखा है। यह सही है कि आज भी देश के सामने विकास की कसौटियों के समांतर अनेक जटिलताएं और चुनौतियां मुंह बाए खड़ी हैं, लेकिन इन सबके बीच सामान्य स्थितियों से लेकर बेहद संवेदनशील और संकट जैसे हालात में भी लोगों ने धीरज के साथ देश की गति को बनाए रखने में अपना योगदान दिया है, जो वक्त के दस्तावेज में दर्ज होता रहा है।

पारंपरिक कूटनीतिक प्रोटोकॉल औपचारिक स्क्रिप्ट, राजकीय भोज और तयशुदा बयानों पर निर्भर करता है, जो अक्सर पक्षों के बीच दूरी बढ़ाते हैं। जब कोई विदेशी प्रतिनिधि कोई सांस्कृतिक काम करता है, जैसे कि कोई मशहूर हिंदी गाना गाना, तो आम प्रोटोकॉल से हटकर किया गया यह काम अपनापन, विनम्रता और कोशिश को दिखाता है; लेकिन अगर इसे अच्छी तरह से नहीं लिया गया, तो इसके अजीब लगने का खतरा भी रहता है। इस संरचनात्मक बदलाव से कई तरह से यह बदलता है कि राजनयिक बातचीत को कैसे देखा जाता है सम्मान और तैयारी का संकेत- किसी विदेशी भाषा में गाने के बोल सीखना काफी मेहनत का काम है, जो यह दिखाता है कि आने वाला नेता मेज़बान देश की सांस्कृतिक पहचान को महत्व देता है। राजनीतिक हस्तियों को मानवीय रूप देना- यह तरीका किसी नेता के बारे में जनता की सोच को एक औपचारिक सरकारी प्रतिनिधि से बदलकर एक ऐसे व्यक्ति के रूप में पेश करता है जिससे आसानी से जुड़ा जा सके।

राष्ट्रध्यक्षों द्वारा हिंदी गाने गाकर सांस्कृतिक जुड़ाव की रणनीतिक

(प्रोफ़ेसर (डॉ.) डी. के. पांडेय)

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विदेशी नेताओं द्वारा हिंदी गाने गाना भारत की सांस्कृतिक कूटनीति और सॉफ्ट पावर का प्रभावशाली उदाहरण है। मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम सहित कई वैश्विक हस्तियों के ऐसे प्रयास कूटनीतिक तनाव घटाने और जन-जुड़ाव बढ़ाने में सहायक रहे हैं। यह तरीका औपचारिक प्रोटोकॉल से परे आपसी सद्भावना और कूटनीतिक बातचीत को सहज बनाता है। दिल्ली में हुए ब्रिक्स 2026 शिखर सम्मेलन के दौरान, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने दो लोकप्रिय हिंदी फ़िल्मी गाने गाकर सबका ध्यान खींचा। उन्होंने 'ख्वाब हो तुम या कोई हकीकत' और 'दोस्त, दोस्त न रहा, प्यार प्यार न रहा' गाने गाए। इससे पहले, फरवरी 2026 में प्रधानमंत्री मोदी की मलेशिया यात्रा के दौरान, अनवर ने 'कभी खुशी कभी गम' फ़िल्म के गाने 'बोले चूड़ियाँ' के साथ अपना आधिकारिक वीडियो एडिट करके उसमें बॉलीवुड का तड़का लगाया था।

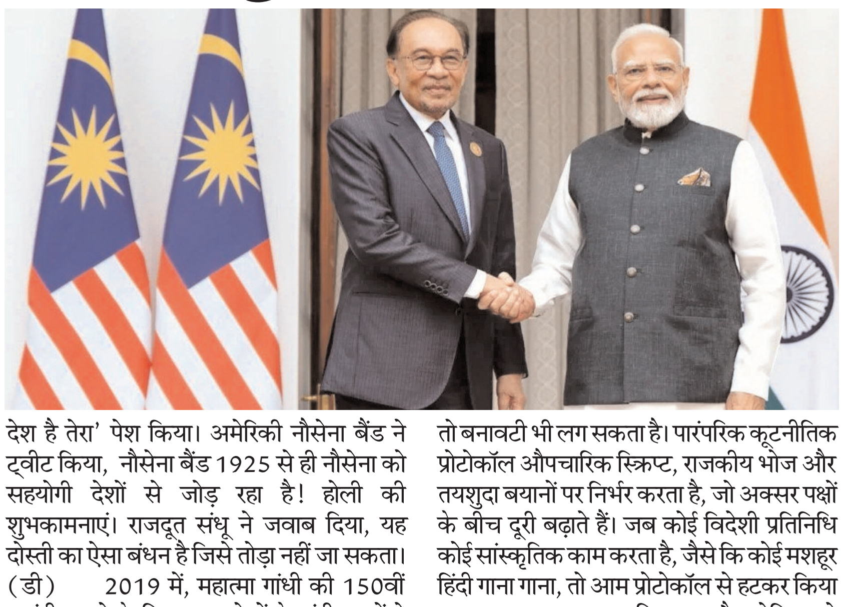

अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में हिंदी गानों की भूमिका – विदेशी नेता और अधिकारी लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में हिंदी गाने गाते रहे हैं। जैसा कि कहा जाता है, 'संगीत की कोई भाषा नहीं होती। यह सीधे दिल से निकलता है।' समय के साथ, कई गैर-भारतीय हस्तियों ने वैश्विक आयोजनों में हिंदी गाने गाकर दर्शकों का दिल जीता है। इसके कुछ उल्लेखनीय उदाहरण नीचे दिए गए हैं। (ए) अगस्त 2023 में, भारत में तत्कालीन ब्रिटिश उच्चायुक्त सर अलेक्जेंडर एलिस ने किशोर कुमार की जयंती के अवसर पर 'ब्लैकमेल' (1973) फ़िल्म का गाना 'पल पल दिल के पास' गाते हुए एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी पसंदीदा हिंदी फ़िल्में 'शोले' और 'चुपके-चुपके' हैं। यह सांस्कृतिक कूटनीति का एक बेहद व्यक्तिगत रूप था, क्योंकि ब्रिटिश राजनयिक ने खुद हिंदी गाना गाने में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया था। (बी) 27 से 28 अप्रैल 2018 तक चीनी विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित वुहान शिखर सम्मेलन के दौरान, हुबेई संग्रहालय में एक कार्यक्रम में चीनी संगीतकारों ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लिए हिंदी फ़िल्म 'ये वादा रहा' (1982) के गाने 'तू तू है वही दिल ने जिसे अपना कहा' की धुन (इंस्ट्रूमेंटल) बजाई। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, विदेशी धरती पर भारतीय संगीत सुनकर बहुत अच्छा लगा... हमारे कलाकार दुनिया भर में लोकप्रिय हैं। दिवंगत ऋषि कपूर, जो मूल गाने में नज़र आए थे, ने भी ट्वीट किया, सम्मानित महसूस कर रहा हूँ। (सी) मार्च 2021 में, भारतीय राजदूत तरनजीत सिंह संधू के लिए आयोजित एक डिनर में, जिसमें अमेरिकी नौसेना के चीफ ऑफ नेवल ऑपरेशन्स एडमिरल माइकल गिल्डे भी शामिल हुए थे, अमेरिकी नौसेना के आधिकारिक बैंड 'सी चैंटर्स' ने हिंदी फिल्म 'स्वदेश' (2004) का गाना 'ये जो देश है तेरा' पेश किया। अमेरिकी नौसेना बैंड ने ट्वीट किया, नौसेना बैंड 1925 से ही नौसेना को सहयोगी देशों से जोड़ रहा है! होली की शुभकामनाएं। राजदूत संधू ने जवाब दिया, यह दोस्ती का ऐसा बंधन है जिसे तोड़ा नहीं जा सकता। (डी) 2019 में, महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मनाने के लिए 124 देशों के संगीतकारों ने भक्ति गीत 'वैष्णव जन तो तेने कहिए' की एक मेडली (कई धुनों का मिश्रण) पेश की। भारत के विदेश मंत्रालय की अगुवाई वाली इस पहल में आर्मेनिया से अंगोला और आइसलैंड से इराक तक के देशों के कलाकार शामिल थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका संकलन वीडियो जारी किया। राजनीतिक वैज्ञानिक इस घटनाक्रम को 'सांस्कृतिक कूटनीति' या 'बॉलीवुड कूटनीति' कहते हैं। इसमें सॉफ्ट पावर के एक साधन के तौर पर हिंदी सिनेमा का इस्तेमाल किया जाता है और कूटनीतिक प्रोटोकॉल के साथ सांस्कृतिक जुड़ाव में संतुलन बनाया जाता है। प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने इस तरीके को अपनाने में काफी कुशलता दिखाई है।

कूटनीति में तनाव कम करना और मनोवैज्ञानिक तालमेल – जो विदेशी नेता या प्रतिनिधि हिंदी गाने गाते हैं या सीधे तौर पर भारतीय सांस्कृतिक चीजों से जुड़ते हैं, वे पब्लिक डिप्लोमेसी (जन-कूटनीति) के एक बहुत असरदार तरीके का इस्तेमाल करते हैं। आज के अंतरराष्ट्रीय संबंधों में, जहां प्रभाव राजनीतिक या सैन्य दबाव के बजाय आकर्षण पर टिका होता है, किसी देश की लोकप्रिय संस्कृति से सीधा जुड़ाव कूटनीतिक तनाव को कम करता है। इससे तुरंत सद्भावना बढ़ती है, हालांकि अगर यह दिखावा लगे तो बनावटी भी लग सकता है। पारंपरिक कूटनीतिक प्रोटोकॉल औपचारिक स्क्रिप्ट, राजकीय भोज और तयशुदा बयानों पर निर्भर करता है, जो अक्सर पक्षों के बीच दूरी बढ़ाते हैं। जब कोई विदेशी प्रतिनिधि कोई सांस्कृतिक काम करता है, जैसे कि कोई मशहूर हिंदी गाना गाना, तो आम प्रोटोकॉल से हटकर किया गया यह काम अपनापन, विनम्रता और कोशिश को दिखाता है; लेकिन अगर इसे अच्छी तरह से नहीं लिया गया, तो इसके अजीब लगने का खतरा भी रहता है। इस संरचनात्मक बदलाव से कई तरह से यह बदलता है कि राजनयिक बातचीत को कैसे देखा जाता है सम्मान और तैयारी का संकेत- किसी विदेशी भाषा में गाने के बोल सीखना काफी मेहनत का काम है, जो यह दिखाता है कि आने वाला नेता मेज़बान देश की सांस्कृतिक पहचान को महत्व देता है। राजनीतिक हस्तियों को मानवीय रूप देना- यह तरीका किसी नेता के बारे में जनता की सोच को एक औपचारिक सरकारी प्रतिनिधि से बदलकर एक ऐसे व्यक्ति के रूप में पेश करता है जिससे आसानी से जुड़ा जा सके। इससे अहम बातचीत के दौरान भावनात्मक दूरियां कम होती हैं, हालांकि अगर यह दिखावटी लगे तो इसका असर सीमित हो सकता है।

साझा सांस्कृतिक और सिनेमाई मूल्यों से जुड़ाव – हिंदी सिनेमा (बॉलीवुड) और संगीत ऐतिहासिक रूप से वैश्विक 'सॉफ्ट पावर' के बड़े माध्यम रहे हैं। दशकों से, भारतीय सिनेमा मध्य एशिया, मध्य पूर्व, अफ्रीका, पूर्वी यूरोप और दक्षिण-पूर्व एशिया में लोकप्रिय रहा है। जब गैर-भारतीय नेता शास्त्रीय या आधुनिक हिंदी गाने गाते हैं, तो वे लोगों की पुरानी सांस्कृतिक यादों को ताज़ा करते हैं- जैसे सोवियत-बाद के देशों और रूस में, 'सर पे लाल टोपी रूसी' गाना, जिसे 'मेरा जूता है जापानी' के नाम से भी जाना जाता है, 1955 की बॉलीवुड क्लासिक फ़िल्म 'श्री 420', जिसमें राज कपूर मुख्य भूमिका में थे, को बहुत ज़्यादा लोकप्रियता मिली। इस वापसी ने सोवियत-युग की यादें ताज़ा कर दीं और शीत युद्ध के बाद के रिश्तों को फिर से मज़बूत किया, जिससे राज कपूर एक सांस्कृतिक आइकन के तौर पर उभरे। दक्षिण-पूर्व एशिया में, रामायण और महाभारत जैसे साझा महाकाव्य और बॉलीवुड संगीत, गहरी सांस्कृतिक और भाषाई जड़ों वाले रिश्तों को और मज़बूत करते हैं। पश्चिमी देशों में, जिनमें अमेरिका और ब्रिटेन शामिल हैं, आज के दौर के ग्लोबल हिट गाने और क्रॉसओवर ट्रैक प्रभावशाली भारतीय समुदाय और वहाँ के मतदाताओं से जुड़ते हैं। भारतीय जनता और प्रवासी समुदायों से सीधा जुड़ाव- सरकार के मंत्रियों तक सीमित पारंपरिक विदेश नीति की पहलों के उलट, सांस्कृतिक जुड़ाव की कोशिशें ऊँचे राजनयिक चैनलों को छोड़कर सीधे आम जनता और दुनिया भर में बसे भारतीयों से जुड़ती हैं। इससे तुरंत सद्भावना बनाने वाली बात और पुख्ता होती है। भारत का प्रवासी समुदाय दुनिया में सबसे बड़ा है। फिर भी, इसका फ़ायदा इस बात पर निर्भर करता है कि यह पहल कितनी भरोसेमंद और लंबे समय तक चलने वाली लगती है।

भारत की वैश्विक सांस्कृतिक पहचान के साथ तालमेल – आज की भारतीय विदेश नीति में, 'सॉफ्ट पावर' की रणनीतियाँ - जैसे कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का दुनिया भर में विस्तार और अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक आदान-प्रदान - देश की पहचान को 'विश्वमित्र' (एक वैश्विक दोस्त) और एक सांस्कृतिक शक्ति के तौर पर पेश करने में अहम भूमिका निभाती हैं। कड़े रुख में नरमी- उदाहरण के लिए, ब्रिक्स 2026 के दौरान माहौल काफी तनावपूर्ण था क्योंकि डी-डॉलराइजेशन (डॉलर का इस्तेमाल कम करना), अमेरिका की टैरिफ़ की धमकियाँ, रूस-यूक्रेन की स्थिति और भारत-चीन सीमा वार्ता जैसे कई मुद्दे एक साथ चल रहे थे। फिर भी, मलेशियाई प्रधानमंत्री के एक साधारण गाने ने तनाव को कम कर दिया। इसी तरह, रिश्तों को बेहतर बनाने के लिए, चीन ने 2018 में डोकलाम विवाद के ठीक बाद वुहान में 'तू तू है वही' गाना बजाया। संगीत चुपचाप यह संदेश देता है- 'भले ही सीमा पर हमारे बीच टकराव हो, लेकिन हम एक धुन तो साझा कर ही सकते हैं।'

स्वस्थ पर्यावरण तो स्वस्थ मानव, यही स्वस्थ पृथ्वी का संकल्प

(ललित गर्ग)

आज दुनिया को 'इलाज आधारित स्वास्थ्य व्यवस्था' से 'रोकथाम आधारित पर्यावरणीय स्वास्थ्य व्यवस्था' की ओर बढ़ना होगा। अस्पताल बीमारी आने के बाद काम करता है, लेकिन स्वच्छ हवा बीमारी आने से पहले ही उसकी संभावना कम कर देती है। सुरक्षित पेयजल अस्पतालों पर बोझ घटाता है।

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस 2026 का संदेश है- 'पर्यावरण स्वास्थ्य-समुदायों की रक्षा के लिए विज्ञान के साथ खड़े होना।' यह थीम केवल पर्यावरण की रक्षा का आह्वान नहीं है, बल्कि विज्ञान, प्रमाण और सामूहिक जिम्मेदारी को मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा से जोड़ती है। आज सबसे बड़ी आवश्यकता यही समझने की है कि पर्यावरण और स्वास्थ्य दो अलग-अलग विषय नहीं हैं। जिस हवा में हम सांस लेते हैं, जिस पानी को पीते हैं, जिस मिट्टी में अन्न उगता है, जिस तापमान में हमारा शरीर जीता है और जिस जैव-विविधता के बीच हमारा जीवन चलता है, ये सभी हमारे स्वास्थ्य के अदृश्य आधार हैं। पर्यावरण बीमार होगा तो मनुष्य स्वस्थ नहीं रह सकता और मनुष्य का अस्वस्थ जीवन पर्यावरण को और अधिक बीमार करेगा। दुनिया की आबादी आठ अरब से अधिक हो चुकी है और जल-संकट अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की वास्तविकता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार लगभग 3.6 अरब लोग वर्ष में कम-से-कम एक महीने अपर्याप्त जल उपलब्धता का सामना करते हैं। वर्ष 2000 के बाद बाढ़ से जुड़ी आपदाओं में 134 प्रतिशत और सूखे की संख्या व अवधि में 29 प्रतिशत वृद्धि हुई है। इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि पानी कम हो रहा है, इसका अर्थ यह भी है कि बीमारियां, विस्थापन, खाद्य-असुरक्षा और मानसिक तनाव बढ़ने की जमीन तैयार हो रही है।

जलवायु परिवर्तन का सबसे कठोर चेहरा आज मानव शरीर पर दिखाई दे रहा है। डब्ल्यू.एच.ओ. के अनुसार 2000-2004 की तुलना में 2017-2021 के दौरान 65 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में गर्मी से संबंधित मृत्यु-दर लगभग 85 प्रतिशत बढ़ी। गर्मी केवल असुविधा नहीं है, यह हृदय, श्वसन, मधुमेह, मानसिक स्वास्थ्य और अन्य बीमारियों को गंभीर बना सकती है। इसीलिए जलवायु नीति को स्वास्थ्य नीति से अलग देखने का समय समाप्त हो चुका है। वास्तव में पर्यावरणीय जोखिम आज वैश्विक स्वास्थ्य का मौन संकट बन चुके हैं। डब्ल्यू.एच.ओ. के अनुसार पर्यावरण से जुड़े जोखिमों को कम करके दुनिया में होने वाली लगभग 24 प्रतिशत मौतों को रोका जा सकता है। वायु प्रदूषण अकेले हर वर्ष लाखों समयपूर्व मौतों से जुड़ा है। इसलिए अस्पतालों की संख्या बढ़ाना ही स्वास्थ्य व्यवस्था का अंतिम लक्ष्य नहीं हो सकता। यदि हवा प्रदूषित है, पानी असुरक्षित है, मिट्टी जहरीली है और शहरों में गर्मी बढ़ रही है, तो बीमारी के कारणों को छोड़े रखकर केवल इलाज की व्यवस्था बढ़ाना अधूरा प्रयास होगा।

आज दुनिया को 'इलाज आधारित स्वास्थ्य व्यवस्था' से 'रोकथाम आधारित पर्यावरणीय स्वास्थ्य व्यवस्था' की ओर बढ़ना होगा। अस्पताल बीमारी आने के बाद काम करता है, लेकिन स्वच्छ हवा बीमारी आने से पहले ही उसकी संभावना कम कर देती है। सुरक्षित पेयजल अस्पतालों पर बोझ घटाता है। हरित क्षेत्र मानसिक स्वास्थ्य को सहारा देते हैं। स्वच्छ ऊर्जा श्वसन रोगों का जोखिम घटाती है। बेहतर सार्वजनिक परिवहन वायु प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन दोनों को कम कर सकता है। यही पर्यावरण और स्वास्थ्य का वास्तविक सहजीवन है। इसलिए विकास की परिभाषा पर भी पुनर्विचार जरूरी है। ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें, अधिक उपभोग और अधिक उत्पादन अपने आप में विकास नहीं हैं। विकास वह है जिसमें मनुष्य के साथ नदी, जंगल, मिट्टी, पशु-पक्षी और आने वाली पीढ़ियों के जीवन का भी स्थान हो। यूएनईपी के नवीनतम ग्लोबल इनवारमेंट आउटलुक-7 ने भी रेखांकित किया है कि स्थिर जलवायु, स्वस्थ प्रकृति, बेहतर भूमि-प्रबंधन और प्रदूषण-मुक्त वातावरण में निवेश से आने वाले दशकों में अर्थव्यवस्था को बड़े लाभ मिल सकते हैं, जबकि वर्तमान विनाशकारी रास्ता जलवायु, जैव-विविधता, भूमि और स्वास्थ्य पर भारी कीमत डाल सकता है।

यहां भारत के लिए भी एक बड़ी संभावना छिपी है। जल-संरक्षण को केवल सरकारी योजना न बनाकर जन-आंदोलन बनाना होगा। वर्षाजल संचयन, तालाबों और झीलों का पुनर्जीवन, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह की रक्षा, भूजल का वैज्ञानिक प्रबंधन, जल-अपव्यय पर नियंत्रण और कृषि में कम पानी वाली तकनीकों का विस्तार-ये सब पर्यावरण नीति के साथ-साथ स्वास्थ्य नीति भी हैं। हर पुनर्जीवित तालाब केवल पानी नहीं बचाता, वह भविष्य की बीमारी, विस्थापन और खाद्य-संकट को भी कम करने में योगदान देता है। इसी प्रकार जंगलों और जैव-विविधता की रक्षा को भी स्वास्थ्य के केंद्र में लाना होगा। मनुष्य ने जब जंगलों को काटा, वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों को नष्ट किया और प्रकृति के संतुलन को तोड़ा, तो उसका प्रभाव केवल पेड़-पौधों तक सीमित नहीं रहा। डब्ल्यू.एच.ओ. आज पर्यावरण, पशु और मानव स्वास्थ्य को एक साथ देखने वाले 'वन हैल्थ' दृष्टिकोण पर बल देता है।

देहली में एकजुट दिखने वाले दल यूपी में आपस में लड़ रहे, इंडिया ब्लाक की यह कैसी एकता है

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने तो यहां तक कहा कि मतभेद होने पर पार्टी सभी सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार है। दूसरी तरफ सपा की सांसद इकरा हसन ने साफ कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा को चुनौती देने की क्षमता अखिलेश यादव के नेतृत्व में है। इस तरह यानी एक ही गठबंधन में दो सुर, दो दावे और दो नेतृत्व केंद्र दिखाई दे रहे हैं। अखिलेश यादव का रायबरेली से पीडीए यात्रा शुरू करना भी इसी रस्साकशी का हिस्सा माना जा रहा है।

(नीरज कुमार दुबे)

देखा जाये तो राजनीति में असली परीक्षा मंच पर हाथ मिलाने की नहीं, मैदान में सीट बांटने की होती है। और यहीं से कहानी बदल जाती है। उत्तर प्रदेश में 403 विधानसभा सीटों का हिसाब किताब शुरू होते ही सपा और कांग्रेस के बीच पुरानी दोस्ती की परतें खुरचने लगी हैं। दिल्ली में विपक्षी गठबंधन इंडिया के भीतर एक बार फिर एकजुटता की कवायद तेज हो गयी है। चुनाव आयोग से संबंधित मुद्दे पर साझा लड़ाई लड़ने की तैयारी हो रही है, नेताओं के बीच बातचीत बढ़ी है और दिल्ली में सभी विपक्षी दलों की बैठक भी बुला ली गई है। लेकिन सियासत का असली सवाल यह है कि क्या दिल्ली की एकजुटता उत्तर प्रदेश की जमीन तक पहुंच पाएगी क्योंकि जिस गठबंधन को दिल्ली में एक मंच पर खड़ा करने की कोशिश हो रही है, उसी गठबंधन के सबसे बड़े चुनावी मैदान उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच खींचतान लगातार खुलकर सामने आ रही है। उल्लेखनीय है कि तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी चुनाव आयोग के मुद्दे पर विपक्षी दलों को एक मंच पर लाने और उन दलों से संवाद बढ़ाने पर चर्चा कर रहे हैं, जो हाल के महीनों में कांग्रेस से दूरी बनाए हुए हैं। इसके साथ ही इंडिया गठबंधन के घटक दलों की बैठक बुलाने, संयुक्त प्रेस वार्ता और देशव्यापी साझा आंदोलन की संभावना पर भी बातचीत चल रही है। यानी ऊपर से संदेश यही है कि विपक्ष को फिर एक साथ खड़ा किया जाए। मगर हुजूर, राजनीति में असली परीक्षा मंच पर हाथ मिलाने की नहीं, मैदान में सीट बांटने की होती है। और यहीं से कहानी बदल जाती है। उत्तर प्रदेश में 403 विधानसभा सीटों का हिसाब किताब शुरू होते ही सपा और कांग्रेस के बीच पुरानी दोस्ती की परतें खुरचने लगी हैं। कांग्रेस ज्यादा सीटों की मांग कर रही है, जबकि समाजवादी पार्टी अपनी ताकत और पिछले चुनावी प्रदर्शन के आधार पर बड़ा हिस्सा अपने पास रखना चाहती है। दोनों दल अपने-अपने स्तर पर सीटों की ताकत-कमजोरी का आकलन कर रहे हैं और गंभीर सीट बंटवारे की बातचीत अक्टूबर में शुरू होने की संभावना बताई गई है। उधर, तनाव सिर्फ बंद कमरों की बातचीत तक सीमित नहीं है। कांग्रेस के इमरान मसूद ने जल्द गठबंधन तय करने की मांग की और कहा कि भ्रम की स्थिति में कांग्रेस चुनावी तैयारी नहीं कर सकती। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने तो यहां तक कहा कि मतभेद होने पर पार्टी सभी सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार है। दूसरी तरफ सपा की सांसद इकरा हसन ने साफ कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा को चुनौती देने की क्षमता अखिलेश यादव के नेतृत्व में है। इस तरह यानी एक ही गठबंधन में दो सुर, दो दावे और दो नेतृत्व केंद्र दिखाई दे रहे हैं। अखिलेश यादव का रायबरेली से पीडीए यात्रा शुरू करना भी इसी रस्साकशी का हिस्सा माना जा रहा है। रायबरेली कांग्रेस का पारंपरिक गढ़ रहा है, लेकिन अखिलेश ने वहीं से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू कर यह संदेश दिया कि उत्तर प्रदेश में जमीन किसके पास है, इसका हिसाब अलग से होगा। इसे कई राजनीतिक विश्लेषक सीट बंटवारे से पहले सपा की राजनीतिक ताकत दिखाने की कवायद के तौर पर देख रहे हैं। और अब मैनपुरी-इटावा-सैफई की धरती से शिवपाल सिंह यादव का बयान इस खींचतान में नया तड़का लगा रहा है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा था कि अखिलेश रायबरेली जा सकते हैं तो कांग्रेस भी इटावा, कन्नौज और मैनपुरी जाएगी। जवाब में शिवपाल ने कहा– जाइए, अभियान चलाइए, लेकिन वहां कांग्रेस को वोट नहीं मिलेगा। उन्होंने अपने जसवंतनगर क्षेत्र का हवाला देते हुए कांग्रेस को वहां वोट न मिलने की बात कही और सपा की जीत का दावा किया। अब शिवपाल के इस बयान का राजनीतिक मतलब समझिए। यह सिर्फ किसी एक रैली या दौरे पर प्रतिक्रिया नहीं है। यह दरअसल सपा के उस आत्मविश्वास का प्रदर्शन है जिसमें वह कांग्रेस को यह याद दिलाना चाहती है कि उत्तर प्रदेश में गठबंधन की जमीन सपा के संगठन और सामाजिक आधार से तैयार होती है। मैनपुरी, इटावा और सैफई जैसे इलाकों में कांग्रेस का चुनावी अभियान सपा के लिए सिर्फ सहयोगी दल की गतिविधि नहीं, बल्कि अपने प्रभाव क्षेत्र में दूसरे सहयोगी की राजनीतिक मौजूदगी बढ़ाने की कोशिश के रूप में देखा जा सकता है। यही इंडिया गठबंधन की सबसे बड़ी पहेली है। दिल्ली में सवाल है कौन-कौन साथ आएगा उत्तर प्रदेश में सवाल है किसके साथ कौन कितनी सीट पर लड़ेगा दिल्ली में साझा मुद्दे खोजे जा रहे हैं, लखनऊ में सीटों का हिसाब किताब चल रहा है। दिल्ली में एकजुटता की तस्वीर खींची जा रही है और यूपी में दोनों दल अपने-अपने झंडे ऊंचे करने में जुटे हैं। हम आपको याद दिला दें कि 2024 में उत्तर प्रदेश में सपा और कांग्रेस ने मिलकर 43 लोकसभा सीटें जीती थीं। सपा 37 और कांग्रेस छह पर विजयी रही थी। यही प्रदर्शन अब दोनों दलों के आत्मविश्वास और दावेदारी का आधार बन रहा है। लेकिन 2027 की विधानसभा राजनीति का गणित अलग है। सपा अपने संगठन, सामाजिक समीकरण और विधानसभा में अपनी मौजूदा ताकत के आधार पर ज्यादा हिस्सेदारी चाहती है, जबकि कांग्रेस 2024 के प्रदर्शन और राहुल गांधी की सक्रियता को अपनी बढ़ती राजनीतिक हैसियत का आधार बना रही है। प्रचारअभियान और चुनाव यानी मामला साफ है। इंडिया गठबंधन को जोड़ने की कोशिश दिल्ली में हो रही है, लेकिन उसे बचाने की असली परीक्षा उत्तर प्रदेश में होनी है। क्योंकि गठबंधन सिर्फ नेताओं की मुलाकातों और साझा तस्वीरों से नहीं चलता। गठबंधन तब चलता है जब कार्यकर्ता एक-दूसरे के लिए जमीन छोड़ें, नेता एक-दूसरे की सीमा का सम्मान करें और सीटों के बंटवारे पर दोनों पक्ष अपनी महत्वाकांक्षा को किसी साझा फार्मूले में बांध सकें। वरना दिल्ली में जितनी बार हाथ मिलेंगे, मैनपुरी और रायबरेली में उतनी ही बार पैर एक-दूसरे की जमीन पर पड़ते दिखाई देंगे। उत्तर प्रदेश की राजनीति में यही पैर कब एक-दूसरे के रास्ते में आ जाएं, इसका फैसला अक्सर दिल्ली की बैठक नहीं, जमीन पर लड़ने वाला कार्यकर्ता करता है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खराब मौसम में भी नहीं थमा आसपा समर्थकों का सैलाब, आसपा के बूथ सम्मेलन में चंद्रशेखर आजाद ने भाजपा सरकार पर बोला हमला

राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य राव मौसम अली को थानाभवन विधानसभा क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी बनाए जाने की हुई घोषणा

थानाभवन। खराब मौसम और बारिश के बीच सोमवार को थानाभवन क्षेत्र में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद की उपस्थिति में क्षेत्र के गांव मसावी में बूथ सम्मेलन /जनसभा का आयोजन किया गया । राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान में मौसम की प्रतिकूलता व रिमझिम बारिश के बीच बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक सभा स्थल पर पहुंचे। रैली को लेकर पार्टी की ओर से पहले ही तैयारियां की जा रही थीं।

जनसभा को संबोधित करते हुए चंद्रशेखर आजाद ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर कानून-व्यवस्था, बेरोजगारी और शिक्षा सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में युवाओं के सामने रोजगार का सवाल है और शिक्षा तथा कानून-व्यवस्था जैसे बुनियादी मुद्दों पर सरकार को जवाब देना चाहिए।चंद्रशेखर आजाद ने आरोप लगाया कि जनता को वास्तविक मुद्दों से भटकाने के लिए मंदिर-मस्जिद की राजनीति को आगे किया जाता है। उन्होंने कहा कि जनता के बीच रोजगार, शिक्षा, सुरक्षा और विकास जैसे मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 2027 मे भाजपा का घमंड टूटेगा 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर चंद्रशेखर आजाद ने भाजपा पर राजनीतिक हमला तेज करते हुए कहा कि आगामी चुनाव में जनता जवाब देगी और 2027 में भाजपा का घमंड टूटेगा। उन्होंने कार्यकताओं से संगठन को मजबूत करने और जनता के मुद्दों को लेकर गांव-गांव पहुंचने का आह्वान किया। जनसभा में राष्ट्रीय कोर कमेटी के सदस्य राव मौसम अली ने कहा आसपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद के

नेतृत्व में गरीब किसानों मजदूरों , दलितो के हक के लिए संघर्ष किया जा रहा है हम सभी कार्यकताओं का कर्तव्य बनता है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ कंधे से कंधा मिलाकर पार्टी की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने के लिए सकारात्मक प्रयास करें । कार्यक्रम में कुलदीप केडी ,शौर्य अंबेडकर, भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष प्रभात भारती, शफीक मलिक जयपाल प्रधान कसेरवा आदि ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने राव मौसम अली को थानाभवन विधानसभा क्षेत्र से पार्टी के प्रत्याशी बनाए जाने की घोषणा भी की। जनसभा में तस्लीम, शशिकांत, राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य नीटू सिंह ,हर्ष सैनी प्रदेश कोर कमेटी सदस्य राजकुमार सैनी, नरेश प्रधान खतौली, अफजाल चेयरमैन ननौता, डी पी सिंह, भूरे खान,सतपाल चौधरी, डॉक्टर बृजपाल राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुशासन समिति और प्रदीप कुमार, शमीम राव सहित हजारों लोग उपस्थित रहे। सभा स्थल पर आगमन पर राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य राव मौसम अली के नेतृत्व में कार्यकताओं ने चंद्रशेखर का माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत किया।

विदित रहे कि मौसम अली इससे पहले पार्टी के थानाभवन विधानसभा क्षेत्र प्रभारी के तौर पर सक्रिय रहे हैं।जन सभा में रैली में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं की मौजूदगी के बीच 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों का संदेश भी दिया गया। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हालिया राजनीतिक घटनाक्रम के बीच थानाभवन की यह सभा क्षेत्र की चुनावी गतिविधियों के लिहाज से महत्वपूर्ण रही।

भाषण प्रतियोगिता आयोजित की

मुजफ्फरनगर। ताराचंद वैदिक पुत्री डिग्री कॉलेज, मुजफ्फरनगर में आज सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ह्वविकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेशह्व विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. बाबिता गोयल द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न कक्षाओं एवं विभागों की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए विकसित भारत एवं विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण में शिक्षा, युवा शक्ति, महिला सशक्तीकरण, तकनीकी विकास एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भूमिका पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए।

प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा तनीष्का गर्ग, बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा कुमारी निशा, बी.एड. से सदफ, बी.एससी. से सलोनी एवं स्नेहा पाल तथा बी.बी.ए. से वंशिका ने प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता का मूल्यांकन निर्णायक मंडल की सदस्य डॉ. योगिता शर्मा एवं डॉ. प्रतिभा चौधरी द्वारा किया गया। प्रतिभागियों के विषय-वस्तु, अभिव्यक्ति,

प्रस्तुतीकरण, भाषा-शैली एवं आत्मविश्वास के आधार पर परिणाम घोषित किए गए। प्रथम स्थान तनीष्का गर्ग, द्वितीय स्थान कुमारी निशा तथा तृतीय स्थान सदफ ने प्राप्त किया।

कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. संगीता चौधरी ने अपने संबोधन में छात्राओं को राष्ट्र एवं प्रदेश के विकास में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, महिला सशक्तीकरण, सामाजिक जागरूकता, आत्मनिर्भरता एवं युवाओं की रचनात्मक भागीदारी से ही एक सशक्त और विकसित राष्ट्र का निर्माण संभव है। उन्होंने सभी प्रतिभागी छात्राओं को उनके उत्साह एवं उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए बधाई दी।

कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती शिवानी गुप्ता, श्रीमती ज्योति नामदेव, श्रीमती करुणा त्यागी, डॉ. ऋतु गर्ग, श्रीमती मानसी, श्रीमती आशा सिवाच, श्रीमती दामिनी, श्रीमती रेशमा गोखले, श्रीमती प्रियंका त्यागी, चेतन जोशी, सुधीर कुमार, संजीव गर्ग एवं सुमित कुमार आदि का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। कार्यक्रम का समापन छात्राओं के उत्साहवर्धन एवं शुभकामनाओं के साथ हुआ।

शहीद भगत सिंह की जयंती पर गूंजा राष्ट्रप्रेम का संदेश, पुष्पांजलि अर्पित कर किया नमन

थानाभवन। होली मदर अकैडमी, थानाभवन में महान स्वतंत्रता सेनानी एवं अदम्य साहस के प्रतीक शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती श्रद्धा और राष्ट्रप्रेम के साथ मनाई गई। विद्यालय के प्रबंधक संगीत गोयल ने शहीद भगत सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

इस अवसर पर प्रबंधक संगीत गोयल ने विद्यार्थियों को भगत सिंह के जीवन, साहस और देश के लिए दिए गए बलिदान से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों का त्याग और राष्ट्र के प्रति उनका समर्पण सदैव देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा। युवाओं को देशप्रेम, साहस और अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहना चाहिए।

विद्यालय के प्रधानाचार्य सुभाष आर्य ने भी शहीद भगत सिंह सहित देश के सभी स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को नमन करते हुए उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान मंजू शर्मा,अंजू ,पूजा तायल,नीलम,रूपल ,इत्यादि शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

शामली डीएम-एसपी ने मुजफ्फरनगर जिला जेल का किया औचक निरीक्षण

बैरकों से लेकर अस्पताल, भोजनालय और मुलाकात कक्ष तक व्यवस्थाओं को परखा, सुरक्षा में लापरवाही पर सख्त हिदायत

मुजफ्फरनगर। शामली के जिलाधिकारी आलोक यादव और पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह ने सोमवार को मुजफ्फरनगर स्थित जिला जेल का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था और बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने जेल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था से लेकर बैरकों, मुलाकात कक्ष, अस्पताल, भोजनालय, साफ-सफाई और एंट्री-एग्जिट सिस्टम का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जेल प्रशासन को सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए गए।

जेल की सुरक्षा व्यवस्था को परखा

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने जेल परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों ने जेल में प्रवेश और निकास के लिए बनाए गए एंट्री-एग्जिट सिस्टम, प्रहरी ड्यूटी और सुरक्षा से जुड़े अन्य इंतजामों की जानकारी ली। जेल में आने-जाने वाले लोगों और गतिविधियों पर निगरानी की व्यवस्था को भी परखा गया। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि जेल की सुरक्षा व्यवस्था में तैनात कर्मचारियों को अपनी ड्यूटी पूरी

सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ निभानी चाहिए। जेल परिसर में किसी भी संदिग्ध गतिविधि या संदिग्ध जानकारी को नजरअंदाज न किया जाए। ऐसी किसी भी सूचना के सामने आने पर तत्काल जांच और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। डीएम और एसपी ने जेल में लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से की जा रही निगरानी व्यवस्था की भी समीक्षा की। उन्होंने सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील स्थानों पर निगरानी को प्रभावी बनाए रखने पर जोर दिया। अधिकारियों ने कहा कि जेल परिसर में हर गतिविधि पर लगातार नजर रहनी चाहिए और किसी भी स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था कमजोर नहीं पड़नी चाहिए। प्रहरी ड्यूटी के संबंध में भी अधिकारियों ने जानकारी ली और कर्मचारियों की जिम्मेदारियों की समीक्षा की। जेल प्रशासन को निर्देशित किया गया कि सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए समय-समय पर आंतरिक निरीक्षण किया जाए और सुरक्षा संबंधी कमियों को तत्काल दूर किया जाए। बैरकों का निरीक्षण, बंदियों की व्यवस्थाएं देखीं निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जेल की बैरकों का भी जायजा लिया। बैरकों में बंदियों की व्यवस्था, अनुशासन और साफ-सफाई की स्थिति को देखा गया। अधिकारियों ने जेल प्रशासन से बंदियों से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए

बाबा साहेब की प्रतिमा का अपमान बर्दाश्त नहीं दोषियों पर हो सख्त कार्रवाई-सिकंदर यादव

गाजियाबाद। नवयुग मार्केट स्थित अंबेडकर पार्क में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के चेहरे पर गंदा पदार्थ लगाए जाने और प्रतिमा पर चढ़ी मालाओं से छेड़छाड़ की घटना को लेकर समाजवादी पार्टी के नेता सिकंदर यादव ने कड़ा विरोध जताया है

सिकंदर यादव ने कहा कि बाबा साहेब की प्रतिमा के साथ किया गया यह कृत्य केवल एक प्रतिमा या किसी एक समाज का अपमान नहीं है, बल्कि बाबा साहेब के विचारों, संविधान, समानता, सामाजिक न्याय और बंधुत्व में विश्वास रखने वाले प्रत्येक नागरिक की भावनाओं का अपमान है। सिकंदर यादव ने नकहा कि समाज में आज भी ऐसी मानसिकता मौजूद है जो सदियों पुरानी ऊंचनीच और असमानता की व्यवस्था को बनाए रखना चाहती है। बाबा साहेब ने अपना पूरा जीवन सामाजिक भेदभाव के खिलाफ और समानता स्थापित करने के लिए संघर्ष में लगाया। इसलिए उनके विचारों और प्रतिमा को निशाना बनाने वाली किसी भी घटना को गंभीरता से

लिया जाना चाहिए। सिकंदर यादव ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर बाबा साहेब की प्रतिमा का अपमान कर सामाजिक माहौल खराब करने का प्रयास करता है तो प्रशासन को उसकी पहचान कर कानून के अनुसार कठोर और प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा यह बाबा साहेब का अकेले अपमान नहीं है। यह बाबा साहेब को मानने वाले करोड़ों लोगों और संविधान का सम्मान करने वाले हर नागरिक का अपमान है। सपा नेता ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि एक तरफ सरकार मजबूत कानून-व्यवस्था का दावा करती है, लेकिन दूसरी तरफ यदि असामाजिक तत्व सार्वजनिक स्थान पर बाबा साहेब की प्रतिमा के साथ इस तरह की हरकत करने का साहस कर रहे हैं तो यह गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने मांग की कि नवयुग मार्केट की इस घटना की निष्पक्ष जांच हो, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जिम्मेदार लोगों की पहचान की जाए और कानून के अनुसार ऐसी प्रभावी कार्रवाई की जाए जिससे भविष्य में कोई भी व्यक्ति किसी महापुरुष की प्रतिमा का अपमान करने या सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की हिम्मत न करे। सिकंदर यादव ने लोगों से भी शांति और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि न्याय की मांग संवैधानिक और कानूनी तरीके से की जानी चाहिए नवयुग मार्केट की घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुटी थी पुलिस ने स्थिति संभाली और आसपास के सीसीटीवी फुटेज समेत अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच शुरू की है।

मेला गूघाल: भाईचारे और खुशियों का ऐतिहासिक उत्सव, परिवार के साथ मेले में आने की अपील

सहारनपुर। ऐतिहासिक मेला गूघाल 2026 शुरू हो चुका है। यह मेला सहारनपुर की संस्कृति, परंपरा और भाईचारे का प्रतीक माना जाता है। मेले में शहर ही नहीं, बल्कि दूर-दराज से लोग अपने परिवार और बच्चों के साथ पहुंचकर मनोरंजन करते हैं और खुशियां साझा करते हैं। मेला प्रबंधक सुहेब रिजवी ने कहा कि बच्चे पूरे साल मेले का बेसब्री से इंतजार करते हैं। उन्हें उम्मीद रहती है कि परिवार के साथ मेले में जाकर खिलौने खरीदेंगे, चाट-भेलपुरी का स्वाद लेंगे और झूलों का आनंद उठाएंगे। उन्होंने कहा कि मेले से जहां लोगों को मनोरंजन मिलता है, वहीं दूर-दराज से आए दुकानदारों को व्यापार का अवसर मिलता है, जिससे उनके परिवारों की आजीविका चलती है। इस बार मेले में मारुति कार सर्कस, जलपरी शो, ग्रेविटी फोर्स फ्री झूला समेत कई नए और आकर्षक झूले लगाए गए हैं। इसके अलावा हंसी घर, विभिन्न प्रकार के खान-पान के स्टॉल, हलवा-परांठा, क्रॉकरी, चूड़ी और पर्स की दुकानें तथा मीना बाजार भी सजाया गया है।

कश्यप समाज ने भरी हुंकार, पीडीए पंचायत में आरक्षण और संविधान बचाने का मुद्दा उठा

पूर्व मंत्री राजपाल कश्यप बोले- 2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री देखना चाहता है कश्यप समाज, भाजपा सरकार पर लगाए अत्याचार और आरक्षण खत्म करने के आरोप

मुजफ्फरनगर। हनुमान चौक नया बांस स्थित कश्यप धर्मशाला में समाजवादी पार्टी की ओर से पीडीए पंचायत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कश्यप समाज की राजनीतिक भागीदारी, आरक्षण, संविधान और लोकतंत्र के मुद्दों को लेकर चर्चा हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के पिछड़ा वर्ग के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री/एमएलसी डॉ. राजपाल कश्यप रहे। उन्होंने कहा कि कश्यप समाज लामबंद हो चुका है और वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री देखना चाहता है।

कश्यप समाज के अधिकारों और आरक्षण का मुद्दा उठाया

राजपाल कश्यप ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में कश्यप समाज के लोगों पर अत्याचार बढ़े हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कश्यप समाज के आरक्षण को खत्म कर दिया गया है और समाज के लोगों को उनके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछड़े वर्ग के अधिकारों और आरक्षण की लड़ाई को लेकर

समाज को एकजुट होकर अपनी आवाज उठानी होगी। पूर्व मंत्री ने कश्यप समाज से जुड़े कई लोगों की हत्याओं का उल्लेख करते हुए प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने ज्वालागढ़ में सोनू कश्यप, जसला में मोनू कश्यप, खरड़ में जयसिंह कश्यप और मानपुर बिजनौर में मनोज कश्यप की हत्या का उल्लेख किया। उन्होंने सवाल उठाया कि इन घटनाओं में पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए सरकार की ओर से क्या कदम उठाए गए। राजपाल कश्यप ने प्रदेश सरकार की बुलडोजर कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का बुलडोजर गरीब, मजदूर और पिछड़े वर्ग के लोगों पर चल रहा है, जबकि प्रभावशाली लोगों के खिलाफ समान कार्रवाई नहीं की जा रही। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों और कार्रवाई को लेकर पिछड़े समाज में नाराजगी है। कार्यक्रम में किसान आंदोलन की मांगों का भी मुद्दा उठाया गया। राजपाल कश्यप ने कहा कि किसान आंदोलन की प्रमुख मांगों पर अभी तक अपेक्षित कदम नहीं उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग के साथ महिलाओं की भागीदारी को लेकर समाजवादी पार्टी लगातार अपनी बात रख रही है।

संविधान और लोकतंत्र का मुद्दा भी छाया

राजपाल कश्यप ने भाजपा पर आरक्षण विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि पिछड़े वर्ग के आरक्षण को समाप्त करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि संविधान और लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई समाजवादी पार्टी लड़ रही है। उन्होंने कार्यकताओं और समाज के लोगों से राजनीतिक रूप से जागरूक और संगठित रहने का आह्वान किया।

जिया चौधरी बोले- पीडीए की आवाज को मजबूत करना जरूरी

सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी ने कहा कि पीडीए समाज के सभी वर्गों को उनके अधिकारों और राजनीतिक भागीदारी के लिए एकजुट करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना होगा और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की जरूरत है।

बॉबी त्यागी ने संगठन को मजबूत करने पर दिया जोर

सपा महानगर अध्यक्ष बॉबी त्यागी ने कहा कि समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं को जनता के बीच जाकर

रंग संसार

आठवें सोमवार को लगी 'हनुमान अंश' की लॉटरी, बजरंग बली की कृपा से वीकडे पर 400 करोड़ पार हुआ आंकड़ा

नई दिल्ली। बॉक्स ऑफिस पर इस समय विशाल चतुर्वेदी की डिवोशनल ड्रामा 'हनुमान अंश'का फुल ऑन जोर देखने को मिल रहा है। धीमी शुरूआत के बाद, फिल्म की कमाई में तीसरे हफ्ते में जो जबरदस्त उछाल आया उससे हर कोई हैरान रह गया। अब यह फिल्म अपने आठवें हफ्ते में प्रवेश कर चुकी है और कमाई है कि रुकने का नाम ही नहीं ले रही। हनुमान अंश ने पहले दिन मात्र 2 लाख रुपये का कलेक्शन किया था और दूसरे हफ्ते 40 लाख की कमाई के साथ ये थिएटर से उतरने वाली थी।कितना रहा 53वें दिन का कलेक्शन? वहीं आज फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर 53 दिन पूरे हो गए हैं और इस बीच रिलीज हुई कई बड़ी से बड़ी फिल्मों को इसने धूल चटाकर अपना स्थान बरकरार रखा हुआ है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक हनुमान अंश ने वीकडे पर यानी आठवें सोमवार को अभी तक 1.58 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है।इस हिसाब से फिल्म की अभी तक की कुल कमाई 308.61 करोड़ रुपये हो गई है। अगर कमाई का सिलसिला जारी रहा जो इस हफ्ते के अंत तक ये 350 करोड़ रुपये का कलेक्शन पूरा कर लेगी। फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 364.57 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं बात करें दुनियाभर में इसके कलेक्शन की तो हनुमान अंश की कमाई 401.20 करोड़ रुपये हो चुकी है।क्या है हनुमान अंश की कहानी? बात करें फिल्म की कहानी कि तो विशाल चतुर्वेदी द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म 'हनुमान अंश' में शोभिनव सत्या और विहान शेडगे मुख्य भूमिकाओं में हैं। कहानी लक्ष्मी नारायण नाम के एक युवक की है, जो अपनी मां को खोने के बाद ईश्वर की तलाश में पूरे उत्तर भारत की आध्यात्मिक यात्रा पर निकल पड़ता है।

राज काज

युद्ध या आपदा में भी नहीं रुकेगी ईंधन की सप्लाई

नई दिल्ली भारत इन दिनों लगातार अपने व्यारिक रिश्तों को मजबूती दे रहा है और देश में नए-नए इन्वेस्टमेंट लाने का प्रयास कर रहा है। अब केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक और खुशखबरी दी है। उन्होंने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (UAE) भारत में जल्द ही 25 अरब डॉलर का नया निवेश कर सकता है। इसके साथ ही दोनों देश ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार, LPG, LNG और समुद्र के नीचे गैस पाइपलाइन जैसी परियोजनाओं पर भी काम कर रहे हैं। मुंबई में आयोजित भारत-यूएई इन्वेस्टमेंट टास्क फोर्स की 14वीं बैठक के बाद पीयूष गोयल ने कहा कि वअए अब तक भारत में 25 अरब डॉलर का निवेश कर चुका है। अब उसने निकट भविष्य में 25 अरब डॉलर और निवेश करने की इच्छा जताई है। दोनों देशों का लक्ष्य भविष्य में यूएई के कुल निवेश को 100 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। पीयूष गोयल ने आगे कहा कि वअए भारत का भरोसेमंद साझेदार है और दोनों देश ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में नए सहयोग के अवसर तलाश रहे हैं। भारत में रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार के विस्तार में संयुक्त अरब अमीरात की भागीदारी बढ़ाने पर स्टडी चल रही है।उन्होंने आगे कहा कि इस क्षेत्र में वअए से निवेश में रिकॉर्ड बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार किसी भी आपात स्थिति या वैश्विक आपूर्ति संकट के दौरान देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण माने जाते हैं। भारत वअए को LPG (रसोई गैस) और LNG के बड़े आपूर्तिकर्ता के रूप में विकसित करने की संभावनाएं भी तलाश रहा है। इसके लिए दोनों देशों के बीच ऊर्जा व्यापार बढ़ाने पर बातचीत जारी है। पीयूष गोयल ने बताया कि भारत और यूएई समुद्र के नीचे गैस पाइपलाइन बिछाने की संभावना का भी स्टडी कर रहे हैं। इस तरह की पाइपलाइन के जरिए गैस का परिवहन किया जा सकेगा और भारत में गैस भंडारण क्षमता को भी मजबूत किया जा सकेगा।उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य भारत की ऊर्जा आपूर्ति को अधिक सुरक्षित, स्थिर और संकटों के प्रति लचीला बनाना है। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और ऊर्जा बाजार की अनिश्चितताओं के बीच यह पहल भारत की ऊर्जा सुरक्षा रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा मानी जा रही है।

दैनिक राशिफल मंगलवार 29 सितम्बर 2026

मेष – बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

वृष – कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें, क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

मिथुन : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी।

कर्क – मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे।

सिंह– परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी।

कन्या – अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे।

तुला – मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक – दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे।

धनु – घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी।

मकर – प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

कुंभ – कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें।

मीन – आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढड्ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। यात्रा सुखद रहेगी।

दैनिक पंचांग

29 सितम्बर को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.15 बजे से
चंद्र	मेष में	वृश्चिक	09.29 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	11.45 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.50 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	15.37 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	17.10 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.40 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.20 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.18 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		कर्क	00.32 बजे से
		सिंह	02.48 बजे से
		कन्या	05.00 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 272 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** तृतीया 17.11 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अश्विनी 09.04 बजे को समाप्त। **योग** व्याघात 06.13 बजे तदनन्तर हर्षण 03.20 बजे रात्र को समाप्त। **करण** वणिज 06.14 बजे, विष्टि 17.11 बजे तदनन्तर बव 04.04 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 17.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 02° 20' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872847 **जूलियन दिन** 2461312.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 17 **विशेष** महा भरणी, विघ्नराज संकष्टी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

स्कूली बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ पर यातायात पुलिस सख्त, 11 ई-रिक्शाओं पर चालान-सीज की कार्रवाई

मिशन सेफ फ्यूचर-2.0 के तहत शहर के स्कूलों के आसपास चला विशेष चेकिंग अभियान, क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाने और अधूरे दस्तावेज वाले ई-रिक्शा पकड़े

मुजफ्फरनगर। स्कूली बच्चों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए यातायात पुलिस ने मिशन सेफ फ्यूचर-2.0 के तहत सोमवार को शहर क्षेत्र में विशेष चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान स्कूलों से जुड़े तथा विद्यार्थियों के आवागमन के लिए स्वतंत्र रूप से संचालित ई-रिक्शाओं की जांच की गई। सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ यातायात पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 11 ई-रिक्शाओं के चालान किए और सीज की कार्रवाई की। यह अभियान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक यातायात अतुल कुमार चौबे, क्षेत्राधिकारी यातायात सुभाष चंद तथा यातायात प्रभारी राकेश कुमार के नेतृत्व में चलाया गया। यातायात पुलिस की टीमों ने स्कूलों के आसपास विद्यार्थियों को लाने-ले जाने वाले ई-रिक्शाओं को रोककर उनके दस्तावेज, फिटनेस और सुरक्षा मानकों की जांच की।

अतिरिक्त सीट लगाकर क्षमता से ज्यादा बच्चे बैठाने वालों पर कार्रवाई

चेकिंग के दौरान ऐसे ई-रिक्शा भी पकड़े गए, जिनमें निर्धारित क्षमता के विपरीत अतिरिक्त सीट लगाकर क्षमता से अधिक विद्यार्थियों को बैठाया जा रहा था। इसके अलावा कुछ वाहनों के दस्तावेज भी पूर्ण नहीं मिले। निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने वाले तथा आवश्यक दस्तावेजों से अपूर्ण ई-रिक्शाओं के खिलाफ नियमानुसार चालान और सीज की कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया कि स्कूली बच्चों को लाने-ले जाने वाले वाहनों में सुरक्षा मानकों का पालन बेहद जरूरी है। क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाकर संचालित

किए जा रहे वाहनों से बच्चों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। इसी को देखते हुए अभियान के तहत ऐसे वाहनों की विशेष रूप से जांच की जा रही है।

प्रधानाचार्यों और अभिभावकों से भी सतर्क रहने की अपील

यातायात पुलिस ने सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और प्रबंधकों के साथ-साथ अभिभावकों से भी अपील की है कि बच्चों के स्कूल आने-जाने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे वाहन की फिटनेस, आवश्यक दस्तावेज और सुरक्षा मानकों की जानकारी जरूर रखें। अभिभावक यह भी सुनिश्चित करें कि जिस ई-रिक्शा या अन्य वाहन से उनका बच्चा विद्यालय जा रहा है, उसमें निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को न बैठाया जाए। वाहन में अतिरिक्त सीट लगाकर अधिक बच्चों को बैठाने या सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने की स्थिति में तत्काल संबंधित विद्यालय प्रशासन अथवा यातायात पुलिस को सूचना देने की अपील की गई है।

स्कूली वाहनों की जांच आगे भी जारी रहेगी

यातायात पुलिस के अनुसार मिशन सेफ फ्यूचर-2.0 का उद्देश्य स्कूली बच्चों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना है। अभियान के तहत स्कूलों से जुड़े वाहनों की जांच के साथ-साथ सुरक्षा मानकों का पालन कराने पर जोर दिया जा रहा है। यातायात पुलिस ने संकेत दिया कि बच्चों की सुरक्षा से जुड़े नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा। पुलिस ने विद्यालय प्रबंधन और अभिभावकों से अभियान में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि सामूहिक जिम्मेदारी और सतर्कता से ही स्कूली बच्चों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित की जा सकती है।

शिवसैनिकों ने शहीद-ए-आजम को श्रद्धासुमन अर्पित कर किया नमन

शिवसेना के पश्चिम प्रदेश कार्यालय पर आयोजित हुआ कार्यक्रम, वक्ताओं ने कहा–भगत सिंह का जीवन साहस, त्याग और देशभक्ति की मिसाल

मुजफ्फरनगर। शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती के अवसर पर सोमवार को शिवसेना के पश्चिम प्रदेश कार्यालय पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। बारिश के कारण कार्यक्रम निर्धारित समय के बजाय शाम करीब पांच बजे आयोजित हुआ। कार्यक्रम में शिवसैनिकों ने शहीद भगत सिंह के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान वक्ताओं ने देश की आजादी के लिए भगत सिंह के संघर्ष, साहस और बलिदान को याद करते हुए उनके विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने पर जोर दिया। कार्यक्रम का आयोजन शिवसेना के प्रदेश प्रमुख ललित मोहन शर्मा के आह्वान पर किया गया। कार्यक्रम में शिवसैनिकों ने भगत सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और देश की स्वतंत्रता के लिए उनके योगदान को स्मरण किया। बारिश के बावजूद शिवसैनिक कार्यक्रम में पहुंचे और शहीद भगत सिंह के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

भगत सिंह के योगदान को शब्दों में बयां करना मुश्किल : बिट्टू सिखेड़ा

शिवसेना के प्रदेश महासचिव बिट्टू सिखेड़ा ने कहा कि शहीद-ए-आजम

भगत सिंह के व्यक्तित्व और देश के लिए उनके योगदान के बारे में कुछ भी कहना सूर्य के सामने दीपक जलाने के समान है। उन्होंने कहा कि भगत सिंह ने बेहद कम उम्र में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष का रास्ता चुना और देश की स्वतंत्रता के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि भगत सिंह का जीवन साहस, त्याग और देशभक्ति की प्रेरणा देता है। उनका बलिदान केवल इतिहास का हिस्सा नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। युवाओं को भगत सिंह के जीवन और विचारों को समझने के साथ-साथ देश और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी समझना चाहिए।

युवाओं से भगत सिंह के आदर्शों को जीवन में उतारने का आह्वान

शिवसेना जिला अध्यक्ष मुकेश त्यागी ने कहा कि भगत सिंह का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने युवाओं से उनके जीवन संघर्ष, देश के प्रति समर्पण और बलिदान से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा राष्ट्र और समाज के हित में सकारात्मक भूमिका निभाएं तथा भगत सिंह के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले क्रांतिकारियों के संघर्ष और विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना समाज की जिम्मेदारी है।

शुकतीर्थ में राष्ट्रप्रेम के साथ मनाई शहीद भगत सिंह की जयंती, 32 युवाओं ने किया रक्तदान

महान क्रांतिकारी के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान; महामंडलेश्वर स्वामी गोपालदास महाराज, स्वामी विज्ञानंद महाराज और भाजपा नेता अमित राठी ने किया रक्तदान शिविर का उद्घाटन

मुजफ्फरनगर। पौराणिक तीर्थनगरी शुकतीर्थ में महान क्रांतिकारी शहीद भगत सिंह की जयंती राष्ट्रप्रेम और सामाजिक सेवा के संदेश के साथ मनाई गई। इस अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर में 32 युवाओं ने रक्तदान कर मानव सेवा का संकल्प लिया। रक्त संग्रह के लिए अलकनंदा ब्लड बैंक की टीम ने सहयोग किया।

संतों ने किया शिविर का शुभारंभ

रक्तदान शिविर का उद्घाटन महामंडलेश्वर स्वामी गोपालदास महाराज, स्वामी विज्ञानंद महाराज और भाजपा नेता अमित राठी ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में उपस्थित संतों और अतिथियों ने शहीद भगत सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। महामंडलेश्वर स्वामी गोपालदास महाराज और स्वामी विज्ञानंद महाराज ने कहा कि शहीद भगत सिंह का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने देश के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनके विचारों और राष्ट्र के प्रति समर्पण से आज की युवा पीढ़ी को प्रेरणा लेकर समाज और देश के हित में कार्य करना चाहिए।

रक्तदान को बताया मानव सेवा का बड़ा माध्यम

कार्यक्रम में वक्ताओं ने रक्तदान को मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि रक्त की जरूरत किसी भी व्यक्ति को अचानक पड़ सकती है। ऐसे में समय पर उपलब्ध कराया गया रक्त किसी जरूरतमंद की जिंदगी बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिविर में युवाओं ने उत्साह के साथ रक्तदान किया। रक्तदान करने वाले युवाओं का उत्साह बढ़ाते हुए आयोजकों ने कहा कि समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है, ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके।

32 युवाओं ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

शिविर में कुल 32 युवाओं ने

रक्तदान किया। रक्तदान से पहले स्वास्थ्यकर्मियों की टीम ने आवश्यक जांच की और पात्र लोगों से ही रक्तदान कराया। अलकनंदा ब्लड बैंक की टीम ने रक्त संग्रह की पूरी प्रक्रिया में सहयोग किया। रक्तदान करने वाले युवाओं ने कहा कि शहीद भगत सिंह की जयंती पर रक्तदान करना उनके लिए केवल एक सामाजिक सेवा नहीं, बल्कि राष्ट्र और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का अवसर भी है। कार्यक्रम के दौरान शहीद भगत सिंह के जीवन, संघर्ष और देश के प्रति उनके समर्पण को याद किया गया। वक्ताओं ने कहा कि भगत सिंह ने युवावस्था में ही देश की आजादी के लिए अपना जीवन न्योछावर कर दिया था। उनका साहस, त्याग और राष्ट्रप्रेम आज भी युवाओं को प्रेरित करता है।उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि शहीदों के जीवन से प्रेरणा लेकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए आगे आएं और जरूरतमंद लोगों की सहायता करें। पौराणिक शुकतीर्थ में आयोजित कार्यक्रम में धार्मिक वातावरण के बीच राष्ट्रप्रेम और सामाजिक सेवा का संदेश देखने को मिला। संतों की मौजूदगी और युवाओं की भागीदारी ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। रक्तदान शिविर के माध्यम से आयोजकों ने शहीद भगत सिंह की जयंती को सेवा कार्य से जोड़कर मनाया। कार्यक्रम में अमित राठी, विनोद शर्मा, शुभम कौशिक, अमित सालार, वीशू सहरावत, विपुल सहरावत, अंकुर ठाकरान, डॉ. आलोक कुमार, पिंटू मलिक, अभिषेक जावला, विनय बालियान, बलजीत भारती और अरविंद कुमार सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में युवाओं से रक्तदान जैसे सामाजिक कार्यों में नियमित रूप से भाग लेने की अपील की गई। आयोजकों ने कहा कि शहीदों की जयंती केवल उन्हें याद करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज के लिए उपयोगी कार्य किए जाने चाहिए।

शहीदे आजम भगत सिंह का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

बसंती पगड़ियां पहन तिरंगे के साथ निकाला पैदल मार्च, लगाए इंकलाब जिंदाबाद के नारे

मुजफ्फरनगर। शहीद भगत सिंह सेवा दल रजि. की ओर से शहीदे आजम भगत सिंह का जन्मदिन धूमधाम एवं देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर द्वारकापुरी मोड़, गांधी कॉलोनी स्थित भगत सिंह प्रतिमा स्थल पर सेवादल के पदाधिकारी, सदस्य एवं अतिथि एकत्रित हुए। कार्यक्रम स्थल को गुब्बारों एवं तिरंगी झंडियों से भव्य रूप से सजाया गया। कार्यक्रम में शरद शर्मा जिला महामंत्री भाजपा, प्रवीण खेड़ा मंडल अध्यक्ष नई मंडी मंडल भाजपा, अशोक कंसल पूर्व विधायक, संजय मित्तल वरिष्ठ व्यापारी नेता, ममता अग्रवाल वरिष्ठ भाजपा नेत्री, विकास पंवार वरिष्ठ भाजपा नेता, स. हनीप्रीत सिंह बेदी सदस्य अल्पसंख्यक आयोग ने सर्वप्रथम शहीदे आजम भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए। इसके बाद उपस्थित अतिथियों एवं शहीद भगत सिंह सेवा दल की पूरी टीम ने भगत सिंह के पसंदीदा रंग बसंती रंग की पगड़ियां धारण कीं और हाथों में तिरंगे झंडे लेकर पैदल मार्च निकाला। मार्च गांधी कॉलोनी के प्रमुख मार्गों से होते हुए गांधी वाटिका स्थित भगत सिंह की प्रतिमा तक पहुंचा। इस दौरान भारत

माता की जय, वंदे मातरम्, इंकलाब जिंदाबाद तथा शहीदे आजम भगत सिंह अमर रहें के नारों से वातावरण गूंज उठा। गांधी वाटिका पहुंचकर सभी ने भगत सिंह की प्रतिमा पर श्रद्धा भाव से पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर सेवा दल के चेयरमैन चौ. नरेश अरोरा, जिलाध्यक्ष राकेश ढींगरा एवं जिला महामंत्री विकास कुमार अरोरा शैरी ने कहा कि शहीदे आजम भगत सिंह का जीवन देशभक्ति, त्याग और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को भगत सिंह के जीवन से प्रेरणा लेकर देश एवं समाज के हित में कार्य करना चाहिए। उन्होंने सेवा दल की पूरी टीम को समाजसेवा के कार्यों में निरंतर आगे बढ़कर योगदान देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में सेवा दल के संरक्षक राजकिशन बाठला, चेयरमैन चौ. नरेश अरोरा, अध्यक्ष राकेश ढींगरा, महामंत्री विकास कुमार अरोरा शैरी, वाइस चेयरमैन स. यशपाल सिंह सेठी काका, महात्मा सवार्नंदपुरी, स. हनी सेंखो, नीरज डाबर, राजेश कुमार बब्बल, राकेश हुड़िया, संजय मलिक, अमित अरोरा, प्रेमी छाबड़ा पूर्व सभासद, सतीश कुकरेजा सभासद, अमित पटपटिया सभासद, राकेश दहूजा, नवनीत लौ, प्रमोद अरोरा, बाल बहादुर, अनिल धमीजा, मुकुल दुआ संपादक झलक न्यूज, प्रमोद त्यागी, गजेंद्र राणा, ओम प्रकाश अरोरा ओमी, हरकृष्ण गुलाटी, डा. धर्मेन्द्र सिंह, अनिल आहूजा, हितेश आनंद, अरुण सपरा, मुरली गगनेजा, नितिन गाबा, तरुण कक्कड़, अमित तरीका, कृष्ण ठकराल, गिरीश गाबा बंटी, पवन अरोरा, संजीव अरोरा, विजय गिरधर, जोगेंद्र ग्रोवर, घनश्याम ढींगरा, पंकज अपवेजा, विष्णु अनेजा,

मिशन शक्ति 5.0 के तहत छात्राओं को किया जागरूक, सुरक्षा और अधिकारों की दी जानकारी

रामराज। थाना रामराज पुलिस एवं मिशन शक्ति टीम द्वारा नवज्योति विद्या केंद्र, रामराज में मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत छात्राओं को महिला सुरक्षा, अधिकारों और साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया गया। थाना अध्यक्ष ज्ञानेंद्र सिरोही के नेतृत्व में टीम ने छात्राओं को आपातकालीन परिस्थितियों में सहायता के लिए 1090 महिला हेल्पलाइन, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन तथा 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। मिशन शक्ति टीम ने छात्राओं को सोशल मीडिया का सुरक्षित एवं जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित किया। बताया गया कि किसी की सहमति के बिना फोटो खींचना

या सोशल मीडिया पर साझा करना, अश्लील संदेश भेजना अथवा ऑनलाइन किसी को परेशान करना कानूनी अपराध हो सकता है। छात्राओं को डिजिटल फुटप्रिंट के प्रति भी सजग रहने की सलाह दी गई। टीम ने समझाया कि किसी लड़की पर फब्तियां कसना, पीछा करना या उसे असहज महसूस कराना मजाक नहीं, बल्कि कानूनन गंभीर मामला हो सकता है। छात्राओं को बिना डर उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने तथा किसी भी घटना की सूचना तत्काल पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही विद्यार्थियों को यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित रहने की जानकारी भी दी गई।

मुजफ्फरनगर के स्कूलों में खेल और फिटनेस को मिलेगा बढ़ावा, पीईपीएस कार्यक्रम पर मंथन

जिला प्रशासन के साथ हुई बैठक में विद्यालयों तक शारीरिक शिक्षा, फिटनेस और खेल सहभागिता बढ़ाने की संभावनाओं पर हुई विस्तृत चर्चा

मुजफ्फरनगर। जिले के विद्यालयों में विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ शारीरिक शिक्षा, फिटनेस और खेल गतिविधियों से जोड़ने की दिशा में पहल शुरू की गई है। इसी क्रम में स्कूलों के लिए शारीरिक शिक्षा कार्यक्रम (पीईपीएस) के संबंध में जिला प्रशासन के साथ बैठक आयोजित की गई। पीईपीएस समन्वयक मोहम्मद उबैद काजी ने जिलाधिकारी उमेश मिश्रा से वार्ता कर कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी साझा की। इस दौरान जिले के विद्यालयों तक पीईपीएस विषय को पहुंचाने और विद्यार्थियों की खेल गतिविधियों में भागीदारी बढ़ाने की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। जिलाधिकारी के सामने रखी गई पीईपीएस विषय की जानकारी वार्ता के दौरान मोहम्मद उबैद काजी ने पीईपीएस विषय के उद्देश्य और विद्यालयों में इसके माध्यम से कराई जाने वाली गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य फोकस विद्यार्थियों को शारीरिक शिक्षा, फिटनेस, खेल तथा मनोरंजनात्मक गतिविधियों से जोड़ना है। विद्यालय स्तर पर नियमित शारीरिक गतिविधियों को बढ़ावा देकर विद्यार्थियों में खेल के प्रति रुचि विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ शारीरिक गतिविधियां भी जरूरी हैं। पीईपीएस विषय के माध्यम से

विद्यार्थियों को उनकी आयु और क्षमता के अनुसार शारीरिक गतिविधियों तथा खेलों में भाग लेने के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा सकता है। पीईपीएस के अंतर्गत विद्यार्थियों में फिटनेस को बढ़ावा देने के साथ खेलों में सहभागिता बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। विद्यालयों में खेल गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित करने, विद्यार्थियों को शारीरिक रूप से सक्रिय रखने तथा उनमें टीम भावना और खेल भावना विकसित करने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में पीईपीएस विषय को जिले के अधिक से अधिक विद्यालयों तक पहुंचाने की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। विद्यालयों को कार्यक्रम से जोड़ने, विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाने तथा शारीरिक शिक्षा से संबंधित गतिविधियों को व्यवस्थित तरीके से संचालित करने को लेकर आगे की प्रक्रिया पर विचार किया गया। पीईपीएस खेल, शारीरिक शिक्षा, फिटनेस एवं मनोरंजनात्मक कौशल परिषद (एसपीईएफएल-एससी) की पहल है। एसपीईएफएल-एससी एक गैर-लाभकारी संस्था है, जिसका गठन कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के माध्यम से किया गया है तथा इसे राष्ट्रीय कौशल विकास निगम द्वारा प्रोत्साहित किया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को शारीरिक शिक्षा और खेल गतिविधियों से जोड़ना तथा फिटनेस से संबंधित जागरूकता को बढ़ावा देना है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों में शारीरिक दक्षता के साथ खेल भावना, अनुशासन और टीम के साथ काम करने जैसे कौशल विकसित करने पर भी जोर दिया जाता

भंगेला कट के पास तेज रफ्तार कार ने पीछे से मारी टक्कर, इलाज के दौरान पति की मौत

टहलकर घर लौट रहे व्यक्ति को वाहन ने कुचला, चालक मौके से फरार

खतौली। थाना खतौली क्षेत्र में भगेला कट के पास तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाए जा रहे वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को परिजन और ग्रामीण निजी वाहन से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना के करीब 20 दिन बाद मृतक की पत्नी ने खतौली थाने पहुंचकर तहरीर दी, जिसके आधार पर पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खाना खाने के बाद टहलने निकले थे मृतक

ग्राम भायंगी भगेला निवासी महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 7 सितंबर 2026 की रात करीब 9:45 बजे उसके पति खाना खाने के बाद टहलने के लिए घर से निकले थे। कुछ देर बाद वह टहलकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान भगेला कट के पास खतौली की ओर से आ रही एक गाड़ी ने उन्हें पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। तहरीर के अनुसार, वाहन चालक गाड़ी को अत्यधिक तेज गति और लापरवाही से चला रहा था। पीछे से हुई जोरदार टक्कर में मृतक गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार के लोग और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। घायल व्यक्ति को ग्रामीणों और परिजनों की मदद से निजी वाहन द्वारा जिला सरकारी अस्पताल मुजफ्फरनगर ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने उपचार शुरू किया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी हालत बिगड़ गई और उनकी मौत हो गई।

महिला ने पुलिस को बताया कि हादसे के बाद आसपास मौजूद ग्रामीणों ने वाहन चालक को पकड़ने का प्रयास किया था, लेकिन चालक भीड़ का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। घटनास्थल पर दुर्घटनाग्रस्त वाहन की नंबर प्लेट और साइड का टूटा हुआ शीशा मिला था, जिसे ग्रामीणों ने सुरक्षित रख लिया।पुलिस को दी गई तहरीर में दुर्घटना करने वाले वाहन का नंबर यूपी-12 एबी-9334 बताया गया है। हादसे में मौत के बाद संबंधित पुलिस द्वारा मृतक के शव का पंचनामा भरने की कार्रवाई की गई। इसके बाद 8 सितंबर 2026 को शव का पोस्टमार्टम कराया गया था। पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया था।

पति की मौत के सदमे में बिगड़ी पत्नी की मानसिक स्थिति

मृतक की पत्नी ने तहरीर में बताया कि पति की अचानक और दुखद मृत्यु के कारण उसकी मानसिक स्थिति काफी खराब हो गई थी। हालत बिगड़ने पर उसे मुजफ्फरनगर स्थित अम्बर न्यूरामाइंड केयर अस्पताल में करीब दो सप्ताह तक भर्ती रहना पड़ा। अब स्वास्थ्य में कुछ सुधार होने के बाद वह पुलिस के पास पहुंची और हादसे की रिपोर्ट दर्ज कराने की कार्रवाई की।

20 दिन बाद थाने पहुंचकर दी तहरीर

महिला ने बताया कि मानसिक स्थिति खराब होने के कारण वह घटना के तुरंत बाद पुलिस के पास तहरीर नहीं दे सकी। स्वास्थ्य में कुछ सुधार आने के बाद वह 27 सितंबर 2026 को थाना खतौली पहुंची और दुर्घटना की पूरी जानकारी देते हुए वाहन चालक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की।

वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पीड़िता की तहरीर के आधार पर थाना खतौली पुलिस ने वाहन संख्या यूपी-12 एबी-9334 के चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब दुर्घटना के कारणों, वाहन और चालक की पहचान तथा घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। पुलिस द्वारा वाहन के नंबर के आधार पर चालक तक पहुंचने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही घटनास्थल के आसपास उपलब्ध साक्ष्यों और अन्य जानकारी जुटाई जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मीरापुर में 'इनोवेशिया' का आगाजः सीओ ऋषिका सिंह ने किया उद्घाटन, एआई असिस्टेंट और सोलर मॉडल ने मोहा मन

अभिभावकों ने छात्र-छात्राओं द्वारा बनाए गए मॉडलों का किया अवलोकन

मीरापुर (मुजफ्फरनगर)। मीरापुर के सेंट जेवियर्स वर्ल्ड स्कूल प्रांगण में सोमवार को विज्ञान एवं नवोन्मेष की अद्भुत छटा देखने को मिली। अवसर था वार्षिक विज्ञान प्रदर्शनी ह्लइनोवेशिया-2026ह्व के भव्य आयोजन का, जहाँ विद्यार्थियों ने अपनी वैज्ञानिक सोच और रचनात्मक प्रतिभा का परिचय देते हुए एक से बढ़कर एक कार्यशील मॉडल प्रदर्शित किए।

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि एसडीएम जानसठ श्रीमती रश्मि लाम्बा ने रिबन काटकर किया। इसके पश्चात विशिष्ट अतिथि क्षेत्राधिकारी (सीओ) जानसठ ऋषिका सिंह ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर प्रदर्शनी का आधिकारिक उद्घाटन किया। इस अवसर पर नायब तहसीलदार जानसठ अजय कुमार की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा को और बढ़ाया।

बारिश पर भारी पड़ा बाल वैज्ञानिकों का उत्साह

सुबह से हो रही रिमझिम बारिश और मौसम के मिजाज के बावजूद प्रदर्शनी को लेकर लोगों के उत्साह

में कोई कमी नजर नहीं आई। दूर-दराज के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पहुंचे अभिभावकों ने छात्र-छात्राओं द्वारा बनाए गए मॉडलों का अवलोकन किया। विद्यालय के निदेशक शाल्विक जैन एवं श्रीमती शिवानी जैन के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रदर्शनी में कक्षावार विद्यार्थियों ने दैनिक जीवन की समस्याओं के तकनीकी समाधान पेश किए।

एआई से लेकर स्मार्ट इरिगेशन तकः मॉडलों में दिखा भविष्य का भारत

प्रदर्शनी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑटोमेशन का बोलबाला रहा। विद्यार्थियों द्वारा तैयार किया गया 'एआई असिस्टेंट' और 'कॉमर्स वेबसाइट' प्रोजेक्ट विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। इसके अतिरिक्त हरित ऊर्जा और स्मार्ट तकनीक को बढ़ावा देने वाले कई नवाचार प्रस्तुत किए गए, जिनमें सोलर ट्रैकर, विंड मिल, ऑटो लाइट सेंसर और मैग्नेटिक इलेक्ट्रिसिटी जैसे मॉडल के अलावा बस अलर्टिंग सिस्टम तथा जल संरक्षण पर आधारित स्मार्ट इरिगेशन तथा वाटर टू स्टीम रूपांतरण प्रणाली और खगोलीय प्रेक्षण के लिए कार्यशील टेलीस्कोप।

निष्पक्ष मूल्यांकन और विचार-विमर्श

प्रदर्शनी में प्रस्तुत प्रोजेक्ट्स का बारीक मूल्यांकन करने के लिए शिक्षा जगत की प्रमुख हस्तियों को निर्णायक मंडल में शामिल किया गया। इनमें श्रीराम स्कूल की अध्यापिका अंशुमन गोयल, ज्ञानस्थली के अध्यापक प्रताप पंवार, वीएन पब्लिक स्कूल के उप-प्रधानाचार्य गुलशन सैफी एवं अध्यापिका फिजा शामिल रहे। निर्णायकों ने विद्यार्थियों से उनके प्रोजेक्ट्स की कार्यप्रणाली और व्यावहारिक उपयोगिता पर प्रश्न पूछे, जिनका विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास से उत्तर दिया।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण ही प्रगति की कुंजीः प्रधानाचार्य

कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य सजी वर्गीज ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक युग में विज्ञान केवल एक विषय नहीं, बल्कि जीवन जीने की शैली बन चुका है। विद्यालय प्रबंधन ने अतिथियों, निर्णायक मंडल, शिक्षकों, अभिभावकों एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के सफल समापन की घोषणा की।

अब अपराधियों का पूरा रिकॉर्ड पुलिस की मुट्ठी में, यक्ष एप से होगी डिजिटल निगरानी

मुजफ्फरनगर पुलिस ने बीट पुलिसिंग को हाईटेक करने की शुरू की कवायद, खतौली में सीओ ने पुलिसकर्मियों को एप के इस्तेमाल की दी ट्रेनिंग

मुजफ्फरनगर। अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखने और पुराने आपराधिक रिकॉर्ड को व्यवस्थित एवं अपडेट रखने के लिए मुजफ्फरनगर पुलिस ने बीट पुलिसिंग को डिजिटल बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। पुलिस विभाग की ओर से ह्यक्ष एपह्न शुरू किया गया है। इस एप के माध्यम से बीट क्षेत्र में रहने वाले अपराधियों और पूर्व में आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे लोगों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी डिजिटल रूप में दर्ज की जाएगी। इससे बीट पुलिसकर्मियों को अपने क्षेत्र के अपराधियों की जानकारी एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हो सकेगी और उनकी गतिविधियों की निगरानी को और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

पुलिस की अपराध नियंत्रण व्यवस्था में बीट पुलिसकर्मी की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। बीट क्षेत्र में रहने वाले संदिग्धों, पुराने अपराधियों और आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे लोगों की जानकारी स्थानीय स्तर पर पुलिस के पास रहती है। अब इसी जानकारी को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर व्यवस्थित करने की कवायद की जा रही है। यक्ष एप के जरिए अपराधियों से संबंधित रिकॉर्ड को एक जगह उपलब्ध कराने का प्रयास है, जिससे आवश्यकता पड़ने पर बीट पुलिसकर्मी संबंधित व्यक्ति का आपराधिक इतिहास और उपलब्ध जानकारी आसानी से देख सकें। साथ ही रिकॉर्ड में बदलाव या नई जानकारी सामने आने पर उसे अपडेट भी किया जा सकेगा। इसी क्रम में खतौली की क्षेत्राधिकारी रूपाली राय चौधरी ने थाना परिसर में बीट पुलिसकर्मियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने पुलिसकर्मियों को यक्ष एप के संचालन और उसमें जानकारी दर्ज करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से समझाया। सीओ ने पुलिसकर्मियों को बताया कि एप पर दर्ज की जाने वाली जानकारी में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। क्षेत्र में मौजूद अपराधियों से संबंधित जानकारी की जांच करने के बाद ही उसे डिजिटल रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए। पुराने रिकॉर्ड में यदि कोई बदलाव या नई जानकारी सामने आती है तो उसे भी समय से अपडेट किया जाए। पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए गए कि वह अपने-अपने बीट क्षेत्र में अपराधियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखें। केवल रिकॉर्ड दर्ज करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि क्षेत्र में सक्रिय अपराधियों की वर्तमान गतिविधियों की जानकारी भी पुलिस रिकॉर्ड में अपडेट रखना जरूरी है। बीट पुलिसकर्मी अपने क्षेत्र में लगातार भ्रमण कर अपराधियों के संबंध में जानकारी जुटाएंगे और आवश्यक जानकारी को एप पर दर्ज करेंगे। इससे पुलिस के पास अपराधियों से संबंधित पुरानी और नई जानकारी को एक साथ रखने में मदद मिलेगी। पुलिस के सामने अक्सर पुराने आपराधिक रिकॉर्ड को अपडेट रखने की चुनौती रहती है। किसी अपराधी का पता बदलने, उसकी गतिविधियों में बदलाव होने या उसके संबंध में नई जानकारी मिलने पर रिकॉर्ड को अपडेट करना जरूरी होता है। यक्ष एप के माध्यम से इसी व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित बनाने का प्रयास किया जा रहा है। बीट पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए गए कि वह अपने क्षेत्र से संबंधित अपराधियों की जानकारी का लगातार सत्यापन करें। पुरानी या अधूरी जानकारी को अपडेट किया जाए, ताकि जरूरत पड़ने पर पुलिस के पास उपलब्ध रिकॉर्ड वर्तमान स्थिति के अनुरूप हो। एप आधारित व्यवस्था का सबसे बड़ा उद्देश्य अपराधियों से संबंधित जानकारी को अलग-अलग रिकॉर्ड में तलाशने के बजाय एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराना है। इससे पुलिसकर्मियों को किसी अपराधी की जानकारी हासिल करने में सुविधा मिल सकती है।

किसान की हत्या से उबाल: रायपुर नंगली में शव पहुंचते ही हंगामा, पुलिस को 24 घंटे का अल्टीमेटम

प्रशासन व पुलिस अधिकारियों के आश्वासन के बाद हुआ अंतिम संस्कार

खतौली। जनपद के थाना रतनपुरी क्षेत्र अंतर्गत गांव रायपुर नंगली में किसान प्रवीण उर्फ प्रवेन्द्र (पुत्र नवाब सिंह) की दुस्साहसिक तरीके से गोली मारकर की गई हत्या के बाद से पूरे क्षेत्र में शोक और भारी जनाक्रोश व्याप्त है। बीते दिन अंबरपुर के जंगलों में हुए इस हत्याकांड के बाद से ही ग्रामीणों का गुस्सा चरम पर है। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही मृतक का पार्थिव शरीर गांव पहुंचा, वहां कोहराम मच गया और हजारों की संख्या में ग्रामीण व किसान एकत्रित हो गए। मृतक का शव गांव रायपुर नंगली पहुंचते ही परिजनों के सब्र का बांध टूट गया। स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए उपजिलाधिकारी (एसडीएम) खतौली, क्षेत्राधिकारी (सीओ) बुढ़ाना तथा थानाध्यक्ष रतनपुरी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। गांव में एकत्र सैकड़ों ग्रामीणों और परिजनों ने प्रशासनिक अधिकारियों का घेराव कर निष्पक्ष जांच और त्वरित कार्रवाई की पुरजोर मांग उठाई। ग्रामीणों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसान की निर्मम हत्या को किसी भी सूरत में ठंडे बस्ते में नहीं जाने दिया जाएगा। अधिकारियों से वार्ता के दौरान ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन के समक्ष अपनी मुख्य मांगें रखीं। ग्रामीणों ने अल्टीमेटम देते हुए कहा कि हत्याकांड की गंभीरता को देखते हुए पुलिस 24 घंटे के भीतर घटना का पदार्फाश करे और नामजद व अज्ञात हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजे। एसडीएम खतौली और सीओ बुढ़ाना ने परिजनों व ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि पुलिस की कई टीमें इस मामले में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं और घटना का जल्द से जल्द खुलासा कर दिया जाएगा। अधिकारियों के इस ठोस आश्वासन के बाद ही परिजन व ग्रामीण मृतक के शव का अंतिम संस्कार किया गया। घटना की सूचना मिलने पर राजनीतिक और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि भी पीड़ित परिवार को सांत्वना देने और अपनी मांग रखने पहुंचे। इस दौरान राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के जिलाध्यक्ष संजय राठी, भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के नेता सचिन चौधरी, भाकियू जिला उपाध्यक्ष गुड्डू चौधरी, ग्राम प्रधान आशुतोष चौधरी तथा जिला पंचायत सदस्य मनोज राजपूत सहित क्षेत्र के कई नेताओं ने पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों से स्पष्ट कहा कि किसान सुरक्षा प्राथमिकता होनी

पीडीए पूरी तरह लामबंद, 2027 में अखिलेश यादव के नेतृत्व में बनेगी सरकार : राजपाल कश्यप

पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष ने रोजगार, महंगाई, कानून व्यवस्था व आरक्षण को लेकर भाजपा पर साधा निशाना, जिया चौधरी ने जिले के लिए स्थानीय घोषणापत्र का खाका रखा

मुजफ्फरनगर। समाजवादी पार्टी के पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य राजपाल कश्यप ने 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा का खाता भी नहीं खुलेगा। उन्होंने कहा कि पीडीए एकजुट और लामबंद हो चुका है तथा जनता समाजवादी पार्टी और पीडीए के साथ खड़ी है। उन्होंने भाजपा सरकार पर रोजगार, महंगाई, कानून व्यवस्था, आरक्षण और नौकरियों के मुद्दे पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश की जनता सरकार से परेशान है। महावीर चौक स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय में मीडिया से बातचीत के दौरान राजपाल कश्यप ने कहा कि 2027 में अखिलेश यादव के नेतृत्व में पीडीए की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने दावा किया कि जिस तरह लोकसभा चुनाव में जनता ने भाजपा को शिकस्त दी थी, उसी तरह आगामी विधानसभा चुनाव में भी जनता भाजपा को जवाब देगी। उन्होंने कहा कि पीडीए पूरी तरह एकजुट है और समाजवादी पार्टी के साथ जनता खड़ी है। राजपाल कश्यप ने कहा कि भाजपा सरकार में जनता रोजगार और महंगाई के साथ कानून व्यवस्था को लेकर परेशान है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरक्षण को समाप्त करने की कोशिश की जा रही है, युवाओं को नौकरियां नहीं मिल रही हैं और लगातार पेपर लीक होने से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं में निराशा है। उन्होंने कहा कि जो लोग सरकार के खिलाफ आवाज उठाते हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाती है। राजपाल कश्यप ने इसे आपातकाल जैसी कार्रवाई बताते हुए सरकार पर विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप लगाया।राजपाल कश्यप ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री के बयानों को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक तरफ मुख्यमंत्री की ओर से युवाओं को नौकरी देने की बात कही जाती है, जबकि दूसरी ओर सरकार के उपमुख्यमंत्री युवाओं को रिक्शा चलाने की सलाह दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का युवा आगामी चुनाव में भाजपा को सत्ता से हटाने का काम करेगा। उन्होंने भाजपा सरकार को ह्यबिना परिवार वाली सरकारह्न बताते हुए कहा कि जो परिवार का दुख-दर्द नहीं समझ सकता, वह आम परिवारों की समस्याओं को भी नहीं समझ सकता। उन्होंने कहा कि भाजपा के पास केवल भाषण हैं और जनता अब सरकार के कामकाज को लेकर सवाल कर रही है। राजपाल कश्यप ने कहा कि भाजपा ने चुनाव के दौरान देश को बदलने और विकास की बड़ी-बड़ी बातें की थीं, लेकिन अब जनता के सामने वास्तविक स्थिति है। उन्होंने भाजपा पर वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता आगामी चुनाव में इसका जवाब देगी। उन्होंने सरकारी संस्थाओं को लेकर भी आरोप लगाए। उनके मुताबिक निर्वाचन आयोग, सीबीआई और ईडी जैसी संस्थाओं का कथित रूप से दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पीडीए से जुड़े लोगों पर ज्यादती बढ़ी है और इन परिस्थितियों में सामाजिक न्याय के लिए सपा की सरकार जरूरी है, उन्होंने कहा कि भाजपा अब डूबता जहाज है और जो भी उस पर सवार होगा, वह भी डूब जाएगा। राजपाल कश्यप ने भाजपा पर भगवान राम के नाम का राजनीतिक इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार संविधान में छेड़छाड़ कर रही है। उन्होंने निर्वाचन आयोग, सीबीआई और ईडी जैसी संस्थाओं के कथित दुरुपयोग का भी आरोप लगाया। सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी ने कहा कि समाजवादी पार्टी नफरत के आधार पर चुनाव नहीं लड़ेगी, बल्कि विकास के मॉडल को आधार बनाएगी। उन्होंने कहा कि जिले की स्थानीय समस्याओं और जरूरतों को चिन्हित कर अलग जिला घोषणापत्र तैयार किया जाएगा। इसमें रोजगार, शिक्षा, खेल, महिला, किसान और स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को शामिल किया जाएगा। सपा जिला अध्यक्ष जिया चौधरी ने कहा कि जिले में खिलाड़ियों के लिए बेहतर खेल ढांचा उपलब्ध कराया जाना चाहिए और बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर मिलने चाहिए। उन्होंने महिलाओं को 40 हजार रुपये देने, 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली और गन्ना किसानों को 24 घंटे के भीतर भुगतान जैसे प्रस्तावों का भी उल्लेख किया।

खतौली के कॉलेज में 'स्वच्छता' संगोष्ठी: छात्राओं ने जीवन में स्वच्छता अपनाने का लिया संकल्प

चौधरी हरबंस सिंह कन्या डिग्री कॉलेज में 'सेवा संकल्प अभियान' का आयोजन

खतौली। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मुबारिकपुर तिंगाई स्थित चौधरी हरबंस सिंह कन्या डिग्री कॉलेज में सोमवार को व्यक्तिगत स्वच्छता विषय पर एक विशेष जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को दैनिक जीवन में स्वच्छता के महत्व से अवगत कराना और उन्हें एक आरोग्यपूर्ण जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा।

संगोष्ठी के दौरान कॉलेज की प्रवक्ता कु. ज्योत्स्ना ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि व्यक्तिगत स्वच्छता केवल शरीर की सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बीमारियों से बचाव और मानसिक स्फूर्ति का भी आधार है। उन्होंने छात्राओं को दैनिक दिनचर्या में शामिल की जाने वाली आवश्यक आदतों की जानकारी देते हुए बताया कि नियमित स्नान करना, खाने से पहले और बाद में हाथों को साबुन से अच्छी तरह धोना, नाखूनों की समय पर सफाई, स्वच्छ व धुले वस्त्र पहनना, पौष्टिक आहार ग्रहण करना तथा स्वच्छ पेयजल का सेवन करना एक स्वस्थ जीवन की प्राथमिक आवश्यकताएं हैं। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सारिका शर्मा ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि ह्यव्यक्तिगत स्वच्छता स्वस्थ जीवन की पहली सीढ़ी है ह्न उन्होंने इस बात पर बल दिया कि हर नागरिक को न केवल स्वयं की स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए, बल्कि अपने आसपास के पर्यावरण और परिसर को भी स्वच्छ व सुंदर बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। जब एक शिक्षित नारी स्वच्छता के प्रति जागरूक होती है, तो पूरा परिवार और समाज उससे लाभांवित होता है।

छात्राओं और प्रवक्ताओं ने लिया सामूहिक संकल्प कार्यक्रम के अंतिम चरण में महाविद्यालय के समस्त प्रवक्तागण और उपस्थित छात्राओं ने अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता को एक आदत के रूप में अपनाने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर कॉलेज का समस्त शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक स्टाफ मौजूद रहा, जिन्होंने इस जागरूकता कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

एम.जी. पब्लिक स्कूल में सेवा संकल्प अभियान जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

मुजफ्फरनगर। एम.जी. पब्लिक स्कूल में सोमवार को सेवा संकल्प अभियान के अन्तर्गत विकसित भारत-2047 मेरे सपनों का भारत विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। एम.जी. चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन सतीश चंद गोयल का विद्यालय प्रांगण में पधारने पर प्रधानाचार्या श्रीमती मोनिका गर्ग ने अभिनंदन किया। दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

प्रधानाचार्या श्रीमती मोनिका गर्ग ने बताया कि विकसित भारत 2047 के विजन विषय पर आधारित चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें तीन वर्गों कक्षा 6 से कक्षा 8, कक्षा 9 से कक्षा 10 और कक्षा 11 से कक्षा 12 के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग कर अपनी कला प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इसमें कक्षा-6 से 8 वर्ग में अनुशा सरस्वती प्रथम, वीरा सरस्वती द्वितीय और आरू शर्मा तृतीय स्थान पर रहीं, इशिका चौधरी और मौ. अलमास को सांत्वना पुरस्कार के लिए चुना गया। कक्षा 9 से 10 वर्ग में राबिया खान प्रथम, आयुषि गर्ग द्वितीय तथा अलिशा तृतीय और आयुष व कार्तिक गर्ग को सांत्वना पुरस्कार मिला। कक्षा 11 से 12 वर्ग में ईशा प्रथम, ऐशनी द्वितीय और सिद्धी तृतीय रहे तथा अवनि, फलक और माहा को सांत्वना पुरस्कार मिला। मेरे सपनों का भारत विषय पर भाषण प्रतियोगिता में आशि चौधरी, साक्षी, अनंत जैन, फारिका, मैत्री शर्मा, सिम्मी त्यागी, श्रेया और निष्ठा सिंह ने प्रतिभाग किया।

चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताओं के विजेताओं को उनकी आत्मविश्वास से भरी प्रस्तुति के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा ह्यविकसित भारतह्न की संकल्पना पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से अपने विचारों और सशक्त भारत की विकास यात्रा, जन कल्याणकारी योजनाओं और वैश्विक मंच पर बढ़ते भारत के प्रभाव को अत्यंत सुंदर एवं प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

इस दौरान अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने कहा कि देश के भविष्य के रूप में यहां बैठे इन छात्र छात्राओं की आँखों में संजोए सपने ही आने वाले भारत की दिशा तय करेंगे। मेरा विश्वास है कि आज के ये प्रतिभाशाली बच्चे ही कल ह्यविकसित भारतह्न के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इन बच्चों के सपने ही भारत की नई उड़ान है और इन बच्चों का मेरे सपनों का भारत का का संकल्प ही विकसित भारत का निर्माण करेगा। उन्होंने शहीद भगत सिंह की जयंती पर विद्यार्थियों को उनके जीवन काल, संघर्ष और बलिदान के प्रसंग सुनाकर उनके जीवन दर्शन से प्रेरित होकर राष्ट्र निर्माण और समाज उत्थान में भागीदारी सुनिश्चित करने की सीख दी। उन्होंने बच्चों की प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए कहा कि छात्र छात्राओं की की प्रस्तुतियों में केवल कल्पना नहीं, बल्कि एक सशक्त, समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित भारत का संकल्प दिखाई दिया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत सपनों का भारत चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित

छात्र-छात्राओं ने विकसित भारत की संकल्पना को चित्रों और विचारों के माध्यम से किया प्रस्तुत

मुजफ्फरनगर। सनातन धर्म इंटर कॉलेज, निकट रोडवेज बस स्टैंड में भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ह्यमहत्वपूर्ण सपनों का भारतह्न विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सदर मुजफ्फरनगर ब्लॉक के विभिन्न छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग करते हुए विकसित भारत की अपनी कल्पना को चित्रों और प्रभावशाली विचारों के माध्यम से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप, पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक कंसल, वरिष्ठ समाजसेविका रेनू गर्ग तथा ब्लॉक प्रमुख अमित चौधरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक भाजपा जिला उपाध्यक्ष विशाल गर्ग रहे।

नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को जीवन में अच्छे कार्य करने के साथ-साथ अपनी मातृभूमि और विद्यालय के प्रति समर्पण की भावना रखनी चाहिए। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पूर्व विधायक अशोक कंसल ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन में संस्कारों का विशेष महत्व है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को अपने माता-पिता एवं शिक्षकों का सदैव आदर-सम्मान करने तथा समर्पण भाव से अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम संयोजक एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष विशाल गर्ग ने सेवा संकल्प अभियान की रूपरेखा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर तथा उनके 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन एवं देश सेवा के कार्यकाल को केंद्र में रखते हुए देशभर के सरकारी एवं निजी स्कूलों, कॉलेजों तथा प्रोफेशनल संस्थानों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के दौरान केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और देश के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी छात्र-छात्राओं के साथ साझा की।

ब्लॉक प्रमुख अमित चौधरी ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें शिक्षा के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में नई मंडी मंडल भाजपा मंत्री अमर सोनकर भी मौजूद रहे।

प्रतियोगिता के दौरान छात्र-छात्राओं द्वारा तैयार की गई चित्रकलाओं तथा ह्यविकसित भारतह्न की संकल्पना पर दिए गए विचारों को सभी अतिथियों ने सराहा। विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता, रचनात्मकता और राष्ट्र के प्रति अपने विचारों को बेहद प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

भाषण प्रतियोगिता में कुल 21 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में तन्वी जैन ने प्रथम, मयंक जैन ने द्वितीय तथा सायन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चित्रकला प्रतियोगिता के परिणाम जूनियर वर्ग की चित्रकला प्रतियोगिता में दिव्यांशी प्रथम, अल शिफा द्वितीय तथा एलिजा तृतीय स्थान पर रहीं। सीनियर वर्ग में मनस्वी ने प्रथम, सदिया ने द्वितीय तथा सुहानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. रश्मि चौधरी ने किया, जबकि नितिन कुमार पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य आदित्य प्रकाश सक्सेना द्वारा की गई व्यवस्थाओं की सभी अतिथियों ने सराहना की।

जय सिंह कश्यप हत्याकांड की जानकारी जुटाने 29 सितंबर को खरड़ पहुंचेगा सपा का प्रतिनिधिमंडल

अखिलेश यादव के निर्देश पर गांव पहुंचेगा सपा नेताओं का प्रतिनिधिमंडल, 80 वर्षीय बुजुर्ग की मौत के मामले में परिजनों से लेगा घटना की जानकारी

मुजफ्फरनगर। बुढ़ाना विधानसभा क्षेत्र के गांव खरड़ निवासी 80 वर्षीय जय सिंह कश्यप की कथित रूप से दबंगों द्वारा पीट-पीटकर हत्या किए जाने के मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल 29 सितंबर 2026 को गांव खरड़ पहुंचेगा। प्रतिनिधिमंडल मृतक के शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर घटना की जानकारी लेगा और परिवार के सदस्यों से बातचीत कर पूरे मामले की जानकारी जुटाएगा। प्रतिनिधिमंडल अपनी रिपोर्ट पार्टी के प्रदेश कार्यालय को सौंपेगा। समाजवादी पार्टी की ओर से जारी कार्यक्रम में कहा गया है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार पार्टी का प्रतिनिधिमंडल मुजफ्फरनगर पहुंचेगा। प्रतिनिधिमंडल बुढ़ाना विधानसभा क्षेत्र के गांव खरड़ जाकर 80 वर्षीय जय सिंह कश्यप की हत्या के मामले में उनके परिजनों से मुलाकात करेगा। पार्टी के अनुसार जय सिंह कश्यप की दबंगों द्वारा पीट-पीटकर हत्या किए जाने की घटना को गंभीरता से लिया गया है। इसी के मद्देनजर प्रदेश नेतृत्व ने स्थानीय नेताओं और वरिष्ठ पदाधिकारियों को शामिल करते हुए प्रतिनिधिमंडल गठित किया है। सपा प्रतिनिधिमंडल गांव खरड़ पहुंचकर सबसे पहले मृतक जय सिंह कश्यप के शोकाकुल परिजनों से मुलाकात करेगा। इस दौरान परिवार के सदस्यों से घटना से पहले की परिस्थितियों, मारपीट की घटना और बुजुर्ग की मौत से संबंधित जानकारी ली जाएगी। प्रतिनिधिमंडल स्थानीय लोगों से भी घटना के संबंध में जानकारी ले सकता है। पार्टी की ओर से जारी पत्र में स्पष्ट किया गया है कि प्रतिनिधिमंडल का उद्देश्य घटना की जानकारी लेना और शोकाकुल परिवार से मुलाकात करना है। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल द्वारा तैयार रिपोर्ट प्रदेश कार्यालय को प्रस्तुत की जाएगी। खरड़ पहुंचने वाले प्रतिनिधिमंडल में मुजफ्फरनगर के सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी शामिल हैं। उनके साथ सपा सांसद हरेंद्र मलिक, सांसद इकरा हसन, पूर्व सांसद हाजी फजलुर्रहमान, समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजपाल कश्यप, एमएलसी किरन पाल कश्यप, पूर्व राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त मांगे राम कश्यप, सपा प्रदेश सचिव विनय पाल, समाजवादी पार्टी के विशेष आमंत्रित सदस्य धनवीर सिंह कश्यप तथा विधानसभा अध्यक्ष अकरम खान प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा रहेंगे। गांव खरड़ निवासी जय सिंह कश्यप की उम्र 80 वर्ष बताई गई है।

लूट के गिरोह पर रामराज पुलिस का शिकंजा, सात के खिलाफ गैंगस्टर का मुकदमा

थाना प्रभारी ने दर्ज कराया केस, शाहरुख को गैंग लीडर बताते हुए छह अन्य को गिरोह का सदस्य बताया, डीएम से अनुमोदित गैंग चार्ट के बाद हुई कार्रवाई

मुजफ्फरनगर। रामराज थाना पुलिस ने लूट जैसे जघन्य अपराधों में संलिप्त बताए जा रहे एक कथित संगठित गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए सात आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया है। थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र सिरोही की ओर से दर्ज कराई गई तहरीर में आरोप लगाया गया है कि गिरोह के सदस्य आपस में मिलकर संगठित तरीके से आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देते हैं और लूट के माध्यम से अवैध धन अर्जित कर अपने भौतिक एवं आर्थिक हितों की पूर्ति करते हैं। पुलिस ने आरोपियों का आपराधिक इतिहास संकलित कर गैंग चार्ट तैयार किया था, जिसे जिलाधिकारी मुजफ्फरनगर से अनुमोदित कराए जाने के बाद मुकदमा दर्ज किया गया।

शाहरुख को बनाया गया गैंग का लीडर

रामराज थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र सिरोही की तहरीर के मुताबिक ग्राम मुझेडा थाना मीरापुर निवासी शाहरुख पुत्र उम्मेद अली को गिरोह का गैंग लीडर बताया गया है। पुलिस ने उसके साथ छह अन्य आरोपियों को गिरोह का सदस्य बताया है। इनमें सुमित सैनी पुत्र खुब सिंह निवासी ग्राम मुझेडा थाना मीरापुर, मौहम्मद अनस पुत्र नजीर निवासी मोहल्ला मुस्तर्क कस्बा व थाना मीरापुर, उस्मान उर्फ मौहम्मद उस्मान पुत्र मंजूर निवासी ग्राम मुझेडा थाना मीरापुर, चांद उर्फ चांद मौहम्मद पुत्र मंगता निवासी ग्राम गढ़ी मुझेडा थाना मीरापुर, सीमा पुत्री एहसान निवासी ग्राम जौली थाना भोपा तथा नईम पुत्र जहीरुद्दीन निवासी मोहल्ला मुस्तर्क कस्बा व थाना मीरापुर शामिल हैं।

लूट कर अवैध रूप से धन अर्जित करने का आरोप

पुलिस की ओर से दर्ज कराई गई तहरीर में कहा गया है कि आरोपियों ने मिलकर एक सुसंगठित गिरोह बना रखा है। गिरोह द्वारा अपने भौतिक एवं आर्थिक हितों की पूर्ति के उद्देश्य से लूट जैसे अपराध किए जाते हैं और इन आपराधिक गतिविधियों के जरिए अवैध रूप से धन अर्जित किया जाता है। पुलिस ने आरोपियों की गतिविधियों को समाज और कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर बताते हुए उनके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की है।

गिरोह के भय से लोग मुकदमा और गवाही से बचते हैं : पुलिस

तहरीर में पुलिस ने आरोप लगाया है कि उक्त गिरोह का क्षेत्र में भय और आतंक व्याप्त है। इसके चलते लोग आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने तथा न्यायालय में उनके विरुद्ध गवाही देने से भी कतराते हैं। पुलिस के मुताबिक गिरोह की आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए उनके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई आवश्यक थी।

अपराधिक इतिहास जुटाकर तैयार किया गया गैंग चार्ट

रामराज पुलिस ने कार्रवाई से पहले आरोपियों के आपराधिक इतिहास का संकलन किया। इसके आधार पर गैंग चार्ट तैयार किया गया। पुलिस की ओर से तैयार गैंग चार्ट को जिलाधिकारी मुजफ्फरनगर के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसका अनुमोदन प्राप्त हुआ। इसके बाद थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र सिरोही ने सातों आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया।

गैंगस्टर कार्रवाई से अपराधियों में मचा हड़कंप

रामराज पुलिस की इस कार्रवाई के बाद लूट एवं अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त बताए जा रहे आरोपियों के खिलाफ कानूनी शिकंजा और कस गया है। पुलिस का कहना है कि आपराधिक गिरोहों की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए उनके खिलाफ नियमानुसार कठोर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। सातों आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में मुकदमा दर्ज होने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अपने घर को खूबसूरत बनाने का एक बेहतरीन तरीका है इनडोर प्लांटिंग

आज के समय में अधिकतर लोग प्लांटिंग करना काफी पसंद करते हैं। भले ही स्पेस कम हो, लेकिन फिर भी वे इनडोर प्लांटिंग करते हैं। यह अपने घर को बेहद ही खूबसूरत बनाने का एक बेहतरीन तरीका है। लेकिन जरा सोचिए कि आप अपने घर के अंदर प्लांट्स लगाएं और वे कुछ ही दिनों में मुरझा जाएं या फिर उनकी ग्रोथ ही ना हो, तो यकीनन आपको काफी निराशा होगी। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि कई इनडोर प्लांट्स के लिए मिट्टी चुनते समय हम उतना ध्यान नहीं देते हैं। पौधे के पोषक तत्व मिट्टी से ही मिलती है। अमूमन इनडोर प्लांटिंग के लिए हमें पॉटिंग मिक्स भी तैयार करना होता है। चूंकि आपके आसपास कई तरह की मिट्टी होती है तो आपको पहले अपने पौधे और उसकी जरूरतों को समझना होता है और फिर उसी के अनुसार मिट्टी का चयन करना होता है।

पॉटिंग मिक्स का करें चयन

इनडोर प्लांटिंग के लिए पॉटिंग मिक्स सबसे अच्छे माने जाते हैं। इनमें काई, वर्मीक्यूलाइट और पेर्लाइट आदि का एक सही मिश्रण होता है। ऐसे में जब इनका इस्तेमाल इनडोर प्लांट्स के लिए किया जाता है तो उसे सभी आवश्यक पोषक तत्व आसानी से मिल जाते हैं। इतना ही नहीं, इनका ड्रेनेज सिस्टम भी काफी अच्छा होता है। जिसके कारण प्लांट्स में रूट रॉट या ओवरवाटरिंग की समस्या नहीं होती है।

पोषक तत्वों पर दें ध्यान

जब आप इनडोर प्लांट्स के लिए मिट्टी चुनते हैं तो आपको यह अवश्य सुनिश्चित करना चाहिए कि उस मिट्टी या पॉटिंग मिक्स में पर्याप्त पोषक तत्व हों। चूंकि इनडोर प्लांट्स बाहरी पौधों की तरह प्राकृतिक वातावरण से पोषक तत्व प्राप्त नहीं कर पाते हैं और इसलिए वे मिट्टी में मौजूद पोषक तत्वों पर निर्भर होते हैं।

चेक करें पीएच लेवल

मिट्टी के पीएच लेवल का सीधा असर प्लांट की ग्रोथ पर पड़ता है। हर प्लांट की जरूरतें अलग होती हैं। हालांकि, अधिकतर इनडोर प्लांट्स थोड़ा सा एसिडिक से न्यूट्रल पीएच रेंज पसंद करते हैं। इसलिए, जब भी आप इनडोर प्लांट्स के लिए मिट्टी चुनें, तो यह देखें कि वह आपके प्लांट्स की जरूरतों को पूरा करता हो।

कंटेनर साइज का भी रखें ध्यान

जब आप इनडोर प्लांटिंग के लिए मिट्टी को चुन रहे हैं तो आपको कंटेनर के साइज का भी ख्याल रखना चाहिए। मसलन, प्लांटिंग के लिए पॉट साइज छोटा है तो आपको लाइट मिक्स का इस्तेमाल करना चाहिए, जिससे ओवर वाटरिंग की समस्या ना हो। वहीं अगर पॉट साइज बड़ा है तो ऐसे में आपको ऐसी मिट्टी चुननी चाहिए, जिसमें एयरेशन या ड्रेनेज को लेकर समस्या ना हो।

स्टेरलाइज मिक्स का करें इस्तेमाल

कुछ इनडोर प्लांट्स कीटों और बीमारियों के प्रति अधिक सेंसेटिव होते हैं। ऐसे में आपको उनके लिए स्टेरलाइज पॉटिंग मिक्स का ही इस्तेमाल करना चाहिए। जिससे पौधों में रोगजनकों के प्रवेश के जोखिम को कम करने में काफी हद तक मदद मिल सकती है।

गार्डन की मिट्टी ना करें इस्तेमाल

जब भी आप इनडोर प्लांटिंग कर रहे हैं तो आपको इस बात का खास ख्याल रखना चाहिए कि आप गार्डन की मिट्टी का इस्तेमाल ना करें। गार्डन की मिट्टी थोड़ी अलग होती है और यह कॉम्पैक्ट हो सकती है। जिससे मिट्टी में एयरेशन और ड्रेनेज की समस्या हो सकती है। इससे पौधा मर भी सकता है।

कहीं आप भी तो नहीं हैं लो कॉन्फिडेंस की शिकार?

कॉन्फिडेंस कम होने के कारण जीवन के हर पड़ाव पर मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में जरूरी है कि अपनी कमजोरी को दूर कर आप अपने आत्मविश्वास को बढ़ाने पर फोकस करें।

आत्मविश्वास जीवन में सफलता की कुंजी है। हालांकि कई बार परिस्थितियां व्यक्ति को आत्मविश्वास में कमी का शिकार बना देती हैं। धीरे-धीरे व्यक्ति पूरी तरह से अपना आत्मविश्वास खो देता है। कई बार व्यक्ति को खुद यह अंदाजा नहीं होता है कि उसमें असल में आत्मविश्वास की कमी है। कुछ संकेतों से यह समझा जा सकता है कि किसी में आत्मविश्वास की कमी तो नहीं। साथ ही कुछ बातों का ध्यान रखकर आत्मविश्वास को वापस भी पाया जा सकता है। तो चलिए इसी के साथ आर्टेमिस अस्पताल के मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहार विज्ञान के प्रमुख मनोचिकित्सक व सलाहकार डॉ. राहुल चंडोक से जानते हैं आत्मविश्वास बढ़ाने के आसान तरीके।

आत्मविश्वास में कमी के ये हैं लक्षण?

अगर आप निर्णय लेने में घबराते हैं, हमेशा दूसरों से नकारात्मक रूप में अपनी तुलना करते हैं, किसी से मदद लेने में संकोच करते हैं, अपने बारे में नकारात्मक बातें बोलते हैं और विफलता का डर आपको घेरे रहता है, तो आपमें आत्मविश्वास की कमी है। अगर खुद में ऐसी आदतें पनपती नजर आएं तो सतर्क हो जाएं और ऐसे कदम उठाएं जिनसे आपका आत्मविश्वास लौट आए। अपनी तारीफ को स्वीकार नहीं कर पाना, भविष्य को लेकर शंका में घिरे रहना और हमेशा लोगों को खुश करने की कोशिश में लगे रहना भी इसी का लक्षण है।

खुद को जानें

आत्मविश्वास की ओर बढ़ने की पहली सीढ़ी है खुद को समझना। अपने बारे में आने वाले नकारात्मक विचारों को मन से हटाइए और सकारात्मक बातें सोचिए। अगर कोई बात पसंद न आए तो सामने वाले को न कहना सीखिए। दूसरों से अपनी तुलना बंद कीजिए और कुछ ऐसा कीजिए जो आपको पसंद हो। हमेशा दूसरों की पसंद खुद पर हावी मत होने दीजिए।

अच्छी बातों का जश्न मनाइए

कभी-कभी हम अपने बारे में इतने नकारात्मक हो जाते हैं कि अच्छी बातों पर भी खुशी नहीं मना पाते हैं। ऐसा मत कीजिए। अगर कुछ अच्छा हो तो उसका जश्न मनाइए। अगर आपने कुछ अच्छा किया है और कोई आपकी तारीफ कर रहा है, तो उसे स्वीकारिए। अपने बारे में उन बातों की सूची बनाइए, जो आपको पसंद हैं। अगर आप लोगों के मुंह से बुराइयां सुनकर दिल से लगा लेते हैं, तो अच्छाइयों को भी स्वीकारना सीखिए।

भरोसेमंद लोगों का नेटवर्क बनाइए

जीवन में कुछ ऐसे लोगों का साथ जरूरी है, जिनके साथ आपको अच्छा अनुभव होता हो। मन में कोई बात हो तो किसी भरोसेमंद व्यक्ति से साझा कीजिए। अपना कोई दुख ऐसे व्यक्ति से ही साझा कीजिए, जिस पर भरोसा हो। उन लोगों से बात कीजिए, जिनसे बात करके सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव होता है।

खुद को चुनौती दीजिए

आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए जरूरी है कि खुद को चुनौतियां दीजिए और फिर उन चुनौतियों को पूरा करने के बाद खुद को पुरस्कृत कीजिए। जब हम कोई चुनौती पूरी करते हैं, तो हमारा मन अपनी क्षमता को स्वीकारने के लिए प्रेरित होता है। एक बात ध्यान रहे, शुरुआत में अपने समक्ष छोटे-छोटे लक्ष्य रखिए। इससे लक्ष्य को पाना आसान होता है और एक के बाद एक लक्ष्य पाते रहने से आत्मविश्वास भी बढ़ता जाता है।

अपना ध्यान रखिए

हम किसी से भी मिलते हैं तो उसे अपना ध्यान रखने की हिदायत जरूर देते हैं। लेकिन आश्चर्य की बात है कि हम खुद को कभी अपना ध्यान रखने के लिए नहीं कह पाते हैं। यह सही नहीं है। अपना ध्यान रखना सीखिए। शारीरिक या मानसिक किसी भी प्रकार की परेशानी लगे, तो उसकी अनदेखी मत कीजिए। जरूरत हो तो डॉक्टर से संपर्क कीजिए। खुद पर आपका भरोसा ही आपको आत्मविश्वास से भरपूर बनाएगा।

बचपन में ही सिखाएं बच्चे को सोशल स्किल्स

बच्चों को बचपन में काफी सारी बातें सिखाई जाती है। फिर चाहें वो खुद खाना खाने की बात हो या फिर उन्हें किसी बात को लेकर समझाने की। बच्चों को एक बार जो सिखा दिया जाता है, उसके बाद उन चीजों में बदलाव करना मुश्किल होता है, क्योंकि बच्चे इस बात को समझने के लिए तैयार नहीं होते की जो पहले सिखाया वो सही है या जो बाद में उसे सिखाया जा रहा है वह सही है। ऐसे में अगर आप बच्चे के साथ स्ट्रॉन्ग रिलेशन शेयर करना चाहते हैं तो आपको बचपन में ही बच्चे को सोशल स्किल्स सिखाने की जरूरत है। जानें 5 जरूरी स्किल्स, जो हर किसी को अपने बच्चे को कम उम्र में ही सिखाना चाहिए।

चीजें बाटना (शेयर करना)

बचपन से सिखाना चाहिए कि 'शेयरिंग इज केयरिंग' यानि दूसरों के साथ बाटना देखभाल करने जैसा है। अपने बच्चों को शेयर करने के महत्व को बताने से स्ट्रॉन्ग रिलेशन बनाने में मदद मिल सकती है। शेयर करना बच्चों को समझौता और निष्पक्षता सिखाता है। इससे उन्हें यह सीखने में मदद मिलती है कि अगर वे दूसरों को थोड़ा देते हैं, तो बदले में उन्हें भी कुछ मिल सकता है। अध्ययनों से पता चलता है कि दो वर्ष से कम उम्र के बच्चे केवल तभी शेयर करने की इच्छा दिखाते हैं जब उनके पास बहुत ज्यादा मात्रा में चीजें हों, तीन से छह साल की उम्र के बीच, वे थोड़े स्वार्थी होते हैं। सात या आठ साल की उम्र तक, बच्चे निष्पक्षता के बारे में अधिक परेशान हो जाते हैं और दूसरों के साथ शेयर करने के लिए तैयार हो जाते हैं।

सुनना

सुनना एक और सोशल स्किल है, जिसमें ज्यादातर लोगों की कमी होती है, जिसमें बड़े भी शामिल हैं। सुनने का अर्थ यह नहीं है कि जब दूसरा बोल रहा हो तो चुप रहना, बल्कि समझना कि वे किस बारे में बात कर रहे हैं। जैसे बातचीत में बात करना और अपनी बात सामने रखना जरूरी है, वैसे ही सुनना भी जरूरी है। यह बच्चों को अकेडमिक्स में भी मदद करता है।

को-ऑपरेटिंग

सहयोग का मतलब आम तौर पर एक सामान्य लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दूसरे व्यक्ति के साथ अच्छे ढंग से काम करना होता है। स्किल्स में महारत हासिल करने से दूसरे व्यक्ति और समुदाय के साथ जुड़ने में मदद मिलती है। एक-दूसरे का सहयोग करने से बच्चों को दूसरों से सम्मान भी मिलता है। किसी भी लक्ष्य को आधा पूरा करने से उन्हें दूसरे लोगों की भावनाओं और विचारों को स्वीकार करना सीखने में मदद मिलेगी।

पर्सनल स्पेस की रिस्पेक्ट

हर रिश्ते की शारीरिक और भावनात्मक सीमाएं होती हैं। यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में अलग होता है, और हमें सभी का सम्मान करना चाहिए। कई बार मिलनसार होते हुए भी ज्यादातर लोग हदें पार कर जाते हैं। मिलनसार होना और दूसरों के पर्सनल स्पेस का सम्मान करना दो अलग-अलग चीजें हैं और दोनों के बारे में पता होना चाहिए। अपने बच्चे को सिखाएं कि कैसे परमिशन मांगें और बाउंडरी की पहचान करें।

मैनर्स

अच्छे मैनर्स सिखाना भी सोशल स्किल्स का एक हिस्सा है। थैंक यू, सॉरी का सही इस्तेमाल और टेबल तरीके का इस्तेमाल करने का एक अच्छा तरीका आपकी काफी मदद कर सकता है। ये स्किल स्कूल में पढ़ाए जाते हैं, लेकिन आपको भी इसकी प्रेक्टिस बच्चों से करवाते रहना चाहिए।

सोशल मीडिया पर ऐसे ऐसे पहचानें फेक प्रोफाइल

सोशल मीडिया पर अक्सर अनजान प्रोफाइल से फ्रेंड, फॉलो और मैसेज रिक्वेस्ट आती रहती हैं। कई बार अनजान द्वारा भेजी गई रिक्वेस्ट भी हम स्वीकार कर लेते हैं, लेकिन सावधान! यहां ऐसी कई प्रोफाइल हैं जो असली नहीं हैं। ये वो अकाउंट्स हैं जिन्हें धोखाधड़ी के लिए ही बनाया गया है। ठग फेक आईडी बनाकर लोगों से जुड़ते हैं, उनकी गतिविधियों पर नज़र रखकर अपना शिकार बनाते हैं। ऐसे में कौन-सी प्रोफाइल असली हैं और कौन-सी नहीं, यह जानकारी आवश्यक बन जाती है।

क्या करते हैं ठग?

पहले ठग फेक प्रोफाइल से रिक्वेस्ट भेजते हैं, स्वीकार होने पर व्यक्ति की गतिविधियों पर नज़र रखते हुए जानकारी चुराते हैं। मैसेज के ज़रिए ठगने की कोशिश कर सकते हैं। आईडी हैक कर सकते हैं या बैंक खाता ख़ाली कर सकते हैं।

ऐसे पहचानें...

- फेक अकाउंट में तस्वीर किसी अन्य व्यक्ति की होती है, लेकिन व्यक्ति की जानकारी नहीं होती। कुछ मामलों में जानकारी और विवरण किसी और का हो सकता है। ये बड़ी संख्या में फॉलो करेंगे, लेकिन इनके फॉलोअर्स कम या शून्य होंगे। पोस्ट भी शून्य रहेगी। ऐसा भी हो सकता है कि प्रोफाइल पिक्चर भी न हो।
- गूगल इमेज सर्च टूल से प्रोफाइल पर लगी तस्वीर को स्कैन करें। अगर प्रोफाइल फोटो नक़ली होगी तो इसके ज़रिए पता चल जाएगा कि तस्वीर कहां से ली गई है।
- मैसेज पर बातचीत के दौरान व्यक्ति लालच दे सकता है, जैसे क्या आप घर बैठे पैसे कमाना चाहते हैं? वह कोई लिंक भी भेज सकता है। ऐसे में सावधान हो जाएं।
- बातचीत के दौरान व्यक्ति कुछ असामान्य बातें कर सकता है, जैसे कि आप मुझे बहुत पसंद हैं, क्या आप मुझसे कल मिल सकते/सकती हो? वो किसी अन्य व्यक्ति की तस्वीर भेजकर भी आपको अपनी तस्वीर भेजने का आग्रह कर सकता है।

बचाव जरूरी है

ऐसी फेक प्रोफाइल को फ्रेंड और फॉलोअर्स की सूची से हटा दें। सूची से हटाने के बाद प्रोफाइल की रिपोर्ट करके ब्लॉक कर दें। बात करते वक़्त कोई भी जानकारी साझा न करें।

खाद्य प्रसंस्करण से किसानों की आय और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे: केशव प्रसाद मौर्य

ग्रेटर नोएडा। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं हैं। प्रदेश कृषि उत्पादन के क्षेत्र में मजबूत स्थिति में है और बड़ी मात्रा में सब्जियां, फल तथा अन्य कृषि उत्पाद यहां उपलब्ध होते हैं। इन उत्पादों का स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण, पैकेजिंग और ब्रांडिंग कर किसानों की आय बढ़ाने के साथ ही रोजगार एवं उद्यमिता के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को गांव और जिले के स्तर तक मजबूत किया जाए।

यू.पी. इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 के अंतर्गत 'खाद्य प्रसंस्करण नीति-2023' पर आयोजित विशेष सत्र को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मंडियों में बड़ी मात्रा में कृषि उत्पाद पहुंचते हैं, लेकिन उचित प्रसंस्करण एवं भंडारण की व्यवस्था नहीं होने से कई बार इनका बड़ा हिस्सा खराब हो जाता है। यदि कृषि उत्पादों का समय पर प्रसंस्करण किया जाए तो खाद्य पदार्थों की बर्बादी को कम करने के साथ किसानों को उनके उत्पाद का बेहतर मूल्य दिलाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण केवल उत्पादन तक सीमित नहीं है। इसमें पैकेजिंग, ब्रांडिंग, विपणन, परिवहन और निर्यात जैसे क्षेत्रों में भी बड़ी संख्या में अवसर उपलब्ध हैं। युवा, महिला उद्यमी और स्वयं सहायता समूह इस क्षेत्र में आगे आकर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों पर जोर: उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्विक बाजार में उत्तर प्रदेश के खाद्य उत्पादों की पहुंच बढ़ाने के लिए गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देना होगा। यूरोप, अमेरिका सहित दुनिया के प्रमुख बाजारों में खाद्य उत्पादों के लिए निर्धारित गुणवत्ता मानकों का पालन आवश्यक है। उद्यमियों को उत्पाद की गुणवत्ता के साथ आधुनिक पैकेजिंग और ब्रांडिंग पर भी ध्यान देना चाहिए, ताकि प्रदेश के उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा कर सकें। उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न नीतियों और योजनाओं के माध्यम से उद्यमियों को आवश्यक सहयोग और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। जिला स्तर पर संबंधित विभागों के अधिकारी संभावित उद्यमियों को योजनाओं से जोड़ने तथा उद्योग स्थापित करने में सहायता कर रहे हैं। बैंकिंग एवं वित्तीय सहायता से संबंधित मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

कार्यक्रम में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों और लाभार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर उपमुख्यमंत्री ने पॉलिसी के अंतर्गत चुनिंदा लाभार्थियों को चेक वितरण और सम्मानित किया। इस दौरान, यूपी सरकार के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कुमार कश्यप, राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा एवं अन्य गणमान्यजन की उपस्थिति रही।

खाद्य प्रसंस्करण में निवेश और नवाचार को बढ़ावा देने पर जोर: बीएल मीणा

यूपीआईटीएस-2026 में खाद्य प्रसंस्करण से संबंधित विशेष सत्र को संबोधित करते हुए अपर मुख्य सचिव बी.एल. मीणा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को कृषि उत्पादन से जोड़ते हुए आधुनिक तकनीक, प्रसंस्करण क्षमता, कोल्ड-चेन और निर्यात के लिए व्यापक अवसर तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विभिन्न जिलों की स्थानीय कृषि उपज और उत्पादों को केंद्र में रखकर नए खाद्य प्रसंस्करण हब विकसित हो रहे हैं, जिससे किसानों के उत्पादों को मूल्यवर्धित स्वरूप देने के साथ रोजगार और उद्यमिता के अवसर भी बढ़ रहे हैं। उन्होंने उद्यमियों से उपलब्ध सरकारी योजनाओं और प्रोत्साहनों का लाभ उठाकर आधुनिक प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने तथा स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश बढ़ने से प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और किसानों से लेकर उद्यमियों तक पूरी मूल्य श्रृंखला को लाभ होगा।

इंटरनेशनल ट्रेड शो में 300 जेन जी-जेन अल्फा के बीच कला-संस्कृति का 'मुकाबला'

ग्रेटर नोएडा। कहीं नृत्य की थिरकन और समूहगान के सुर तो कहीं कैनवास पर उतरती संस्कृति। कहीं नई पीढ़ी के हाथ पारंपरिक कला और शिल्प को आकार देते दिखे। आधुनिक कारोबार और वैश्विक अवसरों के मंच यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2026 में रविवार को जेन जी और जेन अल्फा अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े नजर आए। कला एवं संस्कृति प्रतियोगिता में 28 से अधिक स्कूलों के 300 से अधिक विद्यार्थियों के बीच तीन विधाओं में मुकाबला हुआ।

जेपी पब्लिक स्कूल, ग्रेटर नोएडा ने सह-नोडल विद्यालय ग्रैड्स इंटरनेशनल स्कूल, ग्रेटर नोएडा के साथ प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रस्तुति कला, दृश्य कला और 'हाथों की विरासत' कला एवं शिल्प में कक्षा 6-8 और 9-12 के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

सुर-ताल में दिखे संस्कृति के रंग: प्रस्तुति कला के कक्षा 6-8 वर्ग में एस्टर पब्लिक स्कूल, ग्रेटर नोएडा की तोशिता प्रथम, श्रीराम मिलेनियम स्कूल, नोएडा की अर्शिया महाजन द्वितीय और ग्रैड्स इंटरनेशनल स्कूल, ग्रेटर नोएडा की ग्रुप सॉन्ग टीम तृतीय रही। कक्षा 9-12 में बेथनी कॉन्वेंट स्कूल की युविका एवं चार्वी प्रथम रहीं। बेथनी कॉन्वेंट स्कूल की संस्कृति पाठक एवं ग्रैड्स इंटरनेशनल स्कूल, ग्रेटर नोएडा की अर्पिता द्वितीय और जेपी पब्लिक स्कूल, ग्रेटर नोएडा की सांची तृतीय रहीं।

कैनवास पर उतरी विरासत: दृश्य कला के कक्षा 6-8 वर्ग में स्पर्श इंटरनेशनल स्कूल की वर्णिका त्यागी प्रथम, ग्रेटर नोएडा वर्ल्ड स्कूल की अंशी मौर्य द्वितीय और जेपी पब्लिक स्कूल, ग्रेटर नोएडा की कृतिका सिंह तृतीय रहीं। कक्षा 9-12 में स्पर्श इंटरनेशनल स्कूल की अंशिका शर्मा प्रथम, ग्रैड्स इंटरनेशनल स्कूल की तान्या चौहान द्वितीय और रयान इंटरनेशनल स्कूल की चार्वी बघेल तृतीय रहीं।

हाथों ने दिया परंपरा को आकार: 'हाथों की विरासत' के कक्षा 6-8 वर्ग में स्पर्श इंटरनेशनल स्कूल, ग्रेटर नोएडा की सानवी सिंह प्रथम, ग्रेटर नोएडा वर्ल्ड स्कूल के लोविश भाटी द्वितीय और जेपी पब्लिक स्कूल, ग्रेटर नोएडा की श्रद्धा तृतीय रहीं। कक्षा 9-12 में जेपी पब्लिक स्कूल, ग्रेटर नोएडा के नवदीप तोमर एवं अनिका प्रथम, ग्रेटर नोएडा वर्ल्ड स्कूल के सार्थक द्वितीय और स्पर्श इंटरनेशनल स्कूल की सानवी सिंह तृतीय रहीं।

जेपी पब्लिक स्कूल, ग्रेटर नोएडा की सांची, कृतिका सिंह और श्रद्धा ने अपनी-अपनी विधाओं में तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि नवदीप तोमर एवं अनिका ने पहला स्थान प्राप्त किया।

इनके हाथ रही कमान: आयोजन जेपी पब्लिक स्कूल, ग्रेटर नोएडा की प्रधानाचार्या मीता भंडूला और ग्रैड्स इंटरनेशनल स्कूल, ग्रेटर नोएडा की प्रधानाचार्या अदिति बसु के मार्गदर्शन में हुआ। समन्वय जेपी पब्लिक स्कूल, ग्रेटर नोएडा की हेडमिस्ट्रेस रितु भटनागर और ग्रैड्स इंटरनेशनल स्कूल की सुशीला ने किया।

निर्णायक मंडल में पी.टी. डी.यू. मॉडल इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या डॉ. बिनिता, राजकीय उच्च विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. रजनी पिलानी, केंद्रीय विद्यालय, दिल्ली के कला विशेषज्ञ आर.पी. पॉल और छ्छ्छ्छष्ट, होशियारपुर की गीतांजलि शामिल रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों की मौलिकता, रचनात्मकता, प्रस्तुति और सांस्कृतिक विरासत की समझ की सराहना की।

आदर्श कन्या इंटर कॉलेज, दादरी में शिविर लगाकर यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम

गौतमबुद्धनगर। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा गांधी जयंती-2026 उपलक्ष्य में विद्यालयों में यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉक्सो अधिनियम) के संबंध में विशेष जागरूकता अभियान एवं विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर के आदेशानुसार एवं प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, तृतीय विरेक अग्रवाल के दिशा-निर्देशन में आदर्श कन्या इंटर कॉलेज, दादरी में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

सिविल जज जूनियर डिवीजन, गौतमबुद्धनगर सिद्धार्थ कुमार की अध्यक्षता में प्रातः कालीन प्रार्थना सभा के दौरान विद्यालय की छात्राओं के मध्य जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर छात्राओं को पॉक्सो अधिनियम, 2012 के महत्वपूर्ण प्रावधानों के संबंध में कानूनी जानकारी प्रदान की गई। बताया गया कि 18 वर्ष से कम आयु का प्रत्येक किशोर एवं किशोरी कानून की दृष्टि में बालक है। यह भी समझाया गया कि नाबालिग से संबंधित मामलों में सहमति का कानूनी महत्व नहीं है। बच्चों को किसी भी प्रकार के शोषण, अनुचित स्पर्श तथा असहज अथवा असुरक्षित परिस्थितियों से बचने के लिए जागरूक एवं सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया गया।

विद्यार्थियों को बताया गया कि किसी भी प्रकार की समस्या अथवा खतरे की स्थिति में वे अपने अभिभावकों, शिक्षकों एवं पुलिस से सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, हेल्पलाइन नंबर 112 तथा नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 के संबंध में भी जानकारी दी गई। छात्राओं को संबंधित विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर से विधिक सहायता प्राप्त करने के संबंध में भी अवगत कराया गया। इस दौरान गुड टच एवं बैड टच के संबंध में जानकारी देते हुए बच्चों को शिक्षा अनिवार्य रूप से प्राप्त करने तथा आत्मनिर्भर बनने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया।

सिविल जज जूनियर डिवीजन, गौतमबुद्धनगर द्वारा विद्यालय की प्रधानाचार्या को निर्देशित किया गया कि कक्षाओं में वीडियो, प्रोजेक्टर आदि के माध्यम से छात्राओं को पॉक्सो अधिनियम के संबंध में जागरूक किया जाए तथा विद्यालय में पॉक्सो अधिनियम से संबंधित पेंटिंग आदि गतिविधियों के माध्यम से भी छात्राओं को जागरूक एवं प्रोत्साहित किया जाए।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे के पहले एग्जिट पर साइन बोर्ड न होने से हादसे की आशंका; विज्ञापन के चक्कर में हटाया गया दिशा-सूचक बोर्ड

नोएडा। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर नोएडा से ग्रेटर नोएडा की ओर जाते समय सेक्टर 105, 108, 82, एटीएस हेमलेट और आसपास की अन्य विशाल ग्रुप हाउसिंग सोसायटियों ,गेझा और भगेल जाने वाले पहले एग्जिट पॉइंट पर इस समय कोई भी आधिकारिक साइन बोर्ड (दिशा-सूचक बोर्ड) नहीं लगा हुआ है। इस कारण एक्सप्रेसवे से गुजरने वाले दैनिक यात्रियों, स्थानीय निवासियों और विशेष रूप से बाहर से आने वाले चालकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

इस गंभीर विषय पर चिंता व्यक्त करते हुए सेक्टर 105 आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने बताया कि इस प्रथम एग्जिट पॉइंट से प्रतिदिन हजारों लोगों का आवागमन होता है। इनमें मुख्य रूप से सेक्टर 105, सेक्टर 108, एटीएस हेमलेट और आसपास की अन्य विशाल ग्रुप हाउसिंग सोसायटियों के निवासी शामिल हैं। पूर्व में इस मोड़ पर सेक्टर 105 और 108 के लिए एक स्पष्ट दिशा-सूचक बोर्ड लगा हुआ था, परंतु दुर्भाग्यवश एक भारी व्यावसायिक विज्ञापन लगाने की होड़ में उस मूल साइन बोर्ड को ही हटा दिया गया है। एग्जिट पॉइंट पर साइन बोर्ड न होने के कारण तेज़ गति से आने वाले वाहन चालकों को मोड़ का सही समय पर अनुमान नहीं हो पाता और उन्हें अचानक ब्रेक लगाने पड़ते हैं, जिससे एक्सप्रेसवे पर भीषण दुर्घटनाओं का खतरा निरंतर बना रहता है।

इसके साथ ही, उन्होंने नोएडा प्राधिकरण की सार्वजनिक संपत्तियों को क्षति पहुँचाने वाले असामाजिक तत्वों एवं निजी कंपनियों पर भी गहरा आक्रोश व्यक्त किया। शहर में कई स्थानों पर सरकारी संपत्तियों और दीवारों पर अवैध रूप से विज्ञापन व पोस्टर चिपकाकर उन्हें क्षतिग्रस्त किया जा रहा है, जो कि प्राधिकरण के नियमों का सरेआम उल्लंघन होने के साथ-साथ शहर के सौंदर्य पर भी एक बड़ा धब्बा है।

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक श्रीमान ए. के. अरोड़ा जी से पुरजोर अपील की है कि हजारों नागरिकों और यात्रियों की सुरक्षा व सुगमता को ध्यान में रखते हुए इस प्रथम एग्जिट पॉइंट पर तत्काल प्रभाव से एक बड़ा, स्पष्ट और रिफ्लेक्टिव (रात में चमकने वाला) साइन बोर्ड स्थापित कराया जाए। साथ ही, व्यावसायिक लाभ के लिए जनसुविधा से खिलवाड़ करने वाले तथा प्राधिकरण की संपत्तियों को अवैध विज्ञापनों से नुकसान पहुँचाने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्त कानूनी एवं दंडात्मक कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में ऐसी लापरवाही की पुनरावृत्ति न हो।

क्षेत्रीय निवासियों ने उम्मीद जताई है कि प्राधिकरण के उच्च अधिकारियों द्वारा इस जनहित के मुद्दे पर शीघ्र ही संज्ञान लेकर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

भगत सिंह जयंती पर सामाजिक संगोष्ठी एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन

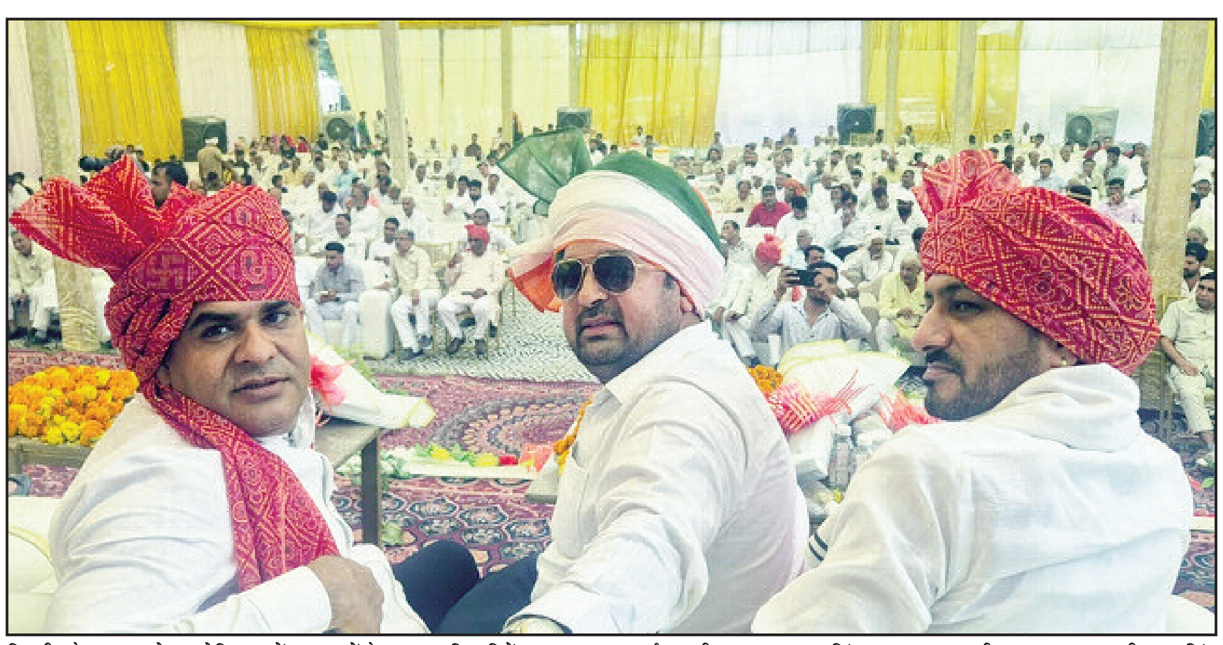

सिकंदराबाद। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के तत्वावधान में धीरेंद्र प्रधान द्वारा जोखाबाद में भगत सिंह जयंती पर सामाजिक संगोष्ठी एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज के उत्थान, युवाओं को शिक्षा और व्यवसाय की ओर प्रेरित करने तथा सामाजिक एकता पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरीशचंद भाटी रहे। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सविंदर भाटी, केपी सिंह कसाना, जयप्रकाश विकल, जगबीर दौला, रामकेश चपराना, राम सिंह कसाना, पंकज रोसा, गौतम बुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी और शशांक भाटी सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वक्ताओं ने शिक्षा को बढ़ावा देने, युवाओं को सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने और सामाजिक कुरीतियाँ दूर करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आपसी भाईचारे और एकजुटता से समाज के सर्वांगीण विकास को गति मिलेगी।

हरीशचंद भाटी ने 27 अक्टूबर को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में प्रस्तावित गुर्जर स्वाभिमान रैली में बड़ी संख्या में भाग लेने का आह्वान किया। उपस्थित समाजबंधुओं ने रैली को सफल बनाने का संकल्प लिया।

इससे पहले ग्रामवासियों ने ढोल-नगाड़ों के साथ पदाधिकारियों का स्वागत किया और उन्हें पगड़ी पहनाकर पुष्पमालाएँ भेंट कीं। कार्यक्रम के शुभारंभ पर भगत सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई तथा देश के प्रति उनके योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जगत सिंह प्रधान ने की और संचालन जितेंद्र मास्टर ने किया। कार्यक्रम में हरिदत्त खलीफा, पुष्पेंद्र प्रमुख, रणवीर प्रमुख, सुखबीर भाटी, कर्मवीर गुर्जर, रविंद्र प्रधान, तरसे प्रधान, टीटू भैया, नरेंद्र प्रधान, वीरेंद्र प्रधान, श्यामवीर प्रधान, कृष्ण भाटी, राज सिंह प्रधान, निर्दोष भाटी, महाराज सिंह भगत जी, संजय भड़ाना, गजेंद्र रेक्सवाल, नेपाल कसाना और अजीत दौला सहित दर्जनों गाँवों से बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

श्रम संहिताएं ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने में निभाएंगी महत्वपूर्ण भूमिका : अनिल राजभर

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लागू की जा रही चार श्रम संहिताएं देश और प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। सरकार की प्राथमिकता श्रमिकों के हितों की रक्षा के साथ-साथ उद्योग जगत के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना है। श्रमिक और उद्योग एक-दूसरे के पूरक हैं, इसलिए दोनों के हितों और भविष्य को ध्यान में रखकर ही नीतियां एवं निर्णय लिए जा रहे हैं। अनिल राजभर ने यह बात सोमवार को उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 के चौथे दिन आयोजित 'विशेष श्रम संहिताएं' सत्र को संबोधित करते हुए कही।

श्रम मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश लगातार दो वर्षों से देश में नए कारखानों के पंजीयन के मामले में प्रथम स्थान पर है। वर्ष 2017 के बाद प्रदेश में बड़ी संख्या में नए कारखाने पंजीकृत हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश सरकार ने उद्योगों के लिए बेहतर वातावरण तैयार करने की दिशा में लगातार काम किया है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया, कनेक्टिविटी में व्यापक सुधार हुआ, पर्याप्त बिजली उपलब्धता सुनिश्चित की गई और उद्योगों के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार किया गया। इन प्रयासों का परिणाम प्रदेश में बढ़ते निवेश और रोजगार के अवसरों के रूप में सामने आ रहा है।

मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि सरकार के सामने हमेशा यह चुनौती रही है कि श्रमिकों के हितों को प्रभावित किए बिना उद्योग जगत का मनोबल बनाए रखा जाए। इसी उद्देश्य से सरकार श्रमिकों और उद्यमियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि बिना उद्योग के श्रमिकों और बिना श्रमिकों के उद्योग की कल्पना नहीं की जा सकती। इसलिए दोनों के हितों, भावनाओं और भविष्य को समझते हुए निर्णय लेना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि चार श्रम संहिताओं के लागू होने से श्रम कानूनों में सुधार और सरलीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। केंद्र सरकार ने संहिताओं के संबंध में विभिन्न हितधारकों से संवाद किया है और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ भी विचार-विमर्श किया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार भी इसी भावना के साथ आगे बढ़ रही है।

नोएडा के 3800 करोड़ के लीजबैक घोटाले में सचिव बर्खास्त

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण के करीब 3,800 करोड़ रुपए के लीजबैक मामले में उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। शासन ने नोएडा प्राधिकरण के तत्कालीन सचिव हरीश चंद्र को सरकारी सेवा से बर्खास्त कर दिया है। नियुक्ति विभाग ने सोमवार को उनकी बर्खास्तगी का आदेश जारी किया है। हरीश चंद्र वर्तमान में खाद्य एवं रसद विभाग में स्थानिक प्रतिनिधि के पद पर कोलकाता में तैनात थे।

हरीश चंद्र पर नोएडा प्राधिकरण में तैनाती के दौरान प्राधिकरण की अर्जित और कब्जा प्राप्त जमीन को नियमों को दरकिनार कर लीजबैक कराने का आरोप है। विभागीय जांच में करीब 3 लाख 81 हजार 527 वर्गमीटर जमीन की नियम विरुद्ध लीजबैक किए जाने की बात सामने आई थी। एक्सप्रेसवे के पास शहदरा गांव से लगी इस जमीन की बाजार कीमत जांच में करीब 3,800 करोड़ रुपए आंकी गई थी।

बाहरी लोगों और 3 कंपनियों को भी दी गई जमीन: मामला 2011 में नोएडा प्राधिकरण में हुए लीजबैक से जुड़ा है। विभागीय जांच में सामने आया कि गांव के गैर-निवासी लोगों और तीन निजी कंपनियों के नाम जमीन की लीजबैक की गई। इन लोगों और कंपनियों को करीब 175 वर्गमीटर से लेकर 15,340 वर्गमीटर तक के भूखंड दिए गए।

नियमों के मुताबिक लीजबैक की सुविधा गांव के किसानों के लिए थी। एक परिवार के नाम अधिकतम 450 वर्गमीटर जमीन लीजबैक किए जाने का प्रावधान था। आरोप है कि इन नियमों का उल्लंघन कर बाहरी लोगों और निजी कंपनियों को बड़े भूखंड लीजबैक किए गए।

एक्सप्रेसवे से सटे इन सेक्टरों में थी जमीन: लीजबैक की गई जमीन एक्सप्रेसवे से सटे सेक्टर-140ए, 141, 142 और 143 के आसपास थी। 45 से 75 मीटर चौड़ी सड़कों से लगी इस जमीन का बाजार मूल्य जांच में करीब 3,800 करोड़ रुपए आंका गया।

सरकार ने मामले की जांच नोएडा प्राधिकरण की तत्कालीन सीईओ रितु माहेश्वरी को सौंपी थी। जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट शासन को भेजी गई। इसमें हरीश चंद्र की भूमिका पर सवाल उठाए गए थे। इसके बाद शासन ने उनकी सेवा समाप्त करने की कार्रवाई की।

2018 में भी निलंबित हो चुके हैं: हरीश चंद्र वर्ष 2018 में भी निलंबित हो चुके हैं। उस समय वह मुजफ्फरनगर के एडीएम थे। उन पर रिटायर्ड कर्नल वीएस चौहान को एक मामले में जेल भेजने के लिए पुलिस पर दबाव बनाने के आरोप लगे थे।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में आयुष विभाग ने आयुर्वेद एवं समग्र स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट एंड सेंटर में आयोजित यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के चतुर्थ संस्करण में आयुष विभाग, उत्तर प्रदेश के स्टॉल पर आयुर्वेद एवं विभिन्न आयुष चिकित्सा पद्धतियों के महत्व को लेकर आगंतुकों के बीच व्यापक जानकारी एवं जागरूकता का प्रसार किया गया।

कार्यक्रम के दौरान उप निदेशक आयुर्वेद डॉ. राम कृपाल एवं क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. बंदना रानी ने स्टॉल पर पहुंचे अतिथियों एवं आगंतुकों का स्वागत किया। उन्होंने आयुष विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित आयुर्वेद, योग, यूनानी, होम्योपैथी, प्राकृतिक चिकित्सा एवं सिद्ध चिकित्सा की उपयोगिता तथा वर्तमान जीवनशैली में इनके महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

अधिकारियों ने आयुर्वेद के वैश्वीकरण तथा विश्व स्तर पर आयुर्वेद एवं समग्र स्वास्थ्य पद्धतियों के प्रति बढ़ती रुचि के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश आयुष चिकित्सा, योग, प्राकृतिक चिकित्सा एवं समग्र स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देते हुए होलिस्टिक हेल्थ एंड वेलनेस हब के रूप में विकसित होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि आज की आधुनिक, तेज एवं तनावपूर्ण जीवनशैली के कारण उत्पन्न स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव में आयुर्वेदिक आहार-विहार, ऋतुचर्या, दिनचर्या, योग, व्यायाम, ध्यान एवं प्राणायाम की महत्वपूर्ण भूमिका है। साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर बनाए रखने के लिए संतुलित आहार एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर बल दिया गया।

स्टॉल पर आयुर्वेदिक औषधियों के उत्पादन में गुणवत्ता नियंत्रण, शोध एवं प्रमाण-आधारित उपचार पद्धतियों, समन्वित चिकित्सा तथा पंचकर्म जैसी शोधन चिकित्सा के संबंध में भी जानकारी दी गई। औषधीय पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन तथा रसोई में प्रयुक्त विभिन्न मसालों के दैनिक जीवन में स्वास्थ्यवर्धक उपयोग पर भी आगंतुकों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में श्रीअन्न (मिलेट्स) के पोषण संबंधी महत्व तथा मोटापा, डिस्लिपिडेमिया, उच्च रक्तचाप, मधुमेह एवं विभिन्न मेटाबोलिक विकारों में संतुलित आहार, योग एवं जीवनशैली प्रबंधन की उपयोगिता पर चर्चा की गई। इस अवसर पर आयुष विभाग द्वारा प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के इंफ्रास्ट्रक्चर के उन्नयन, 50 बेडेड इंटीग्रेटेड अस्पतालों, आयुष्मान योग एवं वेलनेस सेंटर, राजकीय आयुर्वेदिक फार्मेसी, अनुसंधान संस्थानों, मेडिकल कॉलेजों एवं औषधालयों के सुदृढ़ीकरण तथा उन्नयन के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई। स्टॉल पर उपस्थित आयुर्वेदिक, यूनानी एवं होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारियों द्वारा आगंतुकों एवं रोगियों की नाड़ी परीक्षण तथा सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण के उपरांत निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श भी प्रदान किया गया। बड़ी संख्या में आगंतुकों ने आयुष चिकित्सा पद्धतियों, आयुर्वेद के वैश्विक विस्तार, स्वस्थ जीवनशैली एवं समग्र स्वास्थ्य संरक्षण के उपायों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: **अनिल रॉयल**

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address :
royalnoida@gmail.com

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने आयोजित की व्यापारियों एवं उद्यमियों का अभिविन्यास एवं परिचय सम्मेलन एवं संवाद कार्यशाला

नोएडा। व्यापारियों एवं उद्यमियों का सर्वोच्च संगठन उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल द्वारा व्यापारी एवं उद्यमियों का अभिविन्यास एवं परिचय सम्मेलन एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष पश्चिम भाजपा एवं विधायक नोएडा के साथ संवाद कार्यशाला का आयोजन अग्रसेन भवन, नोएडा में डॉ पीयूष द्विवेदी (एन सी आर चेयरमैन) की अध्यक्षता में एवं संजय जैन (जिला अध्यक्ष) के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अमित अग्रवाल वरिष्ठ महासचिव द्वारा किया गया। इस आयोजन में नवाब सिंह नागर क्षेत्रीय अध्यक्ष पश्चिम भाजपा उत्तर प्रदेश एवं पंकज सिंह नोएडा विधायक मुख्य अतिथि रहे। इस कार्यशाला में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल (जिला गौतम बुध नगर) के सभी सदस्यों एवं उनके द्वारा चालित उद्यम या व्यापारिक संस्थानों का परिचय पूरे सदन से इस भावना एवं उद्देश्य से करवाया गया जिससे वह एक-दूसरे के साथ अपने उद्यम या व्यापार को बढ़ा सकें। सभी सदस्यों को सदस्यता प्रमाण पत्र एवं उनके प्रतिष्ठानों पर लगाए जाने के लिए बोर्ड वितरित किए गए।

कार्यक्रम में जिला गौतम बुद्ध नगर के व्यापारियों एवं उद्यमियों के समक्ष आज के परिवेश में आ रही समस्याओं एवं उनके सुझावों को क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं विधायक के साथ विचार मंथन कर संवाद कर उनके समक्ष रखा गया।

क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं नोएडा विधायक द्वारा इस संवाद कार्यक्रम में सभी समस्याओं एवं विचारों की महत्वता को गहराई से सुना व समझा साथ ही उन्होंने पूर्ण आश्वासन दिया कि इन सभी समस्याओं का निवारण एवं सुझावों व विचारों को शीघ्रातिशीघ्र अमल में लाया जाएगा।

आयोजन में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल से नरेश बंसल जी कोषाध्यक्ष, महासचिव अमित पोरवाल एवं राहुल भाटिया, मुख्य संरक्षक डॉ डी.के. गुप्ता, संरक्षक डॉ एस पी जैन, डॉ राजेश गुप्ता, अजय बाथला, मित्रा शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्यनारायण गोयल, विकास बंसल, उपाध्यक्ष के के अग्रवाल सी ए, उमानंदन कौशिक, सचिव सुनील वर्मा, मनोज गोयल, तनवीर, धर्मवीर बंसल, अंकित गुप्ता मनोज गौड़, विक्रम सिंह, दिनेश कुमार, रेनू बाला शर्मा, वंदना शर्मा संतोष सिंह, मंजू शर्मा, दुर्गा शर्मा, शीतल शुक्ला, नंदिनी मेहरा, कुसुम पथरिया, योगिता मल्होत्रा, कविता सिंह, मधु सिंह समेत लगभग 100 सदस्यों ने कार्यक्रम में सम्मिलित हो अपने बोर्ड एवं सदस्यता प्रमाण पत्र प्राप्त किए।

श्री श्याम क्लिनिक पाइल्स एवं पंचकर्म सेंटर का उद्घाटन

नोएडा। आज नोएडा सेक्टर-56 में भाजपा शहरी विकास मोर्चा के अध्यक्ष डॉ. प्रसनजीत मैत्रा के द्वारा आयोजित गणपति उत्सव के विसर्जन कार्यक्रम एवं श्री श्याम क्लिनिक पाइल्स एवं पंचकर्म सेंटर के उद्घाटन समारोह में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, उत्तर प्रदेश सरकार में दर्जा प्राप्त मंत्री कैप्टन विकास गुप्ता व भाजपा जिलाध्यक्ष महेश चौहान ने मिलकर किया।

इस अवसर पर क्षेत्र के सभी सम्मानित लोगों ने कार्यक्रम में शिरकत की। सबसे पहले श्री श्याम क्लिनिक पाइल्स एवं पंचकर्म सेंटर का उद्घाटन किया गया। तत्पश्चात विधि विधान के साथ गणपति बप्पा की विदाई और विसर्जन का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

ग्रेनो प्राधिकरण ने भनौता में अवैध निर्माण पर चलाया बुल्डोजर

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने सोमवार को गांव भनौता में अवैध निर्माण पर बुल्डोजर चलाया और लगभग 20 हजार वर्ग मीटर जमीन को मुक्त करा लिया। कालोनाइजर इस अधिसूचित एरिया में अवैध प्लॉटिंग करने की कोशिश कर रहे थे। जमीन की कीमत लगभग 40 करोड़ रुपये होने का आकलन है।

दरअसल ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने अधिसूचित एरिया में अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। प्राधिकरण की टीम अवैध कब्जों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक एके सिंह ने बताया कि कालोनाइजर गांव भनौता के खसरा संख्या 282 और 283 की जमीन पर अवैध निर्माण कर कॉलोनी बसाने की फिराक में थे। परियोजना विभाग के उप महाप्रबंधक विजय कुमार रावल के नेतृत्व में वर्क सर्कल दो के मैनेजर रोहित गुप्ता व अन्य की टीम ने सुरक्षा कर्मियों की मौजूदगी में बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण को ध्वस्त कर दिया और जमीन प्राधिकरण के कब्जे में ले लिया है। इसके अतिरिक्त विगत दिनों बिसरख के डूब क्षेत्र में भी प्राधिकरण ने अवैध निर्माण के खिलाफ बुलडोजर चलाया। खसरा संख्या 135 व 153 की 5000 वर्ग मीटर जमीन को अतिक्रमण मुक्त करा लिया। परियोजना विभाग के वर्क सर्कल -3 के प्रभारी प्रभात शंकर के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सुमित यादव ने कहा है कि ग्रेटर नोएडा के अधिसूचित एरिया में किसी भी व्यक्ति को अवैध निर्माण करने की इजाजत नहीं है। ग्रेटर नोएडा में कहीं भी जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण से संपर्क कर पूरी जानकारी जरूर प्राप्त कर लें। उन्होंने अपील की है कि अवैध कॉलोनी में अपनी गाढ़ी कमाई न फंसाएं।

'पत्रकारिता समागम' और 'पीटीजी अचीवर्स प्राइड अवार्ड 2026' में सम्मानित हुई हस्तियां

नोएडा। सेक्टर-6 स्थित एनईए ऑडिटोरियम में पीटीजी न्यूज द्वारा दो बेहद भव्य और गरिमापूर्ण कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में जहां एक ओर निष्पक्ष पत्रकारिता को सलाम किया गया, वहीं दूसरी ओर समाज, शिक्षा, व्यापार और स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित किया गया।

सत्र 1: पत्रकारिता समागम एवं अलंकरण समारोह

पत्रकारिता समागम एवं अलंकरण समारोह' सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में शालिनी सिंह (कार्यकारी अध्यक्ष, नोएडा सिटीजन फोरम), अलोक द्विवेदी (अध्यक्ष, नोएडा मीडिया क्लब), वरिष्ठ पत्रकार विनोद शर्मा एवं मोहम्मद आजाद उपस्थित रहे।

इस सत्र में मुख्य रूप से गौतम बुध नगर के कर्मठ एवं निष्पक्ष

पत्रकारों को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं और समाज को जागरूक करने के प्रयासों के लिए अलंकृत किया गया। वक्ताओं ने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया की भूमिका पर गहराई से प्रकाश डाला।

सत्र 2: पीटीजी अचीवर्स प्राइड अवार्ड 2026

पीटीजी अचीवर्स प्राइड अवार्ड 2026' का शानदार मंच सजा। इस सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. संदीप मारवाह (संस्थापक, नोएडा फिल्म सिटी व चेयरमैन एएएफटी), स्वामी पदम नारायण आचार्य (पीठाधीश्वर हनुमंत कृपाधाम, वृंदावन), मनीषा सिंह (एडीसीपी, नोएडा जोन), फैशन डिजाइनर तन्मया मनीष, डॉ डी.के. गुप्ता (सीएमडी फेलिक्स हॉस्पिटल), आलोक द्विवेदी (अध्यक्ष एनएमसी) की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह में शहर के विविध क्षेत्रों की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया जिसमें शहर के समाज सेवा, उद्योग जगत, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, रियल एस्टेट, कम्युनिटी सर्विस व अन्य क्षेत्रो में उत्कृष्ट योगदान करने वाले दिग्गजों को मंच पर सम्मानित किया गया।

इस पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने में एनईए, वाईएसएस फाउंडेशन, त्यागराजा डांस ग्रुप, पीएनआई न्यूज, नेस्ट सत्या हॉस्पिटल और डी स्पोर्ट्स क्लब जैसी सहयोगी संस्थाओं का विशेष योगदान रहा। मंच का संचालन शिवानी पांडे ने किया।

संक्षिप्त समाचार

'15 दिन से खराब था एसी, पूछताछ में चालकों और परिचालक ने बताया, ग्रेनो बस अग्निकांड में खुलासा

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे पर स्लीपर बस में भीषण आग लगने से नौ यात्रियों की मौत के मामले में पुलिस की जांच का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। शुरुआती जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि बस का एसी सिस्टम पिछले करीब 15 दिनों से खराब था, जिसकी जानकारी चालक-परिचालक के साथ-साथ संचालन से जुड़े अन्य जिम्मेदार लोगों को भी थी।

पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार चालकों (पवन और योगेश) व परिचालक (रोहित) ने बताया कि उन्होंने कई बार एसी ठीक कराने के लिए मैनेजर और अन्य जिम्मेदार अधिकारियों से कहा था। हालांकि, जल्द ही गर्मी का मौसम खत्म होने का हवाला देकर इसे नजरअंदाज कर दिया गया और बस का संचालन जारी रखा गया। इसी लापरवाही के सिलसिले में पुलिस ने बुकिंग मैनेजर विकास को भी गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आग लगने के बाद बस को रोकने में कितना समय लगा और इस दौरान वह कितनी दूरी तक चली। इसके लिए जीरो प्वाइंट से घटनास्थल तक लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस बस की गति और उसके लिए कॉल डिटेल, मोबाइल लोकेशन और यात्रियों रुकने के स्थान का भी मिलान कर रही है। इसके के बयान को जांच में शामिल किया जा रहा है।

सीसीटीवी और कॉल डिटेल से हो रही है पड़ताल: हादसे के वक्त मची अफरातफरी के बीच कुछ यात्री खिड़कियां तोड़कर और कुछ दरवाजे से बाहर निकलकर जान बचाने में सफल रहे, जबकि कई अंदर ही फंस गए। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आग लगने के बाद बस को रोकने में कितना समय लगा और इस दौरान वह कितनी दूरी तक चली। इसके लिए जीरो प्वाइंट से घटनास्थल तक के सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन, कॉल डिटेल और यात्रियों के बयानों को आधार बनाकर गहराई से छानबीन की जा रही है।

नोएडा के 13 सेक्टरों में जलभराव से मिलेगी राहत, 27 करोड़ से हेड रेगुलेटर और नाला बनेगा

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-150 समेत एक्सप्रेसवे किनारे बसे 13 सेक्टरों में जलभराव की समस्या दूर करने के लिए हेड रेगुलेटर का काम शुरू हो गया है। सिंचाई विभाग की ओर से रेगुलेटर के निर्माण का काम कराया जा रहा है। इसके साथ नाला भी विकसित किया जाएगा।

नोएडा प्राधिकरण के जीएम एके अरोड़ा ने बताया कि सिंचाई विभाग की ओर से तैयार प्रस्ताव को सीईओ ने मंजूरी दे दी थी। परियोजना का निर्माण सिंचाई विभाग ने शुरू कर दिया है। हेड रेगुलेटर का काम शुरू होने के बाद जलनिकासी की व्यवस्था को विकसित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ गई है।।इस परियोजना से सेक्टर 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161 और 162 को राहत मिलने की उम्मीद है। इन सेक्टरों में बारिश के दौरान कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति बनती है। कुछ सोसाइटी परिसरों में भी बारिश का पानी भरने की समस्या सामने आती है।

हिंडन तक पहुंचेगा बारिश का पानी: परियोजना के तहत नाला और हेड रेगुलेटर तैयार किया जाएगा। इसके जरिए इन सेक्टरों से निकलने वाले बारिश के पानी को व्यवस्थित तरीके से हिंडन नदी तक पहुंचाया जाएगा। इससे जलभराव वाले क्षेत्रों से पानी की निकासी तेज होने की उम्मीद है।

अभी इन सेक्टरों का बारिश का पानी सेक्टर-168 की तरफ मोड़कर नाले के जरिए यमुना तक पहुंचाया जाता है। नई व्यवस्था बनने के बाद जलनिकासी के लिए अतिरिक्त और व्यवस्थित मार्ग उपलब्ध होगा।

27 करोड़ की परियोजना, एक साल में पूरा करने का लक्ष्य: सिंचाई विभाग ने इस परियोजना का प्रस्ताव तैयार किया था। इसकी अनुमानित लागत करीब 27 करोड़ रुपये है। प्राधिकरण की मंजूरी के बाद अब निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। अधिकारियों के मुताबिक परियोजना को करीब एक वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

सीजेपी प्रदर्शन केस में अक्षत त्रिपाठी को सुप्रीम कोर्ट से राहत

नोएडा। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन से जुड़े मामले में छात्र अक्षत त्रिपाठी को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। उत्तर प्रदेश सरकार ने शीर्ष अदालत को बताया कि अक्षत को 4 सितंबर को जारी किया गया 5 लाख रुपये के बॉन्ड वाला नोटिस पहले ही वापस लिया जा चुका है। अक्षत त्रिपाठी को ग्रेटर नोएडा में प्रस्तावित सीजेपी प्रदर्शन के सिलसिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत नोटिस जारी किया गया था। इसमें उनसे 5 लाख रुपये का निजी मुचलका और 5-5 लाख रुपये के दो जमानती मांगे गए थे। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा कि अदालत इस नोटिस को उसी दिन रद्द कर सकती है। इस पर केंद्र की ओर से पेश एसएसजी ऐश्वर्या भाटी ने बताया कि 4 सितंबर को जारी विवादित नोटिस उत्तर प्रदेश सरकार पहले ही वापस ले चुकी है।

नोटिस के आधार पर कार्रवाई भी खत्म: सरकार की ओर से नोटिस वापस लिए जाने की जानकारी मिलने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि 4 सितंबर के नोटिस के आधार पर की गई कोई भी कार्रवाई निरस्त मानी जाएगी। यानी उस नोटिस के आधार पर अक्षत के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। अक्षत ने अपनी याचिका में इसी नोटिस और उसके आधार पर हुई कार्रवाई को चुनौती दी थी। कोर्ट के निर्देश के बाद अब 4 सितंबर के नोटिस से जुड़ी कार्रवाई का कोई प्रभाव नहीं रहेगा।

यीडा की 93वीं बोर्ड बैठक में बड़े फैसले, 4,222 करोड़ की प्राप्तियां; लॉजिस्टिक्स पार्क से लेकर 8,000 हेक्टेयर इंडस्ट्रियल नोड तक योजना

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण यानी यीडा की 93वीं बोर्ड बैठक में क्षेत्र के औद्योगिक और नागरिक विकास को गति देने वाले कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। सोमवार को प्राधिकरण सभागार में अपर मुख्य सचिव (औद्योगिक विकास) एवं यीडा अध्यक्ष आलोक कुमार की अध्यक्षता में यह बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 में 14 सितंबर तक प्राधिकरण की कुल प्राप्तियां 4,222.37 करोड़ रुपये दर्ज की गईं। यह आंकड़े पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 182.35 प्रतिशत अधिक हैं। इसके साथ ही औद्योगिक और मिक्स्ड लैंड योजना से 2,420.7 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति हुई है।

यमुना विकास प्राधिकरण के सीईओ आरके सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि बोर्ड ने क्षेत्र में विकसित हो रही नागरिक सुविधाओं के दीर्घकालिक रखरखाव और वित्तीय स्थायित्व के लिए YEIDA Corpus Fund Investment Regulation 2026-27 तैयार करने का निर्णय लिया है। इसके तहत वन टाइम लीज रेंट और अन्य पात्र गैर-आवर्ती आय को एक अलग कॉर्पस फंड में रखा जाएगा। इस राशि का निर्धारित नियमों के तहत निवेश किया जाएगा। उससे मिलने वाले ब्याज व अनुमन्य राशि का उपयोग सड़क, जलापूर्ति, सीवर-ड्रेनेज, स्ट्रीट लाइट, पार्क और ग्रीन बेल्ट सहित अन्य नागरिक सुविधाओं के रखरखाव और मरम्मत में किया जाएगा। महायोजना-2041 के तहत लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क पॉलिसी-2024 के अनुरूप मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क विकसित करने की प्रक्रिया को भी मंजूरी दी गई है। पात्र निवेशकों को ई-नीलामी के माध्यम से भूखंड उपलब्ध कराए जाएंगे। प्राधिकरण के अनुसार इससे निवेश, रोजगार और आधुनिक सप्लाई-चेन इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा मिलेगा।

इंडस्ट्रियल नोड और इंटरनेशनल ट्रेड सिटी: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के दक्षिणी क्षेत्र में करीब 8,000 हेक्टेयर क्षेत्रफल में इंडस्ट्रियल नोड विकसित करने की दिशा में चल रहे कार्यों की भी बोर्ड ने समीक्षा की है। इसके लिए महायोजना तैयार करने के लिए कंसल्टेंट के चयन की प्रक्रिया चल रही है। प्राधिकरण के मुताबिक इंडस्ट्रियल नोड से औद्योगिक निवेश, रोजगार और लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा मिलने के साथ एयरपोर्ट के आसपास योजनाबद्ध औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। इसके अलावा यीडा क्षेत्र में चीन के Yiwu International Trade City की तर्ज पर इंटरनेशनल ट्रेड सिटी विकसित करने की दिशा में भी पहल की गई है। प्रस्तावित ट्रेड सिटी में क्षेत्र के औद्योगिक उत्पादों के प्रदर्शन, बिक्री और निर्यात के लिए बाजार उपलब्ध कराने की योजना है। इससे स्थानीय उद्योगों को नए बाजार और वैश्विक व्यापार के अवसर मिलने की उम्मीद जताई गई है।

औद्योगिक भूखंडों पर निर्माण और कचरा प्रबंधन: बोर्ड को अवगत कराया गया कि 4,000 वर्गमीटर से अधिक आकार के 295 औद्योगिक भूखंडों में से 181 की लीज डीड निष्पादित हो चुकी है। 152 आवंटियों को कब्जा दिया जा चुका है और 69 भूखंडों पर निर्माण शुरू हो गया है। इसके अलावा 13 इकाइयों में उत्पादन भी शुरू हो चुका है। सेक्टर-28 के मेडिकल डिवाइस पार्क में 203 भूखंडों के सापेक्ष 123 भूखंड आवंटित किए जा चुके हैं, जबकि 75 पर कब्जा और 28 पर निर्माण शुरू हो गया है। यीडा क्षेत्र में ठोस कचरा प्रबंधन और स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने के लिए Integrated Solid Waste Management और Sanitation व्यवस्था पर भी काम किया जा रहा है।

नोएडा पुश्ता रोड 11 किमी लंबी होगी, 4 लेन बनेगी, 300 करोड़ खर्च

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को दिल्ली और नोएडा से बेहतर कनेक्टिविटी देने के लिए पुश्ता रोड का विस्तार किया जाएगा। सेक्टर-135 से सेक्टर-150 तक करीब 11 किलोमीटर लंबी सड़क को चार लेन का बनाया जाएगा।

परियोजना पर करीब 300 करोड़ रुपये खर्च होंगे। सड़क के दोनों ओर पूरी लंबाई में 1.5 मीटर ऊंची दीवार बनाई जाएगी। तकनीकी रूप से इसे ड्राफ्ट वॉल कहा जा रहा है। इससे सड़क को मजबूत करने के साथ बाढ़ के दौरान पानी के दबाव से पुश्ता को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी। नोएडा प्राधिकरण के जीएम आरके अरोड़ा ने बताया कि पुश्ता को मजबूत करने के लिए सिंचाई विभाग ने तीन विकल्प दिए थे। इनमें स्टोन पिचिंग, आरसीसी वॉल और ड्राफ्ट वॉल तकनीक शामिल थी। प्राधिकरण ने ड्राफ्ट वॉल के विकल्प को मंजूरी दी है। अब सिंचाई विभाग करीब 15 दिन में इसकी डीपीआर तैयार कर प्राधिकरण को देगा। इसके बाद प्रस्ताव को बोर्ड के सामने रखा जाएगा।

यमुना एक्सप्रेसवे से सीधे जुड़ेगी रोड: पुश्ता रोड का विस्तार सेक्टर-135 से शुरू होकर सेक्टर-150 तक किया जाएगा। चार लेन की यह सड़क आगे यमुना एक्सप्रेसवे से रोटरी के माध्यम से जोड़ी जाएगी। इससे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए एक नया लिंक तैयार होगा। प्रस्तावित कनेक्टिविटी से एयरपोर्ट की दूरी करीब 30 किलोमीटर रह जाएगी।

नोएडा एक्सप्रेसवे पर घटेगा ट्रैफिक दबाव: नई सड़क बनने से नोएडा एक्सप्रेसवे को भी वैकल्पिक मार्ग मिलेगा। पुश्ता रोड के आसपास बने आईटी और इंडस्ट्रियल सेक्टर में काम करने वाले लोगों को यमुना एक्सप्रेसवे तक पहुंचने के लिए नोएडा एक्सप्रेसवे पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। दिल्ली से एयरपोर्ट, आगरा, मथुरा और लखनऊ की ओर जाने वाले वाहन भी इस मार्ग का इस्तेमाल कर सकेंगे। इससे नोएडा एक्सप्रेसवे पर ट्रैफिक का दबाव कम होने की उम्मीद है।

गार्डन गैलेरिया मॉल के बाहर किसानों का धरना, पुलिस के आश्वासन के बाद स्थगित

नोएडा। सेक्टर-38 ए स्थित गार्डन गैलेरिया मॉल के गेट नंबर-11 के बाहर सोमवार को भारतीय किसान यूनियन (भानु) के बैनर तले किसानों ने धरना शुरू किया। किसानों ने पब बार में शेयर होल्डिंग के नाम पर करीब 70 लाख रुपये के निवेश के बाद रकम वापस न मिलने और दस्तावेजों में फर्जीवाड़े का आरोप लगाया है।

इस प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया है। हालांकि शाम पांच बजे पुलिस को दोनों पक्ष को टेबल पर बैठकर बातचीत कराने के आश्वासन के बाद किसानों का धरना स्थगित कराने में सफलता मिली। किसान नेता राज कुमार नागर ने बताया कि गार्डन गैलेरिया मॉल के अंदर एक बार रेस्टोरेंट में किसान निशांत भार्गव और अरविंद भाटी ने करीब 70 लाख रुपये का निवेश किया था। यह रकम वर्ष 2021 से 2025 के बीच राहुल सिंह को आरटीजीएस के जरिये दी गई थी।

निवेश के बदले 10-10 प्रतिशत मुनाफा देने का वादा: निवेश के बदले 10-10 प्रतिशत मुनाफा देने का वादा किया गया था, किसानों का का कहना है कि उन्हें कोई मुनाफा नहीं मिला। इसके बाद निवेश से जुड़े दस्तावेजों की जांच कराई गई, जिसमें फर्जीवाड़ा सामने आया। इस मामले में सेक्टर-39 थाने में मुकदमा भी दर्ज कराया गया है। मुकदमा दर्ज होने के बावजूद उनकी रकम वापस नहीं की गई है।।इसी कारण सोमवार को किसान गार्डन गैलेरिया मॉल के बाहर धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन की सूचना मिलने पर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी। कानून-व्यवस्था को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचकर किसानों से बातचीत कर रहे हैं।

किसान अपनी रकम वापस कराने और मामले में उचित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पुलिस के आश्वासन के ।बद धरना शाम पांच बजे खत्म कर दिया गया है। एडीसीपी नोएडा मनीषा सिंह ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर पहले ही मामला दर्ज किया गया है और साक्ष्य के आधार पर चार्जशीट अदालत में प्रस्तुत कर दी गई है।

कैंसर से लड़ रहे बच्चों के समर्थन में सुनहरे रंग में चमक उठा नोएडा का इस्कॉन मंदिर

नोएडा। आशा और एकजुटता का संदेश देते हुए सेक्टर 33, नोएडा स्थित इस्कॉन मंदिर सुनहरे रंग में चमक उठा। यह कदम इंटरनेशनल चाइल्डहुड कैंसर अवेयरनेस माह के तहत उठाया गया। इस पहल को एक्सेस लाइफ असिस्टेंस फाउंडेशन - नोएडा सेंटर ने आयोजित किया था। इसका उद्देश्य बच्चों को होने वाले कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना और कैंसर से लड़ रहे बच्चों एवं उनके परिवारों के लिए भावनात्मक एवं सामुदायिक समर्थन के महत्व को सामने लाना था।

बच्चों में होने वाले कैंसर के प्रति जागरूकता के लिए शाम 6 बजे से 7.30 बजे तक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पीजीआईसीएच हॉस्पिटल स्टाफ, पीजीआईसीएस डायरेक्टर, एक्सेस लाइल वॉलंटियर्स, परिवार और समाज के अन्य लोग साथ आए और कैंसर से लड़ रहे बच्चों एवं उनके परिवारों के लिए अपना समर्थन प्रदर्शित किया।

इस्कॉन मंदिर को स्वर्णिम रंग में रंगना उम्मीद, साहस और एकजुटता का प्रतीक था। इसने कैंसर से लड़ रहे बच्चों के साहस और उनके परिवारों की मजबूती को प्रदर्शित किया। इस पहल ने इस संदेश को भी मजबूती दी कि कैंसर का सामना कर रहे बच्चों को अपने आस-पास भावनात्मक समर्थन, सहृदयता और मजबूत समाज की जरूरत होती है।

पीजीआईसीएस डायरेक्टर और हॉस्पिटल स्टाफ की उपस्थिति से इस अवसर का महत्व बढ़ गया था। कार्यक्रम में उपस्थिति, प्रोत्साहन और बच्चों में होने वाले कैंसर के प्रति जागरूकता की पहल के लिए एक्सेस लाइफ ने डायरेक्टर और पीजीआईसीएच की पूरी टीम के प्रति आभार जताया।

संक्षिप्त समाचार

बैट-डंडों से मुझे बुरी तरह पीटा', दिल्ली पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल पर जानलेवा हमला; दो गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। बाहरी दिल्ली के विजय विहार इलाके में बदमाशों ने दिल्ली पुलिस में तैनात हेड कॉन्स्टेबल को बुरी तरह से पीटा और सोने की चेन व फोन लूटकर फरार हो गए। यह वारदात सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है और फुटेज के अधार पर दो आरोपियों आरिफ व भूरा को पुलिस ने पकड़ने का दावा किया। पीड़ित पुलिसकर्मी अमन विहार थाने में तैनात है और उनका आरोप है कि नवासा नामक बदमाश और उसके साथ आए छह-सात युवकों ने बेसबॉल बैट और डंडों से उनकी पिटाई की थी। इस घटना में हेड कॉन्स्टेबल को गंभीर चोटें आईं। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, हेड कॉन्स्टेबल कृष्णा वर्ष 2006 में दिल्ली पुलिस में भर्ती हुए थे। 23 सितंबर को उनकी दिन की इमरजेंसी ड्यूटी थी। रात करीब 12 बजे ड्यूटी समाप्त होने के बाद वह घर लौट रहे थे। वहीं, इसी दौरान पत्नी का फोन आया। पत्नी के कहने पर वह कोल्ड ड्रिंक लेने के लिए मंगोलपुरी के वाई-ब्लॉक पहुंचे। उनका कहना है वहां कुछ युवक आपस में बतमीजी कर रहे थे। जिनको डांटकर उन्होंने वहां से भगा दिया था। कुछ देर बाद ही मौके पर 7-8 युवक आ धमके और उन लोगों ने आते ही मेरी पिटाई कर दी। हेड कॉन्स्टेबल का कहना है कि वह किसी तरह से वहां से निकला और विजय विहार थाने पहुंचा। वहां पर एक पुलिस वाले से जब बोला कि मैं हेड कॉन्स्टेबल हूं और घर पर फोन करना है क्योंकि बदमाश फोन लूटकर भाग गए हैं। उसने फोन देने से मना कर दिया। बताया कि बाद में एक अन्य पुलिस वाले ने फोन दिया तब उसने अपने परिवार को वारदात की जानकारी दी। पुलिस का कहना है कि मामले की जानकारी मिलने पर विजय विहार पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के बाद दो आरोपियों को पकड़ा जबकि अन्य की तलाश की जा रही है। हेड कॉन्स्टेबल का कहना है कि मंगोलपुरी के बाद नवासा व उसके साथियों ने उस पर जानलेवा हमला किया था जबकि उनकी पहले से कोई रंजिश नहीं थी।

दिल्ली में सितंबर की ठंड ने तोड़ा 25 साल का रिकॉर्ड, दूसरा सबसे कम तापमान दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में सितंबर की ठंड ने रविवार को नया रिकॉर्ड बनाया। न्यूनतम तापमान

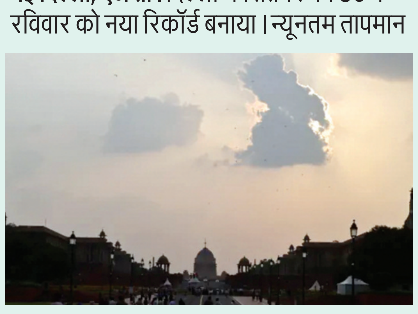

21.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सितंबर 2001 के बाद दूसरा सबसे कम न्यूनतम तापमान है। मौसम विभाग के अनुसार, सितंबर में इससे कम न्यूनतम तापमान छह सितंबर 2008 को 20.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इसके बाद 19 सितंबर 2024 को 21.1 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज हुआ था। शनिवार को मौसम में आए बदलाव और हुई वर्षा का असर रविवार को भी बना रहा। इसी का परिणाम था कि रविवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.9 डिग्री कम रहा। वहीं, अधिकतम तापमान 30.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.7 डिग्री कम है। इससे राजधानी में दिन के समय भी मौसम सामान्य की तुलना में ठंडा रहा। दिल्ली के अन्य मौसम केंद्रों पर तापमान में कमी दर्ज की गई। रिज में न्यूनतम तापमान सबसे कम 16.8 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। यहां अधिकतम तापमान 30.0 डिग्री दर्ज हुआ। पालम में न्यूनतम तापमान 19.2 डिग्री जबकि अधिकतम 29.2 डिग्री दर्ज किया गया। लोदी रोड पर न्यूनतम तापमान 21.0 डिग्री एवं अधिकतम तापमान 30.0 डिग्री रहा। आयानगर में न्यूनतम तापमान 21.2 डिग्री जबकि अधिकतम तापमान 30.2 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार रात से रविवार सुबह तक दिल्ली में पांच मिमी वर्षा दर्ज की गई। वर्षा के बाद तापमान में गिरावट से मौसम में ठंडक बढ़ गई। सोमवार को भी आसमान में बादल छाए रहने का अनुमान है। अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

नोटिस से टेंशन

मां-बेटे की उम्र में 15 साल का अंतर', चुनाव आयोग की गलती का खामियाजा भुगत रहे लोग

नईदिल्ली, एजेंसी। वर्ष 2002 में चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किया था। उस दौरान चुनाव आयोग ने एसआईआर में एक महिला की उम्र 9 वर्ष कम करके दर्ज की थी। कम की गई उस उम्र का अंजाम महिला का बेटा इस एसआईआर में भुगत रहा है। चुनाव आयोग ने महिला के बेटे को नोटिस जारी करके पूछा है कि यह कैसे संभव है। मां व बेटे की उम्र में सिर्फ 15 वर्ष का अंतर है।

अरशद अपने परिवार के साथ ब्रह्मपुरी में रहते हैं। उनके माता-पिता की मौत हो चुकी है। वर्ष 2002 में उनकी मां ने एसआईआर में भाग लिया था। युवक का कहना मौजूदा वक्त में चल रहे एसआईआर में उन्होंने अपनी मां की जानकारी साझा की

है। कुछ दिनों पहले उनके पास नोटिस आया कि उनकी मां और उनकी उम्र में 15 वर्ष का अंतर है।

उन्होंने मां के कागजात मांगे, जिससे यह पता चल सके कि दोनों की उम्र में कितनी उम्र का फर्क है। युवक का कहना है कि वर्ष 1994 से पहले उनकी मां का पहचान पत्र बना था। उनके पास पासपोर्ट भी नहीं था। एक व्यक्ति रहते हैं। उन्होंने दो निकाह किए हुए हैं। दोनों पत्नियों से उन्हें दो बेटे हैं। दोनों बेटों की उम्र में नौ माह से कम का अंतर है। दोनो बेटों ने एसआईआर फार्म में अपने पिता की जानकारी दी थी। चुनाव आयोग ने दोनों युवकों को नोटिस जारी करके पूछा है यह कैसे संभव है कि एक ही व्यक्ति के 9 माह से कम समय में दो बच्चे हो जाएं। दोनों युवकों ने अपनी मां के निकाह नामा की फोटो कापी नोटिस के जवाब में लगाई है, लेकिन वह उर्दू भाषा में है। बीएलओ को उर्दू आती नहीं है। युवकों के पिता ने निर्वाचन अधिकारियों के सामने पेश होकर बताया कि उनके दोनों बच्चों की मां अगल-अलग है।

मां की मौत हो गई

वर्ष 2020 तक आधार कार्ड भी नहीं आया था। युवक का कहना है कि पहचान पत्र के अनुसार, वर्ष 2002 में उनकी मां की उम्र 35 वर्ष थी। एसआईआर होने के कुछ वर्ष बाद उनकी मां की मौत हो गई। युवक ने खुद की उम्र साबित करने के लिए अपनी जन्मपत्री नोटिस के जवाब में लगाई है। युवक ने 2002 की मतदाता सूची निकाली तो पता चला चुनाव आयोग ने मां की उम्र करीब 9 वर्ष कम करके रिकॉर्ड में दर्ज की हुई है। जिसकी वजह से अब उन्हें परेशानी हो रही है। जबकि उनके पहचान पत्र में उम्र ठीक थी।

फर्जी डिलीवरी से कागजों में बदल जाते थे मां-बाप, बच्चों की खरीद-फरोख्त के केस में कोर्ट में चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बच्चों की खरीद-फरोख्त करने वाले गिरोह ने तस्करी किए गए बच्चों को खरीदारों का अपना बच्चा साबित करने के लिए बाकायदा कागजी व्यवस्था तैयार कर रखी थी। रोहिणी के बेगमपुर स्थित एक निजी अस्पताल का इस्तेमाल फर्जी मेडिकल रिकॉर्ड, र्ती से जुड़े दस्तावेज और प्रसव संबंधी कागजात तैयार करने में किया जाता था। इसके बाद तस्करी कर लाए गए बच्चों को ऐसे दंपती को सौंप दिया जाता था, जिन्हें बच्चा चाहिए होता था। दिल्ली पुलिस की 600 से अधिक पन्नों की चार्जशीट में इस पूरे नेटवर्क के तौर-तरीकों का उल्लेख किया गया है। पुलिस ने मामले में 24 आरोपितों के खिलाफ तीस हजारी कोर्ट में तीन सितंबर को आरोप पत्र दाखिल किया है। इनमें 12 खरीदार और बेगमपुर स्थित निजी अस्पताल की संचालक डा. विवेकी भी शामिल हैं।

आरोपितों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 143(4), 61(2), 3(5) समेत अन्य धाराओं और किशोर न्याय एक्ट की धारा 81 के तहत कार्रवाई की गई है। जांच के दौरान पुलिस ने दिल्ली समेत दूसरे राज्यों से लाए गए नौ बच्चों को बरामद किया। पुलिस के मुताबिक, गिरोह का पर्दाफाश एक मुखबिर की सूचना से हुआ। मुखबिर ने एक महिला को अलग-अलग मौकों पर अलग-अलग बच्चों के साथ देखा था। जांच में महिला की पहचान ज्योति उर्फ कमलेश के रूप में हुई। उसके बारे में जानकारी जुटाने के बाद पुलिस ने एक पुरुष और महिला अधिकारी को ग्राहक बनाकर उससे संपर्क कराया। ज्योति ने एक नवजात लड़के को पांच लाख रुपये में देने की बात कही और टोकन के तौर पर 20 हजार रुपये ले लिए। बच्चे की डिलीवरी के लिए पांच जून को आरके आश्रम मेट्रो स्टेशन के पास बुलाया गया। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर चार-पांच दिन के बच्चे को बरामद कर लिया और ज्योति को गिरफ्तार कर लिया। जांच आगे बढ़ी तो उसके गिरोह की अहम समन्वयक के तौर पर भूमिका सामने आई।

दिल्ली में 1.75 लाख लोगों की बल्ले-बल्ले, सीएम रेखा गुप्ता ने 214 करोड़ के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

नईदिल्ली, एजेंसी। सेवा संकल्प अभियान के तहत मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को किराड़ी, बवाना, मुंडका, नरेला और नांगलोई जाट विधानसभा क्षेत्रों की अनाधिकृत कॉलोनियों में 214.12 करोड़ रुपये की लागत से 53 विकास कार्यो का शिलान्यास किया। इन कार्यों से करीब 1.75 लाख नागरिकों को लाभ मिलेगा। इनका मुख्य उद्देश्य सड़क, ड्रेनेज, सीवेज और अन्य बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री के मन की बात के 138 वें एपिसोड को भी सुना। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क, नाली, सीवेज और ड्रेनेज जैसी मूलभूत सुविधाएं प्रत्येक नागरिक की जरूरत हैं और सरकार दिल्ली के हर क्षेत्र में इनके विकास पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्षों से लंबित समस्याओं का स्थायी समाधान करना सरकार का उद्देश्य है। इन 53 कार्यों के तहत 27 अनधिकृत कॉलोनियों में 1,062 सड़क और गलियों का विकास किया जाएगा। इसके अलावा करीब 89.82 किलोमीटर सड़क नेटवर्क और 147.69 किलोमीटर ड्रेनेज नेटवर्क विकसित किया जाएगा। इससे स्थानीय आवागमन बेहतर होने के साथ जल निकासी की व्यवस्था मजबूत होगी और जलभराव की समस्या कम करने में मदद मिलेगी। सबसे अधिक कार्य किराड़ी में होंगे। बताया गया कि यहां 14 अनधिकृत कॉलोनियों में 105.51 करोड़ रुपये की लागत से 27 कार्य किए जाएंगे।

मुस्लिम पर्सनल लॉ से ऊपर है पीओसीएसओ एक्ट

नाबालिग से शादी के बाद संबंध बनाना भी रेप'; दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत वैध माना जाने वालॉ विवाह भी 18 वर्ष से कम उम्र की पत्नी से यौन संबंध बनाने पर पति को आपराधिक कार्रवाई से संरक्षण नहीं देता।

न्यायमूर्ति संजीव नरूलॉ की पीठ ने कहा कि व्यक्तिगत कानून, पाक्सो अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता में बच्चों को दी गई सुरक्षा को खत्म नहीं कर सकता।

अदालत ने यह टिप्पणी 16 वर्ष तीन माह की लड़की से विवाह करने वाले 28 वर्षीय व्यक्ति के खिलॉफ दर्ज प्राथमिकी रद करने से इनकार करते हुए की। हाई कोर्ट ने विवाह की नागरिक वैधता और नाबालिग से यौन संबंध के आपराधिक परिणाम को अलग-अलग माना। अदालत ने कहा कि पाक्सो के तहत 18 वर्ष से कम उम्र का व्यक्ति बच्चा है और उसकी सहमति यौन संबंध को वैध नहीं बनाती।

बीएनएस की धारा 63 में भी 18 वर्ष से कम उम्र की महिला के साथ यौन संबंध को दुष्कर्म माना गया है और वैवाहिक अपवाद भी 18 वर्ष से कम उम्र की पत्नी पर लगू नहीं होता।

विवाह से उम्र नहीं बदलती

अदालत ने कहा कि विवाह से बच्चे की उम्र नहीं बढ़ जाती। विवाह से पहले जो व्यक्ति 16 वर्ष का था, वह विवाह के बाद भी 16 वर्ष का ही रहता है। अदालत ने प्राथमिकी रद करने के साथ पुलिस अधिकारी के खिलॉफ कार्रवाई और मुआवजे की मांग भी खारिज कर दी। मामले में व्यक्ति पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(1) और पाक्सो अधिनियम की धारा छह के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। विवाह के बाद दोनों साथ रहे और महिलॉ गर्भवती हुई। गर्भावस्था के दौरान सरकारी अस्पताल में जांच के समय उसकी उम्र सामने आई।

पर्सनल लॉ को लेकर दिया तर्क

याचिका में दंपती ने दावा किया था कि विवाह दोनों की इच्छा और परिवारों की सहमति से हुआ था। उनका तर्क था कि मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत युवावस्था प्राप्त कर चुकी मुस्लिम लड़की विवाह करने में सक्षम होती है और इसलिए विवाह के बाद बने संबंध को अपराध नहीं माना जाना चाहिए।

16 साल पुराने रेप केस में दिल्ली हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, रद्द की 7 साल की सजा

नई दिल्ली, एजेंसी। दुष्कर्म के 16 साल पुराने मामले में वैज्ञानिक साक्ष्यों ने एक व्यक्ति पर लगे दुष्कर्म के दाग को धो दिया। सात साल की सजा सुनाने संबंधी ट्रायल कोर्ट के आदेश को रद करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने पाया कि शिकायतकर्ता महिला के बयान और वैज्ञानिक साक्ष्यों में विसंगतियां हैं। अपीलकर्ता को रिहा करने का आदेश देते हुए न्यायमूर्ति विमल कुमार यादव की पीठ ने कहा कि पूरा मामला मुख्य रूप से शिकायतकर्ता महिला के बयान पर टिका था। पीठ ने टिप्पणी की कि दुष्कर्म के मामले में सजा सिर्फ महिला के बयान के आधार पर हो सकती है, लेकिन ट्रायल कोर्ट ने इस सिद्धांत को गलत तरीके से समझा कि बिना पुष्टि वाले बयान की आंतरिक विश्वसनीयता की जांच करने की जरूरत नहीं है। रिकॉर्ड पर पेश हुए साक्ष्यों को देखते हुए पीठ ने कहा कि फोरेंसिक साक्ष्यों के सामने शिकायतकर्ता महिला के बयान गलत साबित हुए। महिला ने कहा था कि यौन उत्पीड़न के दौरान उसके कपड़े खून से लथपथ हो गए थे, जबकि फोरेंसिक रिपोर्ट में उसके कपड़ों पर कोई खून नहीं मिला था। अभियोजन पक्ष का आरोप था कि अपीलकर्ता व्यक्ति ने महिला को दिल्ली के एक बाजार से जबरदस्ती लेकर उत्तर प्रदेश गया और वहां पर उसे चार दिनों तक बंधक बनाकर रखा। इतना ही नहीं उसने महिला का यौन उत्पीड़न किया गया।

सिर्फ यौन इच्छा नहीं, मानसिक विकृति और नफरत का नतीजा हैं सेक्सुअल क्राइम; एम्स स्टडी का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। यौन अपराध को केवल यौन इच्छा या मानसिक बीमारी से जोड़कर देखना सही नहीं है। मनोचिकित्सकों के अनुसार, कुछ मामलों में गुस्सा, शत्रुता, सहानुभूति की कमी, विकृत सोच, आवेग पर नियंत्रण न होना और महिला पर अधिकार जताने की मानसिकता मिलकर यौन हिंसा का रास्ता तैयार कर सकते हैं।

आस्था कुंज सामूहिक दुष्कर्म मामले के बाद अपराध के पीछे के मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर चर्चा के बीच विशेषज्ञों ने कहा कि हर आरोपी की मानसिक और सामाजिक पृष्ठभूमि अलग होती है।एम्स नई दिल्ली के मनोरोग विभाग के प्रोफेसर डॉ. राजेश सागर ने यौन अपराध के आरोपी 40 पुरुषों के मनोसामाजिक पहलुओं का अध्ययन किया गया था। इनमें करीब 75 प्रतिशत ने बचपन में कम से कम एक प्रतिकूल अनुभव होने की बात बताई। अध्ययन में आरोपियों में गुस्सा और शत्रुता का स्तर अधिक पाया गया। साथ ही दूसरे व्यक्ति का नजरिया समझने और सहानुभूति से जुड़े पहलुओं का भी आकलन किया

गया। डॉ. राजेश सागर ने अध्ययन के हवाले से बताया कि बचपन के प्रतिकूल अनुभव, आक्रामकता और मनोविकृति संबंधी लक्षणों को यौन हिंसा की रोकथाम और दोबारा अपराध रोकने के प्रयासों में समझना जरूरी है।

विशेषज्ञों के अनुसार, सामान्य संबंधों में निकटता धीरे-धीरे विश्वास और स्नेह के साथ विकसित होती है, लेकिन यौन अपराध करने वाले कुछ लोगों में संबंधों को देखने का नजरिया अलग हो सकता है। वे सामने वाले की इच्छा और सीमाओं को महत्व नहीं देते तथा बल प्रयोग को भी सामान्य मानने लगते हैं।

वहीं, ऐसे मामलों में गुस्सा और शत्रुता स्थिति को और हिंसक बना सकती है। हालांकि शोध के निष्कर्ष किसी व्यक्ति के अपराध का एकमात्र कारण निर्धारित नहीं करते।

मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इहबास) के पूर्व निदेशक डॉ. निमेष जी देसाई के अनुसार, तेजी से शहरीकरण, गांव से शहर की ओर पलायन, यौन कुंठा, कानून का भय कम होना और सोशल मीडिया का प्रभाव कुछ पुरुषों में अपराध की ओर जाने वाले कारकों में शामिल हो सकते हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इनमें से कोई भी कारक अपराध को उचित नहीं ठहरा सकता। यौन इच्छा स्वाभाविक है, लेकिन उसे सामाजिक और नैतिक रूप से उचित तरीके से नियंत्रित करना सीखना जरूरी है।

डॉ. देसाई के अनुसार, पुरुषों को सहमति, सीमाओं और महिलाओं के सम्मान के बारे में शिक्षित करना और तेज और समान आपराधिक न्याय व्यवस्था सुनिश्चित करना अपराध की रोकथाम में महत्वपूर्ण है।

कौन हैं पाकिस्तान की बोलती बंद करने वाली पेटल गहलोत, दिल्ली से है नाता, तीन भाषाओं में गाती हैं गाना

नई दिल्ली, एजेंसी। यूनाइटेड नेशन के मंच पर पाकिस्तान के भारत विरोधी दावों का जवाब देकर चर्चा में आईं भारतीय विदेश सेवा अधिकारी पेटल गहलोत की पहचान सिर्फ एक राजनयिक के तौर पर नहीं है। कूटनीति के साथ संगीत में भी उनकी गहरी रुचि है। वह हिंदी, अंग्रेजी और फ्रेंच में गाना गा सकती हैं। न्यूयार्क स्थित संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में तैनात पेटल अब तक पाकिस्तान को तीन बार 'राइट ऑफ रिप्लाई' के जरिये मुंह तोड़ जवाब दे चुकी हैं।

पेटल गहलोत का जन्म 23 नवंबर 1989 को दिल्ली के वसंत कुंज में हुआ। उनकी शुरुआती पढ़ाई चाणक्यपुरी के मालचा मार्ग स्थित कार्मेल कान्वेंट स्कूल में हुई। परिवार के मुंबई स्थानांतरित होने के बाद उन्होंने सेंट ऐन्स स्कूल से पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उन्होंने मुंबई के सेंट जेवियर्स कालेज से स्नातक किया और दिल्ली विश्वविद्यालय

के लेडी श्रीराम कालेज से राजनीति विज्ञान में मास्टर्स की डिग्री हासिल की। विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर उन्हें स्वर्ण पदक भी मिला। 2015 में सिविल सेवा परीक्षा पास, चुनी विदेश सेवा पेटल ने 2015 की सिविल सेवा परीक्षा में 96वीं रैंक हासिल की और पहली पसंद के तौर पर भारतीय विदेश सेवा को चुना। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने फ्रेंच को विदेशी भाषा के रूप में चुना और पेरिस में भाषा प्रशिक्षण लिया। फ्रेंच भाषा पर मजबूत पकड़ के चलते उन्होंने कई उच्चस्तरीय बैठकों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए दुभाषिए की भूमिका भी निभाई।

संयुक्त राष्ट्र में तीन बार रखा भारत का पक्ष

पेटल गहलोत जुलाई 2023 से न्यूयार्क स्थित संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में तैनात हैं। इस दौरान पाकिस्तान के भारत विरोधी बयानों के जवाब में उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में तीन बार 'राइट आफ रिप्लाई' के जरिए भारत का पक्ष रखा है।

परिवार में भी सेना, राजस्व सेवा और कानून की पृष्ठभूमि

पेटल के पिता कैप्टन संजय गहलोत भारतीय सेना की कैवेलरी में अधिकारी रहे। बाद में वह भारतीय राजस्व सेवा में शामिल हुए और करीब तीन दशक की सेवा के बाद सीमा शुल्क विभाग में प्रधान आयुक्त के पद से सेवानिवृत्त हुए। उनकी मां ने रसायन विज्ञान में एमएससी करने के बाद फैशन डिजाइन का अध्यापन किया। छोटे भाई साहिर गहलोत सुप्रीम कोर्ट में

थप्पड़ कांड: मंत्री प्रवेश वर्मा को लेकर गरमाई दिल्ली की राजनीति

नईदिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर में सड़क निरीक्षण के दौरान मंत्री प्रवेश वर्मा द्वारा वीडियो बना रहे युवक को थप्पड़ मारने के बाद दिल्ली की राजनीति गरमा गई। आम आदमी पार्टी ने मंत्री की गिरफ्तारी की मांग की, जबकि भाजपा ने विधायक जरनैल सिंह पर भीड़ जुटाकर माहौल बिगाड़ने का आरोप लगाया। जरनैल सिंह पूर्व सूचना के बावजूद 45 मिनट देर से भीड़ लेकर पहुंचे और मंत्री को उत्तेजित किया। ऐसी राजनीति उचित नहीं है। सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार दिखाने पर मंत्री ने युवक को थप्पड़ मारा। आम आदमी को इंसान नहीं समझने वाले प्रवेश वर्मा को गिरफ्तार किया जाए। सोमवार को मैं तिलक नगर जाकर सड़क का मुआयना करूंगा। जरनैल सिंह ने मंत्री के सामने हाथ से सड़क की घटिया गुणवत्ता दिखा दी तो प्रवेश वर्मा आपा खो बैठे और वीडियो बना रहे युवक को थप्पड़ मार दिया। प्रवेश वर्मा ने पैसा खाकर ख़राब सड़क बनाई और सवाल पूछने पर सरेआम थप्पड़ मार दिया। दिल्ली पुलिस को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। प्रवेश वर्मा ने मुझे सड़क की गुणवत्ता दिखाने के लिए बुलाया था। मैंने हाथ से सड़क की परत उखाड़कर दिखाई, जिसके बाद उन्होंने वीडियो बना रहे युवक को थप्पड़ मार दिया। प्रवेश वर्मा के सामने जरनैल सिंह ने सड़क की गुणवत्ता उजागर की तो वह बौखला गए और भ्रष्टाचार की रिकॉर्डिंग कर रहे युवक को थप्पड़ मार दिया।

शूटिंग से भारत की झोली में आया एक और मेडल

ईशा ने 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में जीता सिल्वर

टोयोटा । भारत की निशानेबाज ईशा सिंह ने सोमवार को एशियाई खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। अत्यधिक दबाव के बीच ईशा ने गजब के मानसिक संतुलन का परिचय दिया। प्रतियोगिता के दौरान उन्हें कई बार कठिन शूट-ऑफ का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने अपनी एकाग्रता नहीं खोई और दृढ़ संकल्प के साथ दूसरा स्थान हासिल कर देश को गौरवान्वित किया। एशियन गेम्स में ईशा का यह तीसरा सिल्वर मेडल है। इससे पहले उन्होंने हांग्जो 2023 में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में सिल्वर मेडल जीता था। ईशा ने 580-223 के स्कोर के साथ आठवें स्थान पर रहते हुए मुश्किल से फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। हालांकि, मेडल राउंड शुरू होते ही भारतीय खिलाड़ी ने उस शुरुआती संघर्ष को पीछे छोड़ दिया और फाइनल की शुरुआत अपने पांच शॉट्स में पांच परफेक्ट हिट्स के साथ की। शुरुआती दौर में वह लीडर्स में बनी रहीं, लेकिन टॉप पर मुकाबला बार-बार कड़ा होता रहा। चीन की जिओ जियारुइक्सुआन लगातार परफेक्ट सीरीज के साथ आगे बढ़ गईं, जबकि उत्तर कोरिया की किम ह्योन सुक भी मेडल की दौड़ में मजबूती से बनी रहीं। एलिमिनेशन राउंड में और भी उतार-चढ़ाव आए। तीन हिट्स के बाद ईशा स्टैंडिंग में नीचे खिसक गईं, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 5/5 का स्कोर किया और खुद को मुकाबले में बनाए रखा। जब वियतनाम की ट्रिन्ह थू विन्ह बाहर हुईं, तो भारतीय खिलाड़ी का मेडल पक्का हो गया।

इसके बाद ब्रॉन्ज मेडल के लिए मुकाबला ईशा और किम के बीच शूट-ऑफ के एक असाधारण क्रम में बदल गया, क्योंकि दोनों 34 हिट्स पर बराबरी पर थीं। दोनों शूटर्स ने शुरुआत में तीन-तीन हिट्स किए, जिससे एक और शूट-ऑफ की स्थिति बन गई। एक तकनीकी रुकावट ने तनाव और बढ़ा दिया, जिसके बाद सिंगल-शॉट की स्थिति के साथ मुकाबला फिर से शुरू हुआ।

मैं जजों की गलतियों के लिए शुक्रगुजार हूं

आप इसे भगवान की कृपा कह सकते हैं: ईशा सिंह

टोयोटा । भारतीय निशानेबाज ईशा सिंह ने कहा कि सोमवार को आइची-नागोया एशियन गेम्स 2026 में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल के दौरान आई अप्रत्याशित बाधाएं आखिरकार उनके पक्ष में रहीं। उन्होंने स्वीकार किया कि इन रुकावटों ने उन्हें बढ़ते दबाव और थकान से उबरने का जरूरी समय दिया, जिसकी बदौलत वे सिल्वर मेडल जीतने में सफल रहीं। 21 वर्षीय ईशा आठवें स्थान पर क्वालीफाई करने के बाद फाइनल में पहुंची थीं। उन्होंने एक उतार-चढ़ाव भरे मेडल राउंड का सामना किया, जिसमें कई शूट-ऑफ, तकनीकी रुकावटें और गोल्ड मेडल के लिए चीन की शियाओ जियारुइक्सुआन के साथ लंबी टक्कर शामिल रही। फाइनल शूट-ऑफ के बाद ईशा दूसरे स्थान पर रहीं, लेकिन उन्होंने कहा कि यह अनुभव मेडल से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण था। ईशा ने 'आईएएनएस' से बात करते हुए कहा, 'यह अद्भुत था और मुझे पहले कभी ऐसा अनुभव नहीं हुआ। यह निश्चित रूप से मेरे अद्भुत अनुभवों की सूची में शामिल होगा। मैं हर पल के लिए आभारी हूं। हालांकि, यह घबराहट पैदा करने वाला था, फिर भी यह अद्भुत था।' भारतीय शूटर ने माना कि फाइनल के दौरान कई बार वह बाहर होने की कगार पर थीं।

संक्षिप्त समाचार

एशियन गेम्स

एंसी सोजन ने 'लॉन्ग जंप' में जीता सिल्वर, चौथे स्थान पर रहीं शैली

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारत की एंसी सोजन ने महिलाओं की लॉन्ग जंप में सिल्वर मेडल जीता। नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में हुए रोमांचक मुकाबले में चीन की हुआंग यिंगयिंग ने अपनी आखिरी जंप में 6.55 मीटर की दूरी तय करते हुए गोल्ड अपने नाम किया

और भारतीय खिलाड़ी को सिर्फ दो सेंटीमीटर से पछाड़ा। शैली सिंह मुकाबले के ज्यादातर समय मेडल की दौड़ में बनी हुई थीं, लेकिन अंतत: चौथे स्थान पर रहीं। एंसी ने अपनी पहली ही कोशिश में 6.49 मीटर की दूरी तय करते हुए गोल्ड मेडल की स्थिति बना ली थी, लेकिन उनकी दूसरी जंप फाउल करार दी गई। हालांकि, उनकी पहली कोशिश उन्हें मुकाबले के दौरान शीर्ष पर बनाए रखने के लिए काफी थी। दूसरी तरफ, शैली ने 6.25 मीटर के साथ शुरुआत करते हुए अपनी दूसरी कोशिश में 6.34 मीटर तक पहुंचीं। उन्होंने अपनी तीसरी जंप में भी वही दूरी तय की और तीन राउंड के बाद शीर्ष आठ खिलाड़ियों में जगह बनाकर मेडल की दौड़ में बनी रहीं। चौथे राउंड में शीर्ष पर मुकाबला और कड़ा हो गया।

कुराश में पिंकी बल्हारा को ब्रॉन्ज मेडल से करना पड़ा संतोष

सेमीफाइनल में मिली हार

नागोया । भारत की पिंकी बल्हारा ने सोमवार को एशियन गेम्स 2026 में कुराश के -78 किग्रा वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। हालांकि, उन्हें सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। 2018 में जकार्ता में हुए एशियन गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने वाली पिंकी एशियन गेम्स 2026 के सेमीफाइनल मैच में साउथ कोरिया की मो सुमिन

से 0-5 से हार गईं और गोल्ड मेडल के मुकाबले में जगह नहीं बना पाईं। सेमीफाइनल में सुमिन का पिंकी के खिलाफ पूरी तरह से दबदबा देखने को मिला। भारतीय खिलाड़ी को एक 'डक्की' (कुराश में दो चेतावनी) मिली। वहीं, सुमिन ने पहले आधा प्वाइंट (चाला) और बाद में 'योनबोश' (पूरा प्वाइंट) हासिल करके मुकाबला 5-0 से जीत लिया। पिंकी ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में एक और साउथ कोरियाई खिलाड़ी लिम को 3-0 से हराया था। उन्होंने कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ 'चाला' (आधा प्वाइंट) हासिल किया, जबकि क्वार्टर फाइनल में लिम को 'तानबेख' (चेतावनी) मिली थी।

भारतीय महिला हॉकी टीम की बड़ी जीत, सिंगापुर को हराकर

सेमीफाइनल में जगह बनाई

नागोया। सुनेलिता टोप्पो के दो गोल की मदद से भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियन गेम्स के अपने अंतिम पूल बी मैच में सिंगापुर को 7-0 से रौंद दिया। महिला टीम का अब सेमीफाइनल में सामना कोरिया से होगा। भारत ने पांच मैच में पांच जीत के साथ पूल बी में शीर्ष स्थान हासिल किया। अब सेमीफाइनल 30 सितंबर को होगा। भारत के लिए कप्तान सलीमा टेटे (17वें मिनट), सुनेलिता (22वें, 24वें), लालरेमसियामी (26वें), रुतुजा दादासो पिसाल (29वें), निक्की प्रधान (35वें) और दीपिका (55वें) ने गोल किए।

पेनल्टी कॉर्नर में भारत को करना पड़ा संघर्ष

भारत ने पूरे मुकाबले में लगातार दबाव बनाए रखा, लेकिन सिंगापुर की डिफेंस ने शुरुआती क्वार्टर में भारतीय हमलों को रोकने के लिए शानदार बचाव किया। भारत को पहले दो क्वार्टर में 15 पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन टीम इनमें से सिर्फ तीन को गोल में बदल सकी। पहले तीन क्वार्टर तक भारत को कुल 24 पेनल्टी कॉर्नर मिले थे, जिनमें से केवल तीन पर गोल हो सका। इसके बावजूद भारतीय टीम ने लगातार आक्रमण जारी रखा और मुकाबले पर अपनी पकड़ बनाए रखी। इस जीत के साथ भारत ने पूल बी में पांच मैचों में पांच जीत के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। अब भारतीय महिला टीम 30 सितंबर को सेमीफाइनल में कोरिया का सामना करेगी। दूसरे सेमीफाइनल में मौजूदा चैंपियन और ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन की भिड़ंत मेजबान जापान से होगी।

भारत ने बनाए रखा दबदबा

गत चैंपियन और मौजूदा ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन दूसरे सेमीफाइनल में मेजबान जापान से भिड़ेगा। सिंगापुर ने पहले क्वार्टर में भारत को कड़ी टक्कर दी, लेकिन भारत ने दबदबा बनाए रखा। सिंगापुर ने भारत के शुरुआती आठ पेनल्टी कॉर्नर नाकाम किए। दूसरे क्वार्टर में सलीमा ने मैदानी गोल से भारत का खाता खोला। इसके बाद सुनेलिता ने दो गोल किए जबकि ललरेमसियामी और रुतुजा ने भी गोल कर भारत को 5-0 से आगे कर दिया। तीसरे क्वार्टर में निक्की ने भारत की बढ़त 6-0 कर दी। भारत को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन टीम उन्हें गोल में बदलने में नाकाम रही। मैच खत्म होने से पांच मिनट पहले दीपिका ने शानदार फ्लिक से सातवां गोल किया। पहले तीन क्वार्टर में भारत को 24 पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन इनमें से केवल तीन को ही गोल में बदला जा सका। मैच खत्म होने से पांच मिनट पहले भारत को लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले जिसमें दीपिका ने टीम का सातवां गोल किया।

रूस के साथ मैच खेलेगी भारतीय महिला फुटबॉल टीम

32 साल बाद भारत आएगी रूसी टीम

कोलकाता। भारतीय महिला फुटबॉल टीम आठ और 11 अक्तूबर को फीफा महिला अंतरराष्ट्रीय मैच विंडो के दौरान किशोर भारती क्रीड़ांगन में रूस के खिलाफ दो मैत्री मैच खेलेगी। जून में रिकॉर्ड छठी बार सैफ

महिला चैंपियनशिप का खिताब जीतने के बाद ये मुकाबले भारत के पहले अंतरराष्ट्रीय मैच होंगे। अक्तूबर की यह विंडो 69वीं रैंकिंग

वाली भारत को मजबूत यूरोपीय प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ खुद को परखने का मौका देगी। रूस विश्व रैंकिंग में 27वें स्थान पर है।

2016 के बाद पहली बार कोलकाता में खेलेगी महिला टीम- यह 2016 सैफ महिला चैंपियनशिप के बाद पश्चिम बंगाल में भारत का पहला मुकाबला भी होगा। सिलीगुड़ी में हुई सैफ महिला चैंपियनशिप में भारतीय टीम ने खिताब अपने नाम किया था। रूस की महिला टीम पिछली बार 1994 में आठ देशों के जयललिता कप में हिस्सा लेने के लिए भारत आई थी।

कोहली ने वनडे में पूरे किए 15000 रन

ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज

तिरुवनंतपुरम। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले मुकाबले में 59 रन पूरे करते ही विराट कोहली ने अंतरराष्ट्रीय एकदिवसीय क्रिकेट में 15 हजार रन पूरे कर लिए। इसके साथ ही वह इस मुकाम तक पहुंचने वाले दुनिया के सिर्फ दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। विराट कोहली से पहले यह उपलब्धि सिर्फ महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम थी। हालांकि, कोहली ने इस रिकॉर्ड को एक खास अंदाज में अपने नाम किया। उन्होंने सचिन तेंदुलकर के मुकाबले 74 पारियां कम खेलकर 15 हजार रन का आंकड़ा छू लिया।

सबसे तेज 15 हजार

विराट कोहली ने 15 हजार रन का आंकड़ा अपनी 303वीं पारी में हासिल किया। वहीं, सचिन तेंदुलकर को इस मुकाम तक पहुंचने के लिए 377 पारियां खेलनी पड़ी थीं। इस तरह विराट ने सचिन के रिकॉर्ड को 74 पारियों के अंतर से पीछे छोड़ दिया। कोहली पहले भी एकदिवसीय क्रिकेट में कई बड़े रिकॉर्ड सबसे तेज हासिल कर चुके हैं।

13 हजार रन का रिकॉर्ड भी तोड़ा था

विराट कोहली इससे पहले भी सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। साल 2023 में उन्होंने सिर्फ 267 पारियों में 13 हजार रन पूरे किए थे। इससे पहले यह रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम था, जिन्होंने 321 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। अब 15 हजार रन के मामले में भी कोहली ने सचिन का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया है।

15 हजार रन के बाद भी जारी है रिकॉर्ड का सफर- विराट कोहली की नजर अब एकदिवसीय क्रिकेट के कई और बड़े आंकड़ों पर होगी। 15 हजार रन पूरे करने के साथ उन्होंने अपने शानदार करियर में एक और बड़ी उपलब्धि जोड़ ली है।

सचिन के बाद 15 हजार रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज

विराट कोहली के नाम अब एकदिवसीय क्रिकेट में 15 हजार से ज्यादा रन हो गए हैं। इस सूची में सबसे ऊपर सचिन तेंदुलकर हैं, जिन्होंने अपने करियर में कुल 18,426 रन बनाए थे। कोहली अब इस खास क्लब में शामिल होने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। 15 हजार रन पूरे करने के साथ ही उन्होंने एक बार फिर साबित कर दिया कि एकदिवसीय क्रिकेट में उनका रिकॉर्ड कितना शानदार रहा है।

भारत ने वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराया

कोहली-गिल के शतक से सीरीज में बनाई बढ़त

तिरुवनंतपुरम। भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ विकेट से जीत दर्ज की और तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। वेस्टइंडीज ने 295 रन बनाए थे, लेकिन विराट कोहली और शुभमन गिल के शतकों ने भारत के लिए लक्ष्य आसान कर दिया। कोहली ने नाबाद 139 और गिल ने 113 रन की पारी खेली। भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में शानदार जीत दर्ज की। तिरुवनंतपुरम में खेले गए मुकाबले में भारत ने वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। विराट कोहली 139 और गायकवाड़ 13 रन बनाकर नाबाद रहे। विराट कोहली ने 42वें ओवर की तीसरी और चौथी गेंद पर लगातार दो छक्के जड़कर भारत को जीत दिला दी। भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 50 गेंद बाकी रहते 296 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया।

गिल का शतक

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने 96 गेंदों पर शतक पूरा किया। गिल ने शानदार बल्लेबाजी की और कोहली के साथ साझेदारी जारी रखी। कोहली और गिल के बीच 100+ रनों की साझेदारी हो गई है।